@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 28 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 353 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भाजपा अकेले नहीं जीत सकती विधानसभा चुनाव: फडणवीस

मुंबई, 27 अक्टूबर। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र में अकेले विधानसभा चुनाव नहीं जीत सकती। मगर भाजपा चुनाव के बाद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ने कहा कि हमें जमीनी हकीकत को लेकर व्यावहारिक होना होगा। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में शामिल भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एकजुट होकर चुनाव लड़ सकते हैं और जीत सकते हैं। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा राज्य में विधानसभा चुनाव अकेले नहीं जीत सकती, लेकिन यह सच है कि हमारे पास सबसे ज्यादा सीट और सबसे ज्यादा मत प्रतिशत है। चुनाव के बाद भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। तीनों दलों के मतों का एकीकरण ही हमें विजयी बना सकता है। भाजपा ने अब तक राज्य विधानसभा की 288 सीट में से 121 पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। टिकट न मिलने पर भाजपा नेताओं की नाराजगी और बगावत को लेकर फडणवीस ने कहा कि कोई भी पार्टी यह नहीं कह सकती कि उसे दूसरे दलों के मत चाहिए, लेकिन वह सीट बंटवारे पर समझौता करने को तैयार नहीं है। मुझे हमारे कुछ महत्वाकांक्षी दावेदारों के लिए दुख है। जिन्हें इस बार चुनाव लड़ने का मौका नहीं दिया जा सका। राज्य की मौजूदा स्थिति ऐसी है, जैसे कई फिल्में बन रही हैं और हर महत्वाकांक्षी अभिनेता को मुख्य किरदार मिल सकता है। डिप्टी सीएम फडणवीस ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र में शिवसेना, एनसीपी और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की मदद से सरकार बनाएगी। महाराष्ट्र में पहली बार लोकसभा चुनाव के दौरान वोट जिहाद देखने को मिला, इससे महायुति गठबंधन राज्य की 48 सीटों में से केवल 17 सीट ही जीत पाया था, लेकिन विधानसभा चुनाव में इसका कोई असर नहीं होगा। फडणवीस बोले कि धुले लोकसभा क्षेत्र में हमारा उम्मीदवार पांच विधानसभा क्षेत्रों में आगे था, लेकिन मालेगांव-मध्य विधानसभा क्षेत्र में हुए मतदान में हमें हार का सामना करना पड़ा। विधानसभा चुनावों में यह कारगर नहीं होगा, क्योंकि उन पांच सीटों पर हमारे उम्मीदवार जीतेंगे।

बंगाल में सरकार बनाना भाजपा का अगला लक्ष्य: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश से सीमा पार घुसपैठ बंद होने पर ही पश्चिम बंगाल में शांति स्थापित हो सकती है। शाह ने दावा किया कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2026 में पश्चिम बंगाल में सत्ता में आयी तो पड़ोसी देश से अवैध आव्रजन रोका जाएगा। अमित शाह ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर पेट्रोपोल भू-पत्तन पर नए यात्री टर्मिनल और एक मैत्री द्वार का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में ये बात कही। अमित शाह ने कहा कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने में भू पत्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सीमा पार लोगों की वैध आवाजाही की कोई गुंजाइश नहीं होती है, तो आवाजाही के अवैध तरीके सामने आते हैं, जिसका असर देश की शांति पर पड़ता है। मैं बंगाल के लोगों से आग्रह करता हूं कि 2026 में परिवर्तन लाएं और हम घुसपैठ रोकेंगे तथा शांति स्थापित करेंगे। शाह ने कहा, घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति आ सकती है। दोनों देशों के बीच संबंध तथा संपर्क सुधारने में भूमि बंदरगाह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध भी बढ़ाते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार देर रात कोलकाता पहुंचे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। अमित शाह आज कोलकाता में एक संगठनात्मक बैठक भी करने वाले हैं। अमित शाह की कोलकाता यात्रा के बारे में भाजपा नेताओं ने बताया कि शाह यहां भाजपा के सदस्यता अभियान का शुभारंभ भी करेंगे। जिस भू-पत्तन टर्मिनल का केंद्रीय गृह मंत्री ने उद्घाटन किया है, उसमें वीआईपी लाउंज, ड्यूटी फ्री दुकान, बुनियादी चिकित्सा सुविधा जैसी विभिन्न आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। रोजाना 20,000 यात्रियों की क्षमता वाला यह नया टर्मिनल 59,800 वर्ग मीटर में बना है। भारत की पेट्रापोल और बांग्लादेश की बेनापोल क्रॉसिंग व्यापार और यात्री आवागमन दोनों ही नजरिये से दोनों देशों के लिए सबसे अहम जमीनी सीमा चौकियों में से एक है। दोनों देशों के बीच लगभग जमीन के जरिये होने वाला 70 फीसदी कारोबार इसी से होता है। यह गृह मंत्रालय की एक शाखा भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण के तहत काम करता है। यह भारत का आठवां सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय आव्रजन बंदरगाह भी है। यह भारत और बांग्लादेश के बीच सालाना 23.5

लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही की सुविधा देता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार पर राज्य में घुसपैठ कराने का आरोप लगाया और कहा का भाजपा का अगला बड़ा लक्ष्य 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद सरकार बनाना है। कोलकाता में भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरुआत करते हुए शाह ने कहा, हम सभी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सदस्य होने पर गर्व महसूस करते हैं। मुझे बंगाल के कार्यकर्ताओं पर भरोसा है कि हम सदस्यता संख्या में पीछे नहीं रहेंगे। पार्टी का लक्ष्य एक करोड़ सदस्य बनाना है। उन्होंने आगे कहा, अगर हम आज के राजनीतिक दलों का इतिहास देखें, तो अधिकांश जाति या परिवार की नींव पर चलते हैं। लेकिन भाजपा अलग है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रधानमंत्री साधारण कार्यकर्ता हैं, जिनकी कोई दूसरी पृष्ठभूमि नहीं है। शाह ने कहा कि भाजपा का अगला लक्ष्य 2026 में पश्चिम बंगाल में सरकार बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में राज्य-प्रायोजित घुसपैठ रोकनी होगी। भाजपा में शामिल होने का मतलब है कि आप इस राज्य को वामपंथियों और ममता बनर्जी के चंगुल से मुक्त कराने के मिशन में शामिल हो रहे हैं। यह एक सीमावर्ती राज्य है और राज्य के स्तर पर घुसपैठ को समर्थन दिया जा रहा है।

अखिलेश यादव का प्रदेश सरकार पर तीखा हमला

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 27 अक्टूबर। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को जंगलराज में बदल दिया है। पुलिस निर्दोष लोगों को फर्जी मामलों में पक ?कर प्रताि?त कर रही है। पीट-राजधानी लखनऊ में एक पखवारे में दो युवाओं की पुलिस हिरासत में पिटाई से मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि नाम बदलने में माहिर भाजपा सरकार को अब पुलिस थानों का नाम बदलकर अत्याचार गृह रख देना चाहिए। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि विकासनगर के अमन गौतम के बाद शनिवार को चिनहट की पुलिस ने कारोबारी मोहित पांडेय की पीटकर हत्या कर दी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मारा-पीटा और पीि?त को मांगने पर भी पीने का पानी नहीं दिया। त ?पा-तड़पा करके मार दिया। उन्होंने कहा कि हम पीि?त परिवार के साथ हैं। पीि?त परिवार की हर मांग पूरी की जाए। पुलिस हिरासत में मौतों के मामले में भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश नंबर एक पर है। इसी तरह से फर्जी एनकाउंटर में भी यूपी देश में सबसे ऊपर है। सत्ता संरक्षण में पुलिस खुद अराजकता पर उतारू हो गयी है। कानून का राज खत्म हो गया है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश की चर्चा विकास और सकारात्मक कार्यों के बजाय हत्या, लूट, बलात्कार, पुलिस हिरासत में मौत, भ्रष्टाचार, दंगे और बवाल जैसी

नकारात्मक वजहों से है। लखनऊ में पुलिस हिरासत में कप ?ा कारोबारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत पर आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रदेश सरकार को घेरा है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने बयान जारी कर कहा कि पुलिस हत्यारी हो गई है। उन्होंने कहा कि लखनऊ पुलिस की कस्टडी में दो हफ्ते पहले ही एक दलित युवक को इतना पीटा गया कि उसकी थाने के अंदर ही मौत हो गई। अब चिनहट निवासी मोहित पांडेय की पुलिस हिरासत में मौत हो गई है। परिजनों का कहना है कि उसकी पिटाई की गई है। वंशराज दुबे ने कहा कि प्रदेश में पुलिस हिरासत में मौत के मामले थम नहीं रहे हैं। इसी साल मई में ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चिपियाना चौकी में एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हुई थी। पुलिस चौकी में उसका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला था। अब दो हफ्ते के अंदर राजधानी लखनऊ में पुलिस हिरासत में मौत के दो मामला ये साबित करता है कि पुलिस हिरासत में मौत के मामले में यूपी अब नंबर वन हो गया है। उन्होंने लखनऊ की घटना की सीबीआई जांच कराने की मांग की। क्योंकि परिवार का आरोप है कि पुलिस ने रात भर उसकी पिटाई की गई। पुलिस ने परिजनों को अस्पताल से धक्का-मुक्की कर बाहर भेज दिया। स ?क जाम करने के बाद मृतक की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।

कांग्रेस ने महायुति सरकार पर लगाए गंभीर आरोप: जयराम रमेश

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की भाजपा समर्थित महायुति सरकार ने सत्ता में रहते हुए राज्य के लोगों की भलाई की बजाय सिर्फ अपने कॉरपोरेट मित्रों को फायदा पहुंचा का काम किया है। जयराम रमेश ने बीजेपी पर निशाना साधते हाल ही में पास किए गए कुछ प्रोजेक्ट्स को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि नवंबर 2023 में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के एक प्रमुख सलाहकार को केंद्र की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) में नियुक्त किया गया। जो एजीईएल जैसी कंपनियों द्वारा बनाई गई जलविद्युत परियोजनाओं के प्रस्तावों को मंजूरी देती है। उन्होंने कहा कि इसके तुरंत बाद, दिसंबर 2023 में कोल्हापुर के 100 से अधिक गांवों के निवासी एजीईएल की 7,000 करोड़ रुपये की पटगांव पंप स्टोरेज परियोजना के खिलाफ आंदोलनरत होने लगे थे। कांग्रेस नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि चूंकि कोल्हापुर कम वर्षा और पानी की सीमित उपलब्धता से

जूझ रहा है तथा परियोजना को अनुमति दिए जाने से पहले कोई सार्वजनिक बैठक आयोजित नहीं की गई थी, इसलिए स्थानीय लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इससे पानी की स्थिति और खराब होगी। चिंता की बात ये है कि यह अदाणी की उन तीन परियोजनाओं में से एक है, जिन्हें पश्चिमी घाटों के पारिस्थितिकी दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में मंजूरी मिली है। कांग्रेस नेता ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार पर्यावरण मंत्रालय के अधिकारियों ने संवेदनशील क्षेत्रों में इन लाल श्रेणी परियोजनाओं को अनुमति देने के लिए कानून की चुनिंदा तरीके से व्याख्या की है। रमेश ने दावा किया कि अदाणी के अपने पर्यावरण मूल्यांकन में निर्माण के दौरान वनों को भारी नुकसान पहुंचने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन फिर भी परियोजनाओं को मंजूरी दे दी गई। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और महायुतिद्वारा कानूनी प्रक्रिया में की गई छेड़छाड़ से स्थानीय समुदायों और स्थानीय पर्यावरण पर स्पष्ट रूप से गंभीर प्रभाव पड़ेगा। कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 20 नवंबर को एक चरण में होने वाले मतदान से पहले आई है।

मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में नौ लोग घायल

मुंबई, 27 अक्टूबर। मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर टर्मिनस नौ के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर भगदड़ की खबर है। स्टेशन पर भारी भीड़ की वजह से भगदड़ हुई। इस भगदड़ में कई लोग घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, त्योहारों पर घर जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ थी। जैसे ही बांद्रा रेलवे स्टेशन पर बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन आई तो उसमें चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इससे भगदड़ मची। दिवाली और छठ के त्योहारों के मद्देनजर अपने पैतृक स्थानों पर जाने की योजना बना रहे बड़ी संख्या में लोग बांद्रा टर्मिनस पहुंचे थे, जहां अनारक्षित ट्रेन को प्लेटफॉर्म पर लाए जाने के दौरान कई यात्री उसमें चढ़ने के लिए दौड़ पड़े। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह 5.56 बजे की है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में लोग बांद्रा टर्मिनस के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर ट्रेन 22921 बांद्रा-गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस में चढ़ने के लिए एकत्र हुए थे। दिवाली और छठ के त्योहारों के कारण मुंबई से उत्तर की ओर जाने वाली ट्रेनें खचाखच भरी चल रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रेन

में चढ़ने की कोशिश में कुछ लोग दो कोचों के बीच में आ गए और प्लेटफॉर्म पर गिर गए। रिपोर्ट्स ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि लोग कोचों से टकराने या दो कोचों के बीच की जगह में गिरने से घायल हुए हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मियों और स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत भाभा अस्पताल पहुंचाया। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि घायलों की पहचान शब्बीर अब्दुल रहमान (40), परमेश्वर सुखदार गुप्ता (28), रवींद्र हरिहर चुमा (30), रामसेवक रवींद्र प्रसाद प्रजापति (29), संजय तिलकराम कांगय (27), दिव्यांशु योगेंद्र यादव (18), मोहम्मद शरीफ शेख (25), इंद्रजीत साहनी (19) और नूर मोहम्मद शेख (18) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि साहनी और नूर मोहम्मद शेख की हालत गंभीर है और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद अंत्योदय एक्सप्रेस बांद्रा टर्मिनस से लगभग निर्धारित समय पर ही रवाना हुई। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने बांद्रा रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ और उसमें लोगों के घायल होने पर केंद्र सरकार और रेल मंत्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का तीसरा कार्यकाल शुरू हुआ है और फिर से रेल मंत्री को जिम्मेदारी दी गई है

सरकार प्रमुखों से मिलने का मतलब डील नहीं: जस्टिस चंद्रचूड़

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जब भी सरकार के प्रमुखों से मिलते हैं तो इसका मतलब कोई डील होना नहीं होता। इस तरह की मुलाकातें अक्सर प्रशासनिक मामलों से जुड़ी होती हैं। न्यायपालिका पूरी तरह अपनी स्वतंत्रता के साथ काम करती है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी गणेश उत्सव के दौरान उनके आवास पर पीएम मोदी के पहुंचने के बाद शुरू हुए विवाद को लेकर आई है। पीएम मोदी और मुख्य न्यायाधीश के बीच हुई उनके आवास पर हुई मुलाकात को लेकर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने आलोचना की थी। मुंबई विश्वविद्यालय में एक लेक्चर सीरीज को संबोधित करते हुए सीजेआई ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि मुख्य न्यायाधीशों की राज्य या केंद्र सरकार के प्रमुखों से होने वाली मुलाकातों के दौरान कभी विचाराधीन मुकदमों पर कोई बात नहीं होती। कुछ काम ऐसे होते हैं जो न्यायपालिका और सरकार दोनों से जुड़े होते हैं। ये प्रशासनिक मामले होते हैं। उदाहरण के तौर पर उन्होंने बताया कि ऐसी मुलाकातें जरूरी होती हैं क्योंकि राज्य सरकारें न्यायपालिका के बजट जारी करती हैं। सीजेआई ने कहा, ये बजट न्यायाधीशों के लिए नहीं होता। अगर हम नहीं मिलेंगे

और सिर्फ पत्राचार पर निर्भर रहेंगे तो कैसे चलेगा। राजनीतिक व्यवस्था में इन सब मामलों में पूरी परिपक्वता अपनाई जाती है। उन्होंने कहा, मेरा ऐसा कोई अनुभव नहीं रहा है, जब किसी मुख्यमंत्री ने किसी विचाराधीन मुकदमे पर कोई बात की हो। सीजेआई ने कहा कि, प्रशासनिक पक्ष पर न्यायपालिका और सरकार के कार्यों के बीच एक अंतर है। यह एक परंपरा है कि मुख्यमंत्री या मुख्य न्यायाधीश त्योहारों या शोक के अवसर पर एक-दूसरे से मिलते हैं, लेकिन निश्चित रूप से हमें यह समझने की परिपक्वता होनी चाहिए कि इसका हमारे न्यायिक कार्यों पर कोई असर नहीं पड़ता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कॉलेजियम प्रणाली के बारे में बात करते हुए कहा कि हर संस्थान में सुधार किया जा सकता है, लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलना चाहिए कि उसमें बुनियादी तौर पर कुछ खामी है।उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली के बारे में पूछे गए सवाल पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह एक संघीय प्रणाली है, जहां विभिन्न स्तरों की सरकारों (केंद्र और राज्य दोनों) और न्यायपालिका को जिम्मेदारी दी गई है। चंद्रचूड़ ने कहा, यह परामर्शात्मक वार्ता की प्रक्रिया है, जहां आम सहमति बनती है, लेकिन कई बार आम सहमति नहीं बन पाती, लेकिन यह व्यवस्था का हिस्सा है। हममें यह समझने की परिपक्वता होनी चाहिए कि यह हमारी व्यवस्था की ताकत का प्रतिनिधित्व करता है।

दोषियों की पेशी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस का उपयोग क्यों नहीं हो रहा: सुप्रीम कोर्ट

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के गृह सचिव को यह बताने का निर्देश दिया है कि अदालत में आरोपियों को सबूत दर्ज करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा है। जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने सचिव को इस संबंध में दो सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने को कहा है। पीठ ने कहा, महाराष्ट्र के गृह सचिव को एक हलफनामा दाखिल करना चाहिए कि सबूतों की रिकॉर्डिंग और आरोपियों की पेशी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा है? हलफनामे में यह भी बताना होगा कि महाराष्ट्र में ऐसी सुविधाएं मौजूद है भी या नहीं? हलफनामे में यह भी बताना पड़ेगा कि अदालतों और जेलों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा उपलब्ध करने के लिए कितनी राशि जारी की गई थी? सुनवाई के दौरान जब अदालत ने राज्य के वकील से पूछा कि आरोपी को पेश क्यों नहीं किया गया तो वे कोई स्पष्टीकरण नहीं दे पाए। सुप्रीम कोर्ट का निर्देश एक आरोपी द्वारा याचिका दायर करने के बाद आया। आरोपी ने बताया था कि उसके मामले में सुनवाई 30 बार स्थगित की गई थी, क्योंकि उसे पेश ही नहीं किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने एक एनजीओ की ओर से मध्यप्रदेश के स्कूलों की दयनीय स्थिति को लेकर दायर की गई याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने एनजीओ को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर करने के लिए कहा। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय का रुख करने के लिए स्वतंत्र है। एनजीओ ने अपनी याचिका में खजुराहो जिले के पांच स्कूलों की जर्जर इमारतों सहित खराब स्थितियों को उजागर किया था। सुप्रीम कोर्ट ने वकील पर अदालत का कीमती समय बर्बाद करने के लिए एक लाख का जुर्माना लगाने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां की पीठ ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि क्या वकील महमूद प्राचा के खिलाफ उच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों को हटाने की जरूरत है? पीठ ने नोटिस को लेकर नौ दिसंबर 2024 तक जवाब मांगा है। तब तक हाईकोर्ट के आदेश पर रोक रहेगी। प्राचा ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया, जिसने उन्हें एक याचिका दायर करने के लिए कीमती समय बर्बाद करने का दोषी माना था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि प्राचा अपना

कोट और बैंड पहनकर उपस्थित हुए थे और उन्होंने अदालत को यह बताए बिना बहस की थी कि मामला उनका व्यक्तिगत है। इसमें प्राचा पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वकीलों अपने चैंबर में सीखने के लिए आने वाले युवाओं को पर्याप्त वेतन और मेहनताना देना चाहिए। एक साक्षात्कार के दौरान मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि कानूनी पेशा ऐसा है, जहां शुरुआती वर्षों में रखी गई नींव युवा वकीलों को उनके पूरे करियर में अच्छी स्थिति में रखती है। उन्होंने कहा कि हर पेशे में उतार-चढ़ाव आते हैं। शुरुआत में कानूनी पेशे में अपने पहले महीने के अंत में आप जो राशि कमाते हैं वह बहुत अधिक नहीं हो सकती है। इसलिए पहली बार आने वालों को इसमें लगे रहने, कड़ी मेहनत करने और जो करते हैं उसके प्रति ईमानदार रहने के लिए प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि समान रूप से हमारी संरचना में भी बदलाव होना चाहिए। वकीलों को सीखना चाहिए कि उनके चैंबर में प्रवेश करने वाले युवा वकीलों को उचित वेतन और मेहनताना कैसे दिया जाए। सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सहकारी संघवाद का बेहतरीन उदाहरण है। एक कार्यक्रम में 'संघवाद और इसकी संभावनाओं को समझना' विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में अदालतों ने संघवाद पर एक मजबूत ढांचा विकसित किया है, ताकि राज्यों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

स्मॉग की चादर में लिपटी दिल्ली

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। दिवाली से पहले राजधानी की आबोहवा जहरीली हो गई है। लोगों को सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन महसूस हो रही है। हवाओं की दिशा बदलने व गति कम होने से आसमान में स्मॉग की चादर छाई नजर आई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 356 दर्ज किया गया, जोकि बेहद खराब है। यह शनिवार की तुलना में 101 सूचकांक अधिक है। उधर, सीपीसीबी का पूर्वानुमान है कि सोमवार से दो दिन तक यही स्थिति बनी रह सकती है। साथ ही, बुधवार से हवा गंभीर श्रेणी में पहुंचने की आशंका है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि हवा में पटाखों और पराली के धुएं की हिस्सेदारी बढ़ेगी। इससे वायु गुणवत्ता खराब होगी। बदलते मौसम से रविवार को सफदरजंग में 1500 मीटर दृश्यता रही। जबकि पालम में इससे कम 1000 मीटर दृश्यता दर्ज की गई। वेंटिलेशन इंडेक्स 3000 घनमीटर प्रति सेकंड रही। 24 घंटे के भीतर वेंटिलेशन इंडेक्स 6000 घनमीटर प्रति सेकंड रहने का अनुमान है। डिसिजन स्पोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के मुताबिक रविवार को हवा में ट्रांसपोर्ट से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 13.028 फीसदी, कूड़ा जलने से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 1.208 फीसदी रही। जबकि शनिवार को पराली के धुएं की हिस्सेदारी 5.5023 फीसदी रही। सीपीसीबी के अनुसार बवाना, बुराड़ी, जहांगीरपुरी में एक्यूआई 400 के पार रहा। यह गंभीर श्रेणी में हवा है। जबकि, डीटीयू, अशोक विहार, आईटीओ समेत 27 इलाकों में हवा बेहद खराब रही। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, रविवार को हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चली। इस दौरान हवा की गति 8 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। सोमवार को हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ऐसे में हवा की गति आठ से 12 किलोमीटर प्रतिघंटे से चलेगी।

श्रीलंका के संसदीय चुनाव के इतिहास में पहली बार ट्रांसजेंडर चानू निमेशा मैदान में

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के संसदीय चुनाव इतिहास में चानू निमेशा मैदान में उतरने की घोषणा कर पहली ट्रांसजेंडर उम्मीदवार बन गई हैं। वो श्रीलंका

सोशलिस्ट पार्टी की महिला मामलों की सचिव हैं। निमेशा केगले जिले से चुनाव लड़ेंगी। डेली मिरर की खबर में आज यह जानकारी दी गई। निमेशा ने पत्रकारों से कहा, आम चुनाव लड़ने का मौका देने के लिए मैं श्रीलंका सोशलिस्ट पार्टी की आभारी हूं। इस तरह पहली बार चुनाव लड़ने के लिए एक ट्रांसजेंडर उम्मीदवार को मैदान में उतारकर मेरी पार्टी ने इतिहास रचा।

इजरायल ने ईरानी ठिकानों पर किया जवाबी हमला

यरूशलम। इजरायल ने ईरान में सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमला पूरा कर लिया है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने सुबह एक बयान में कहा कि हाल के महीनों में ईरान की ओर से किए गए हमलों के जवाब में, उसने ईरान के कई इलाकों में लक्ष्यों पर 'सटीक और लक्षित' हवाई हमले किए। बयान के अनुसार, इजरायली विमानों ने मिसाइल निर्माण सुविधाओं, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और अन्य ईरानी हवाई क्षमताओं पर हमला किया। आईडीएफ प्रवक्ता

डैनियल हगारी ने एक वीडियो बयान में कहा कि इस अभियान ने इजरायल के लिए तत्काल खतरों को विफल कर दिया है। ईरानी प्रत्यक्षदर्शियों ने सुबह कहा कि देश की राजधानी तेहरान के आसपास बड़े विस्फोटों की आवाज सुनी गई। गौरतलब है कि एक अक्टूबर को ईरान ने इजरायली ठिकानों पर लगभग 180 मिसाइलें दागीं। ईरान ने इस कार्रवाई को क्षेत्रीय प्रतिरोध समूहों के कई नेताओं की हत्याओं का प्रतिशोध बताया।

इराकी पर्यावरण मंत्री ने दिया इस्तीफा

बगदाद। इराकी पर्यावरण मंत्री निज़ार अमेदी ने मंत्री मंडल से इस्तीफा दे दिया है। आधिकारिक इराकी समाचार एजेंसी (आईएनए) ने यह जानकारी दी। आईएनए ने एक अज्ञात सूत्र के हवाले से कहा कि श्री अमेदी ने अपनी राजनीतिक पार्टी पैट्रियटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान (पीयूके) के भीतर अपने राजनीतिक कर्तव्यों के प्रति समर्पित

होने के लिए इराकी प्रधान मंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को अपना इस्तीफा सौंप दिया।कुर्दिश मीडिया ने बताया कि अमेदी का इस्तीफा पीयूके के भीतर विचार-विमर्श के बाद आया, जहां यह निर्णय लिया गया कि वह बगदाद में पार्टी से संबंधित जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने कैबिनेट मंत्री पद से हट जाएंगे।

मध्य इराक में हवाई हमले में आईएस के 4 आतंकवादी ढेर

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद के उत्तर में सलाहुद्दीन प्रांत में हवाई हमले में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के चार आतंकवादी मारे गए। इराकी सेना ने यह जानकारी दी। ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड से संबद्ध मीडिया आउटलेट (सुरक्षा मीडिया सेल) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार खुफिया रिपोर्टों और चार दिनों की

निगरानी के आधार पर, इराकी बलों ने प्रांत के पूर्वी हिस्से में आईएस ठिकाने पर स्थानीय समय अनुसार शाम 5:50 बजे हवाई हमला किया। बयान में कहा गया है कि हवाई हमले में चार आईएस आतंकवादी मारे गए और उनका ठिकाना नष्ट हो गया। वर्ष 2017 में आईएस की हार के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि, आईएस के अवशेष शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में घुस गए हैं और सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ लगातार गुरिल्ला हमले कर रहे हैं।

प्राकृतिक आपदा के बावजूद सागरमाथा क्षेत्र में पर्यटकों की उत्साहजनक उपस्थिति

एजेंसी

काठमांडू। पिछले एक महीने में करीब 9,000 ट्रेकर्स ने सागरमाथा क्षेत्र (माउंट एवरेस्ट बेस कैंप क्षेत्र) का दौरा किया, जिसे स्थानीय रूप से खुम्बू क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। पिछले महीने नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में आए बाढ़ और भूस्खलन के साथ ही हिमालयी क्षेत्र में बर्फीले तूफान (एवलांच) के बाद भी पर्यटकों का इस क्षेत्र में उत्साहजनक उपस्थिति देश के पर्यटन क्षेत्र के लिए शुभ संकेत हैं। सागरमाथा राष्ट्रीय उद्यान कार्यालय, नामचे के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2024/25 के मध्य सितंबर से मध्य अक्टूबर तक कुल 8,986 पर्यटक खुम्बू क्षेत्र में पहुंचे। यहां के कार्यवाहक अधिकारी विवेक श्रेष्ठ ने कहा कि पार्क ने प्रवेश शुल्क के लिए आगंतुकों से 02 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व एकत्र किया जा सका है। नेपाली नागरिकों के लिए क्षेत्र में प्रवेश शुल्क 100 रुपये प्रति व्यक्ति, सार्क सदस्य देशों के नागरिकों के लिए 1500 रुपये और अन्य देशों के लोगों के लिए 3,000 रुपये है। जुलाई के मध्य से अगस्त के मध्य के भीतर इस सागरमाथा क्षेत्र में प्रवेश करने वाले

केवल 125 ट्रेकर्स गए थे, जबकि 1,331 ट्रेकर्स ने अगस्त के मध्य से सितंबर के मध्य के भीतर इस क्षेत्र का दौरा किया था। श्रेष्ठ ने बताया कि इस अवधि के दौरान उनकी महज 36 लाख रुपये का ही राजस्व अर्जित किया जा सका था। श्रेष्ठ ने कहा कि नेपाल में सितंबर के अंतिम सप्ताह में आए भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण पर्यटन विभाग को बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि एक महीने के बाद ही पर्यटकों की इतनी संख्या हो जाएगी लेकिन विदेशी पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या से स्थानीय व्यापारी और पर्यटन विभाग दोनों ही खुश है। पीक सीजन के दौरान औसतन लगभग 1,000 पर्यटक रोजाना इस क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में सूचीबद्ध, सागरमाथा का यह क्षेत्र 1,148 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जिसकी ऊंचाई 1,800 मीटर से 8,848 मीटर तक है।

ओली सरकार के विरोध में माओवादी का शक्ति प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रमुख प्रतिपक्षी दल माओवादी ने राजधानी काठमांडू में ओली सरकार के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन में माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड खुद सड़क पर जुलूस का नेतृत्व कर रहे थे। हजारों समर्थकों के साथ सड़क पर उतरे माओवादी ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ओली सरकार के सौ दिन पूरे होने पर असफल सरकार होने का दावा करते हुए सरकार की कमी कमजोरियों को उजागर किया गया था। विरोध सभा में बोलते हुए माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड ने प्रधानमंत्री ओली द्वारा माओवादी पर सरकार गिराने के लिए षड्यंत्र किए जाने के आरोप का जवाब दिया। प्रचंड ने कहा कि ओली सरकार को गिराने के लिए कोई भी षड्यंत्र की आवश्यकता नहीं है। यह वह सड़ा हुआ फल है जो खुद ही गिर जाएगा। प्रचंड ने ओली पर असफल सरकार का नेतृत्व करने और नेपाल का अंतराष्ट्रीय संबंध में खलल डालने का आरोप भी लगाया है। अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए प्रचण्ड ने कहा कि तीन महीने पहले जब वो सरकार का नेतृत्व कर

रहे थे तब नेपाल के अपने दोनों पड़ोसी देशों के साथ सुमधुर संबंध थे। उन्होंने कहा कि अपने डेढ़ वर्ष के कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारत, चीन और अमेरिका का भ्रमण किया था। लेकिन ओली को प्रधानमंत्री बने हुए तीन महीने से अधिक हो गया लेकिन अब तक उनको न भारत से न चीन से और न अमेरिका से औपचारिक भ्रमण का निमंत्रण आया है। प्रचंड ने कहा कि ओली सरकार हर दृष्टिकोण से विफल है और अपनी विफलता को छुपाने के लिए वो सरकार के गिरने का हल्ला फैला रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ओली सरकार से नेपाल की आम जनता तीन महीने के ही त्रस्त हो गई है। इसलिए जनता सड़क से ही इस सरकार को गिरा देगी। प्रचंड ने बांग्लादेश का उदाहरण देते हुए कहा कि ढाका की सत्ता पर दो तिहाई बहुमत वाली सरकार थी लेकिन जनता जब सड़क पर उतर गई तो दो तिहाई वाले प्रधानमंत्री को देश छोड़ कर भागना पड़ा था।

जिहादी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम ने ढाका के चार मीडिया हाउसों पर हमले की दी धमकी, सुरक्षा बल तैनात

एजेंसी

ढाका। प्रतिबंधित जिहादी संगठन 'अंसारुल्लाह बांग्ला टीम' (एबीटी) ने राजधानी ढाका में चार मीडिया हाउसों पर हमले की धमकी दी है। एबीटी प्रमुख जसीमुद्दीन रहमानी को हाल ही में अंतरिम सरकार के आदेश पर जेल से रिहा किया गया था। जेल से रिहा होने के बाद, एबीटी-प्रमुख जसीमुद्दीन ने चार लोकप्रिय मीडिया हाउस 'दैनिक कालबेला', 'प्रोथोम अलो', 'डेली स्टार' और 'दैनिक समकाल' के कार्यालयों को घेर लिया और हमला करने की धमकी दी। एबीटी की ओर से जारी धमकी के मद्देनजर ही संबंधित मीडिया कार्यालय के परिसर में सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। हालांकि, अभी तक मीडिया हाउस में किसी अप्रिय घटना की खबर सामने नहीं आई है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले, एबीटी प्रमुख जसीमुद्दीन रहमानी ने धमकी दी थी और कहा था कि वह को दोपहर 3 बजे दैनिक कालबेला, प्रोथोम अलो, डेली स्टार

और दैनिक समकाल कार्यालयों को घेर लेंगे। खतरे को देखते हुए जुमे की नमाज से पहले विभिन्न विभागों के सुरक्षा बलों ने चारों मीडिया कार्यालयों के सामने मोर्चा संभाल लिया। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए मीडिया कार्यालयों के आसपास सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के अतिरिक्त उपायुक्त (मीडिया) ओबैदुर रहमान ने कहा कि सुरक्षा कारणों से विभिन्न विभागों की पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। जरूरत पड़ने पर और पुलिस तैनात की जाएगी। राजधानी के न्यू मार्केट से सटे विश्वास बिल्डर्स स्थित दैनिक कालबेला के एक पत्रकार ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे पुलिस के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा जवान उनके कार्यालय के सामने जमा हो गये। शाम करीब पांच बजे वे चले गये। हालांकि, अभी तक कार्यालय में कोई अप्रिय घटना नहीं घटी है फार्मगेट इलाके में स्थित डेली स्टार के एक पत्रकार ने बताया कि करीब एक बजे उनके कार्यालय के सामने सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। वे शाम करीब पांच बजे चले गये। दोनों मीडिया के पत्रकारों ने कहा कि प्रोथोम अलो और समकाल अखबारों पर कोई हमला नहीं हुआ है। हालांकि, धमकियों के मद्देनजर कार्यालयों की घेराबंदी और कानून-व्यवस्था बलों की तैनाती ने चारों मीडिया आउटलेट्स के कर्मचारियों में चिंता पैदा कर दी है। मीडियाकर्मियों के मुताबिक, हाल ही में जसीमुद्दीन रहमानी जेल से रिहा हुआ है। मीडिया पर हमला करने और घेरने की धमकी दे रहा है। उन्होंने कहा कि इसे जल्द कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि बीते गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक महफूज आलम ने कहा था कि कुछ मीडिया हाउसों को घेरने की धमकी की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों को सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया जाएगा।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया

एजेंसी

कोलंबो। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने देश के सभी नागरिकों को सुरक्षा का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया में एक संघर्ष चल रहा है। उसकी लपटों में विभिन्न देश झुलस रहे हैं। इस संघर्ष से जुड़े कुछ जोखिम हमारे देश श्रीलंका तक पहुंच गए हैं। उन्होंने यह टिप्पणी गुरुवार को पुट्टलम में नेशनल पीपुल्स पावर रैली के संबोधन में की। डेली न्यूज अखबार के अनुसार राष्ट्रपति ने कहा, 'लगभग दो सप्ताह पहले रिपोर्टों में इस वैश्विक स्थिति से संबंधित एक संभावित घटना का संकेत श्रीलंका को दिया गया। हमने संबंधित क्षेत्रों में तेजी से सुरक्षा बढ़ा दी है। जब खुफिया रिपोर्ट आती है तो हम मीडिया में चर्चा नहीं करते। इसके बजाय, हम इनपुट पर जिम्मेदारी से कार्य करते हैं। हमारा कर्तव्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हमने खुफिया जानकारियों के आधार पर फौरन जांच शुरू की और कई संदिग्धों को हिरासत में लेने में सफल रहे। हालांकि, इसका प्रचार नहीं किया गया, न ही मीडिया ब्रीफिंग आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि एक सरकार के रूप में उनकी जिम्मेदारी किसी भी खतरनाक घटना को होने से रोकना है। खुफिया इनपुट पर बिना घबराहट के काम किया गया। इस पूरी प्रक्रिया के

दौरान वह पुलिस, खुफिया सेवाओं और सुरक्षा क्षेत्र के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहे। उल्लेखनीय है पिछले दिनों भारत ने खुफिया इनपुट दिया था कि श्रीलंका में इजराइल के नागरिकों पर हमला हो सकता है। इस इनपुट के आधार पर श्रीलंका ने अपने तीन नागरिकों को गिरफ्तार कर इस खतरे को टालने में सफलता पाई।

पुतिन ने लेफ्टिनेंट कर्नल अर्टोम जोगा को रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में नियुक्त किया

एजेंसी

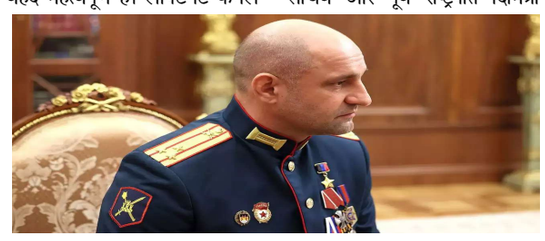

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लेफ्टिनेंट कर्नल अर्टोम जोगा को रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में नियुक्त किया है। लेफ्टिनेंट कर्नल अर्टोम फिलहाल उरल्स संघीय जिले में क्रेमलिन के दूत हैं। पूर्वी यूक्रेन में रूस के कब्जे वाले डोनेट्स्क क्षेत्र में पदस्थ रहे इस सैन्य अधिकारी ने पिछले साल सार्वजनिक रूप से पुतिन से 2025 का अगला चुनाव फिर से लड़ने का आग्रह कर प्रसिद्धि पाई थी।मॉस्को टाइम्स की खबर के अनुसार राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन युद्ध के अनुभवी अर्टोम को इस महीने की शुरुआत में उरल्स संघीय जिले में अपने दूत के रूप में नियुक्त किया। यह रूस के विशाल सैन्य औद्योगिक क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लेफ्टिनेंट कर्नल

अर्टोम रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के 21 गैर स्थायी सदस्यों में से होंगे। परिषद में 13 स्थायी सदस्य होते हैं। इनमें प्रमुख सुरक्षा एजेंसियों के नेता और उच्च पदस्थ विधायी और कार्यकारी अधिकारी शामिल होते हैं। राष्ट्रपति पुतिन सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष हैं। पूर्व रक्षामंत्री सर्गेई शोइगु सचिव और पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव उप सचिव के रूप में कार्यरत हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रभावशाली निकाय है। इस निकाय की प्रमुख नीतिगत बदलावों में अहम भूमिका होती है। यही परिषद अंतर-एजेंसी विवादों की मध्यस्थता करती है।

इज़रायली हमले के बीच ईरान में उड़ानें 'अगली सूचना' तक रद्द

एजेंसी

तेहरान। ईरानी क्षेत्र पर शनिवार रात भर हुए इजरायली हमले के मद्देनजर ईरान में उड़ानें 'अगली सूचना' तक रद्द कर दी गई हैं। 'शफकना' समाचार एजेंसी ने ईरान नागरिक उड्डयन संगठन के एक प्रवक्ता के हवाले से खबर दी। इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार रात कहा कि उसने एक अक्टूबर को यहूदी राज्य पर हुए हमलों के जवाब में ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। सीबीएस न्यूज ने एक सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि ईरान पर इजरायली हमला सैन्य तक ही सीमित था। लक्ष्य और परमाणु या तेल सुविधाओं तक विस्तारित नहीं। ज़समाचार एजेंसी ने दावा किया कि इज़रायल ने तेहरान के पश्चिम और

दक्षिण पश्चिम में कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया। वहीं, तस्नीम समाचार एजेंसी ने कहा कि ईरानी राजधानी के पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में स्थित इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी, सशस्त्र बलों की विशिष्ट इकाइयां) के सैन्य केंद्रों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। स्पुतनिक संवाददाता की रिपोर्ट के अनुसार, सुबह लगभग 4:25 बजे तेहरान के मध्य भाग में, रूसी दूतावास के क्षेत्र में, आकाश में शक्तिशाली विस्फोटों की दूसरी श्रृंखला सुनी गई।

पाकिस्तान : पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमले में आठ लोगों की मौत

एजेंसी

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमले में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग अन्य लोग घायल भी हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हमला अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले के मीर अली तहसील में असलम जांच चौकी पर हुआ है। अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस बीच सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर

लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक तीन पहिया वाहनों पर सवार होकर आए हमलावरों ने जांच चौकी और सुरक्षा बलों के वाहनों को टक्कर मारी जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई।

मारे गए लोगों में 4 पुलिसकर्मी, 2 सैनिक और 2 नागरिक शामिल हैं जबकि हमले में घायल हुए लोगों को मीरान शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कई हालत गंभीर बनी हुई है। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंदी ने हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र से आतंकी संगठनों के पूरी तरह खत्म होने तक उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

ईरान में पुलिस के काफिले पर हमला, दस अधिकारियों की मौत

एजेंसी

तेहरान। ईरान के अशांत बलूचिस्तान और दक्षिणी प्रांत सिस्तान में ईरानी पुलिस के काफिले पर बड़ा हमला हुआ है। इस हमले में 10 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। यह हमला गौहर कुह में हुआ, जो राजधानी तेहरान से लगभग 1,200 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व पर स्थित है। ईरान के बलूच समर्थित संगठन हालवाश ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि दो सैन्य वाहनों पर हुए हमले में ताफ्तान शहर में 10 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई है। बयान के मुताबिक दोपहर में गौहर कुह शहर के प्रवेश द्वार पर शहर के मुख्यालय के पुलिस बलों के दो सैन्य वाहनों पर हमला किया गया और दोनों वाहनों के सभी यात्रियों की जान चली गई। इसमें एक ट्रक की सीट पर दो पुलिस अधिकारियों की शव दिखाई दे रहे हैं।

हलवाश ने सोशल मीडिया प्लेट फार्म इंस्टाग्राम पर ईरानी पुलिस की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली हरी पट्टी से रंगे एक खराब ट्रक की तस्वीरों के साथ वीडियो भी पोस्ट किया है। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक ईरान के आंतरिक मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने पुलिस काफिले पर हमले की घटना की जांच का आदेश दिया है। उन्होंने स्वीकार किया है कि हमले में पुलिस के कई जवान शहीद हुए हैं। ईरान, अफगानिस्तार और पाकिस्तान के बलूच क्षेत्रों में दो दशकों से भी अधिक समय से बलूच विद्रोहियों की हिंसा जारी है। ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान का इलाका हेरोइन तस्करों से जुड़ी हिंसा का केंद्र बन गया है। अक्टूबर की शुरुआत में ब्लूच इलाके में ईरानी सुरक्षा बलों ने अफगान प्रवासियों की हत्या की घटना घटी थी। इसके बाद तालिबान के साथ उनके रिश्ते और भी खराब हो गए थे। हलवाश की ओर से कहा गया है कि हमलावरों ने दो सुरक्षा बलों के वाहनों पर निशाना बनाया और उसमें सवार सभी की मौत हो गई।

इजरायली ने सीरिया में सैन्य ठिकाने को बनाया निशाना

एजेंसी

दमिश्क। इजरायली सैन्य बलों ने सीरिया के दक्षिणी और मध्य क्षेत्र में सैन्य ठिकाने को निशाना बनाकर कई हवाई हमले किये। सीरिया रक्षा मंत्रालय ने तड़के बताया कि इजरायली सैन्यों ने अंतरराष्ट्रीय हवाई हमला देर रात करीब 11 बजे किया। उन्होंने इजरायल के कब्जे वाली गोलान हाइट और लेबनान हवाई अड्डे की ओर से कई मिसाइलें दागीं। मंत्रालय के अनुसार, उनके सैनिकों ने कई इजरायली मिसाइलों को मार गिराया है। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था

सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली विमान ईरान से जुड़े स्थानों को निशाना बनाने के लिए सीरियाई हवाई क्षेत्र में घुसे थे। सीरियाई वायु रक्षा बलों ने विमानों को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुँचने से नहीं रोक पाए। वहीं इजरायल ने आज घोषणा की कि उसने ईरान में सैन्य ठिकानों पर 'सटीक हमले' किए और अब अभियान समाप्त हो गया है। दूसरी तरफ, ईरान ने बताया कि उसने सफलतापूर्वक हमले का जवाब दिया है।

सूडान अर्धसैनिक हमले में 50 की मौत

एजेंसी

खार्तूम। मध्य सूडान के एक गांव पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमले में 50 से अधिक लोग मारे गए और 200 से अधिक घायल हो गए। गैर-सरकारी समूहों ने यह जानकारी दी। गीज़िरा राज्य की राजधानी वाड मदनी में एक स्वयंसेवी समूह, प्रतिरोध समिति ने कहा, सुबह, आरएसएफ मिलिशिया ने अल कामलिन इलाके के अलसेरिहा गांव पर भारी गोलाबारी और बमबारी की। इसमें कहा गया, अलसेरिहा गांव के 53 से अधिक नागरिक मारे गए और 200 से अधिक अन्य घायल हो गए,

जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814

मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com

Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

वीरेन्द्र सचदेवा की तबीयत बिगड़ी, राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को तबीयत बिगड़ने के बाद यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री सचदेवा को त्वचा पर लाल चकत्ते हो गये हैं और उन्हें सांस लेने में हल्की तकलीफ हो रही है। उन्होंने यूनीवार्ता से कहा, तबीयत खराब होने की वजह से मैं उपचार के लिये अस्पताल आया हुआ हूं। फिलहाल स्थिति ठीक है। जांच चल रही है और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पायेगा कि अस्पताल में दाखिल होना पड़ेगा या डॉक्टर घर जाने की इजाजत देंगे।

मोदी ने लोकनर्तक कनक राजू के निधन पर शोक व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। मोदी ने लोकनर्तक कनक राजू के निधन पर शोक व्यक्त कियाप्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रख्यात नर्तक और सांस्कृतिक प्रतीक श्री कनक राजू जी के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री मोदी ने गुसाडी नृत्य को संरक्षित करने में उनके समृद्ध योगदान और सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण पहलुओं को उनके प्रामाणिक रूप में विकसित करने के लिए उनके समर्पण और जुनून की सराहना की।

श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा:

'प्रख्यात नर्तक और सांस्कृतिक प्रतीक श्री कनक राजू जी के निधन से दुखी हूं। गुसाडी नृत्य को संरक्षित करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान हमेशा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। उनके समर्पण और जुनून ने सुनिश्चित किया कि सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण पहलू अपने प्रामाणिक रूप में विकसित हो सकें। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।'

ईरान-इजरायल तनाव के बीच भारत का बयान, कहा- बातचीत से सुलझाएं मसला, संयम बरतना जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के ईरान और इजरायल दोनों ही देशों के साथ बेहतर रिश्ते हैं, ऐसे में भारत की ओर से 'बातचीत' की सलाह एक मजबूत बयान है। भारत ने दोनों देशों से शांति रखने की अपील करते हुए आम नागरिकों की ओर अपना ध्यान केन्द्रित किया है। ईरान पर इजरायल के ताजा हमलों के बाद तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। इस बीच भारत ने बातचीत के जरिए मामला हल करने को लेकर दोनों ही देशों को सलाह दी है। भारत ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है और संयम बरतने का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय ने किसी देश का नाम लिए बिना एक बयान में कहा, 'हम सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान दोहराते हैं।' भारत की ओर से कहा गया कि इस तरह की दुश्मनी से किसी का फायदा नहीं है और बेकसूर नागरिकों को इसका नुकसान उठाना पड़ रहा है। ईरान के विदेश मंत्री ने एक ताजा बयान में कहा है कि 'अपने देश के लोगों की रक्षा के लिए उनके सामने कोई सीमा नहीं है।' भारत के ईरान और इजरायल दोनों ही देशों के साथ बेहतर रिश्ते हैं, ऐसे में भारत की और से 'बातचीत' की सलाह एक मजबूत बयान है।

आदिवासी शिक्षा के लिये गुणवत्तापूर्ण बुनियादी संरचना निर्माण त्वरित गति से हों

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (नेस्टस) ने 24 अक्टूबर 2024 को आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली में आदिवासी शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण पर एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के माध्यम से आदिवासी समुदायों के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है ताकि सतत और प्रभावी शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। नेस्टस के आयुक्त श्री अजीत के. श्रीवास्तव ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने इस कार्यशाला में निर्माण की गुणवत्ता पर जोर देते हुए समय पर ईएमआरएस निर्माण को पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, समय पर अच्छी गुणवत्ता वाले ईएमआरएस का निर्माण न होने का मतलब है कि आदिवासी बच्चे स्कूल नहीं जा पाएँगे, यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने प्रतिभागियों से यह प्रतिज्ञा लेने का आह्वान किया कि वे निर्माण की सर्वोत्तम गुणवत्ता सुनिश्चित करके समय से पहले ईएमआरएस का निर्माण करेंगे। नेस्टस की पहलों में बहुमुखी विकास के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री के साथ राज्य के विकास के संबंध में विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं व योजनाओं पर चर्चा व विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री सैनी ने नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आने वाले समय में केंद्र व हरियाणा की डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास की गति को तीव्रता से आगे बढ़ाएगी और विकास के मामले में नॉनस्टॉप हरियाणा - बढ़ता हुआ हरियाणा होगा। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ कई अहम विषयों पर चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि हरियाणा में विकास की गति में तीव्रता लाएं ताकि लोगों के जीवन को सरल व सुगम

बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हरियाणा को विकास की दृष्टि से नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेंगें। इन परियोजनाओं के अंतर्गत गुरुग्राम में मेट्रो रेल व रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) का विस्तारीकरण होगा तो वहीं सराय कालेखां से पानीपत तक जाने वाली आरआरटीएस परियोजना को करनाल तक बढ़ाने का भी काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से लोगों को यातायात जाम से निजात मिलेगी और उनका सफर सुगम व सरल होगा। हरियाणा विधानसभा में महिलाओं की इस बार बेहतर संख्या होने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढाओ' अभियान की शुरुआत हरियाणा के पानीपत से की थी और पिछले 10 सालों में वर्तमान मोदी सरकार ने महिलाओं को सशक्त करने का काम किया है। धान के उठान व खरीद के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके द्वारा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि 17 प्रतिशत तक के नमी वाले धान के एक-एक दाने की खरीद होनी चाहिए और इस संबंध में यदि किसी की शिकायत मिलती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। हरियाणा में राज्यसभा सीट के उम्मीदवार के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बारे में पार्टी का केन्द्रीय संसदीय बोर्ड निर्णय लेता है।

प्रियंका गांधी के चुनावी हलफनामे पर भाजपा ने लगाए गंभीर आरोप, बताया भ्रष्टाचार का नमूना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी प्रियंका गांधी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रियंका गांधी के हलफनामे को भ्रष्टाचार का नमूना बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने लोगों से अपनी संपत्ति का विवरण छुपाया है।

गौरव भाटिया ने कहा कि संविधान और क़ानून सभी पर समान रूप से लागू होता है। प्रियंका और राहुल गांधी ने जनता के साथ फरेब किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति हलफनामा में अपनी संपत्ति और क्राइम रिकॉर्ड की जानकारी देगें। यह जानना जनता का अधिकार है। इसके बावजूद हलफनामे में नेशनल हेराल्ड केस की जानकारी नहीं दी गई है। राहुल गांधी ने 2 लाख 462 शेयर एक ट्रस्ट के माध्यम से रखे हैं। यह यंग इंडिया का शेयर है। प्रियंका गांधी भी इसका शेयर रखती हैं। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा के पति ने तीन कम्पनी में पार्टनर होने की बात कही है जबकि वे पांच कंपनियों में पार्टनर हैं। गांधी परिवार को इस बारे में अपनी बात रखनी चाहिए और लोगों को सच बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि बंटी और बबली लोगों को लूटने आये हैं। कोई अगर गलत जानकारी

देता है तो उसको कोई हक नहीं है कि वो चुनाव लड़े।उल्लेखनीय है कि प्रियंका गांधी वाड्रा जिस सीट से चुनाव लड़ रही हैं, पहले इस सीट से राहुल गांधी सांसद थे। उनके इस सीट को खाली करने के बाद से प्रियंका गांधी को कांग्रेस पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है।

अमित शाह एनडीएमए के स्थापना दिवस समारोह का सोमवार को करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार, 28 अक्टूबर को नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के 20वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करेंगे।

गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) रणनीतियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10-सूत्री एजेंडे के अनुरूप आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए समावेशी और सक्रिय कार्यों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष के स्थापना दिवस का मुख्य विषय व्यवहार परिवर्तन को लेकर जागरुकता के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए समुदायों को सशक्त बनाना है, ताकि आपदा-संभावित क्षेत्रों में और उसके आसपास रहने वाले समुदायों के चिह्नित क्षेत्रों में व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिए जागरुकता पैदा करने की गतिविधियों पर जोर दिया जा सके और आपदा जोखिम न्यूनीकरण

के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विषय पर केंद्रित तीन तकनीकी सत्र- मौसम के पैटर्न में बदलाव का सामना करने वाले समुदायों की आवाज, आपदा जोखिम न्यूनीकरण - अंतिम छोर तक संचार के लिए तकनीक और धीमी शुरुआत वाली मौसम की घटनाएं, जलवायु परिवर्तन और डीआरआर पर जागरुकता' आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा दिशानिर्देशों, एसओपी और विभिन्न प्रकार की आपदा के विषयों से जुड़ी किताबों का विमोचन भी किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्यों के मंत्रालयों और विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के प्रतिनिधि, नौकरशाह, आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ, गैर सरकारी संगठनों के सदस्य और देशभर से आपदा प्रबंधन क्षेत्र में काम करने वाले प्रमुख हितधारक भाग लेंगे। गण्यमान्य के अलावा आपदा मित्र, नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के स्वयंसेवकों को भी इस प्रमुख कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

हिप्र में नौकरियां खत्म करने पर भाजपा का तीखा हमला, कहा- वादाखिलाफी कांग्रेस का असली चेहरा

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में सरकारी नौकरी पाने के इच्छुक युवाओं को सरकार ने झटका दिया है। प्रदेश सरकार ने दो साल से खाली पड़े पदों को खत्म कर दिया है। सरकार के इस फैसले पर भारतीय जनता पार्टी ने तंज कसते हुए कहा है कि चुनाव के दौरान युवाओं को सरकारी नौकरी देने के वादे पर कांग्रेस ने प्रदेश में अपनी सरकार बनाई लेकिन सरकार बनने के बाद युवाओं से सरकारी नौकरी छीनी जा रही है। यही वादाखिलाफी कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा है।

पार्टी मुख्यालय में भाजपा के महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि कांग्रेस की सरकार जहां-जहां भी सत्ता में आई है वहां-वहां किसान, युवा, व्यापारी, महिला और मजदूर सभी परेशान हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा तो खटाखट था लेकिन आज किसान कर्जमाफी का इंतजार कर रहे हैं, युवा नौकरियों के लिए

इंतजार कर रहे हैं, बुजुर्ग पेंशन का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस की सरकार वादाखिलाफी की सरकार बन गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने जो काम किए और नौकरियां शुरू की, कांग्रेस उसे भी खत्म करने में जुटी हुई है। विकास के काम भी ठप पड़े हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश के वित्त विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश में बीते दो साल से खाली चल रहे सभी सरकारी पदों को खत्म किया जाए।

आईआईटी के प्रतिभाशाली विद्यार्थी भविष्य में देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाएंगे : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आईआईटी जोधपुर जैसे संस्थान ऐसे मस्तिष्कों का पोषण कर रहे हैं जो आने वाले वर्षों में भारत की प्रगति को आगे बढ़ाएंगे। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्नातक होते देखना सौभाग्य की बात है, जो निस्संदेह विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावशाली योगदान देंगे। वे शनिवार को यहां आईआईटी जोधपुर के दसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रह थे।

कार्यक्रम के दौरान 1084 स्नातकों को डिग्री व मेडलों का वितरण किया गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सहित केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राम माधव भी इस दौरान मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम में ज्ञान और प्रोत्साहन के शब्दों के साथ विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। डॉ. राम माधव ने भविष्य को आकार देने में

प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने स्नातकों को पारंपरिक सीमाओं से परे रास्ते तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया और अपनी आईआईटी शिक्षा के वैश्विक महत्व को दोहराया। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भविष्य के नेताओं के रूप में स्नातकों की जिम्मेदारियों पर जोर दिया और उनसे समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देने का आग्रह किया।

आईआईटी के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने संस्थान की पिछले दस वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि यह संस्थान न केवल विकसित हुआ है बल्कि स्वयं को ज्ञान और शोध के एक केंद्र के रूप में ढाला है। समारोह की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष व पूर्व इसरो प्रमुख डॉ.एएस किरण कुमार ने की। समारोह में शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले असाधारण छात्रों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय रूप से यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्र रुशिल समीर पटेल को बीटेक छात्रों के बीच उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों में सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए अध्यक्ष का स्वर्ण पदक शामिल था, जो विद्युत अभियांत्रिकी के मितार्थ अरोड़ा को दिया गया और निदेशक का स्वर्ण पदक, शिवाली केतन शाह को दिया गया जो महिला बी.टेक. छात्रों के बीच उत्कृष्टता को मान्यता देता है।

भाजपा केजरीवाल की जान लेने पर आमादा : आप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी(आप) के सांसद संजय सिंह ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला करने वाला मुख्य आरोपी रोहित सहरावत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) युवा मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष है और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ सोशल मीडिया पर उसकी फोटो मौजूद है।'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद ने आज यहां संवाददाताओं से कहा,भाजपा द्वेष और हिंसा की राजनीति में इस कदर आगे बढ़ चुकी है कि अब वह श्री केजरीवाल की जान लेने पर अमादा है। भाजपा श्री केजरीवाल की जान की दुश्मन बन गई है। आम आदमी पार्टी और श्री केजरीवाल की राजनीति को खत्म करने का यह कोई पहला प्रयास नहीं है। भाजपा ने श्री केजरीवाल को नुकसान पहुंचाने के लिए हर हथकंडे अपनाएं हैं। ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल किया। उनके ऊपर फर्जी मुकदमे लिखे गए। जेल में डाला गया। वहां भी उनकी इंसुलिन बंद कर दी गई। उनकी शुगर कई बार 50 से कम हो गई थी। जेल में भी उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई।

श्री सिंह ने कहा कि विकासपुरी में जो कुछ भी हुआ और जिस तरह से पुलिस की मिलीभगत सामने आ रही है, यह साफ तौर पर श्री केजरीवाल को जान से मारने का गहरा षड्यंत्र था। भाजपा के लोग उनकी जान के दुश्मन बन चुके हैं। उन्होंने हमलावरों की तस्वीर दिखाते हुए कहा, इसमें रोहित सहरावत का नाम का एक व्यक्ति मुख्य आरोपी है, जो भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रदेश का उपाध्यक्ष है। रोहित सहरावत की गृह मंत्री अमित शाह के साथ तस्वीर है।

भारत ने पश्चिम एशिया के ताजा घटनाक्रम पर सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह दोहराया

नई दिल्ली। भारत ने पश्चिम एशिया में सैन्य टकराव में तेजी के बीच संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से संयम बरतने और वार्ता एवं कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान दोहराया। विदेश मंत्रालय ने घटनाक्रम पर विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि हम पश्चिम एशिया में बढ़ती हिंसा और क्षेत्र तथा उससे परे शांति और वहां जारी युद्ध की स्थिति को किसी के लिए भी लाभकारी नहीं बताया और कहा कि क्षेत्र में भारतीय मिशन भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैंपश्चिम एशिया के स्थिरता पर इसके प्रभाव से बहुत चिंतित हैं। हम सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने तथा वार्ता और कूटनीति के मार्ग पर लौटने का आह्वान करते हैं। जारी युद्ध की स्थिति किसी के लिए भी लाभकारी नहीं है

NAME CHANGE

It is for general information that I, SANJEEV KUMAR S/o SURAJ SINGH R/o WZ-423, Gali No. 19, Sant Garh, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as MANYA in my minor daughter MANYA RAJPUT aged 15 years in her School Record. The actual name of my minor daughter is MANYA RAJPUT, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Shashi Bhusahan Tyagi S/o Braham Prakash Tyagi R/o H.No-686, Urban Estate, Sector-7, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Shashi Bhushan Tyagi S/o Brahm Prakash Tyagi For All Future Purpose

NAME CHANGE

I, Ram Babu aged about 54 yr. S/o Siya Ram R/o D-398 Nawada Housing Complex, Uttam Nagar, Delhi-110059, declared that name of my son has been wrongly written as Dipanshu Chaudhary in my office record. The actual name of my son is Piyush Chaudhary. Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Vijay Goel S/O: Babu Ram Goel, R/O 1589, 1st Floor, Rani Bagh, Saraswati Vihar, Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi, 110034,have changed the name of my minor son Rhythm Goel aged 14 years and he shall hereafter be known as RIDHAM GOYAL.

NAME CHANGE

I, hitherto known as NONIKA SINGH alias NONIKA KHANEJA D/O JARNAIL SINGH PUPNEJA W/O TARUN KHANEJA R/O 1821, OUT RAM LINES, NEAR GTB NAGAR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110009, have changed my name and shall hereafter be known as NONIKA KHANEJA.

NAME CHANGE

I,RENU KUMARI W/O HARINDER SINGH R/O Flat No. 257, Sansskriti Apartment, opp. OPG World School, Dwaka Sector 19B, P.O. Dwarka Sec.6, District South West Delhi Delhi-110075 have changed my name from RENU KUMARI to RENU KADIAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NO-06498720M Rank-HAV Name-MANOJ KUMAR YADAV R/o VILL-BAID MISRAUAVALI, PO-DUMARI (BATANI), TEH-SAILENPUR, DIST-DEORAI, UTTAR PRADESH-274701 have changed my minor son's name from PRIYANSHU to PRIYANSHU YADAV for all future purposes vide affidavit dated 26/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14851181W Rank-NK Name-HEMLAL residing at VILL-DEWKOT, PO-KANWAR, TEH-GURUR, DIST-BALOD, CHHATISHGARH-491227 have changed my mother's name from KAMLA and KAMLA BAI YADAV for all future purposes vide affidavit dated 26/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BADRUDDUJA S/O ZUBAIR AHMED residing at H NO-398, MATIA MAHAL, JAMA MASJID, DELHI-110006 have changed my name to BADARUDDUJA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Mahender Kumar S/O Shri Ram Parsad R/O. HNo -310, Nagin Lake apartment, Paschim Vihar, Delhi -110087 Have Changed my minor daughter name from Yashika to Yashika Thakral

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Satish Rana S/0 Raje Ram,R/O HOUSE NO-138, POCKET- 8.SECTOR-24 ROHIN, North West Delhi, Delhi-110085,declare that name of my father has been wrongly written as Raja Ram in his driving Licence no -819980061719, The actual name of my father is Raje Ram, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NO-14892503A Rank-SEP Name-SUSHIL KUMAR residing at VILL-KAKRAI URF SAHIBAD, PO-KAKRAI, TEH-ANOOPSAHER, DIST-BULANDSAHER, UTTAR PRADESH-203394 have changed my father's name from SEORAJ SINGH and SHYORAJ SINGH for all future purposes vide affidavit dated 26/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14881010Y Rank-SEP Name-VINAY BASAVARAJ KALLUR residing at VILL-SANIKOPPA, PO-SAMPGAON, TEH-BAILHONGAL, DIST-BELGAVI, KARNATKA-591125 have changed my mother's name from SUMITRA to SUMITRA BASAVARAJ KALLUR for all future purposes vide affidavit dated 26/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, K. HARIHARAN, Father of No.-15715772N L/NK SANTHOSH H.R., Presently residing at VILL-VILAVOORKKAL, PO-PEYAD, TEH-THIRUVANANTHAPURAM, DISTT-THIRUVANANTHAPURAM, KERALA-695573 have change my name from K. HARIHARAN to K. HARIHARAN NAIR for all future purposes vide Affidavit dated 30/09/2024 before Notary Public, Kerala.

NAME CHANGE

I, SAKET KUMAR KARN is son of No. GS-165208L Rank- OFFICE SUPERINTENDENT, Name- SHUBH CHANDRA LAL ARYA R/o WARD NO-10 VILLAGE KACHHARA BASBARIYA, PO-BENIPATTI, KACHHARA MADHUBANI (BIHAR)-847223, have changed my date of birth from 01/01/1993 to 01/01/1995 for all purposes. Vide affidavit dated 24.10.2024 before sub divisional magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14881010Y Rank-SEP Name-VINAY BASAVARAJ KALLUR residing at VILL-SANIKOPPA, PO-SAMPGAON, TEH-BAILHONGAL, DIST-BELGAVI, KARNATKA-591125 have changed my father's name from BASAVARAJ and BASAVARAJ KALLUR for all future purposes vide affidavit dated 26/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD HAIDER ALI S/O ZAHEEN UDDIN R/O H NO- P -184, THIRD FLOOR, FLAT NO-A-8, BATLA HOUSE, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025, declare that, the name of my father and my mother has been wrongly written as ZAHEENUDDIN and TABASSUM in my passport. The actual name of my father ZAHEEN UDDIN and mother TABASSSUM ZAHEEN, which may be amended accordingly.

COURT NOTICE

IN THE COURT OF SH. MANISH JAIN LD. ACJ-cum-CCJ-cum-ARC (NORTH) DISTRICT COURTS ROHINI DELHI

SUCC NO.61/2020

VEENA SAINI VS. GOVT. OF NCT OF DELHI

NDOH: 05.12.2024

VEENA SAINI W/O LT SH. SANJAY SAINI R/O A-87, MAJLIS PARK, ADARSH NAGAR, DELHI-110033

VS.

STATE & ORS.

FOR SUCCESSION CERTIFICATE UNDER SUCCESSION ACT-1925.

All Concerned Whereas in the above noted petition the applicant/ petitioner has applied for Succession Certificate from the Hon'bl sse court Under section 372 of the Indian Succession ACT-1925 in respect of the amount & assets which is lying in the name of DECEASED LATE SH.SANJAY SAINI S/O LAT. SH. DALCHAND SAINI R/O A-87, MAJLIS PARK ADARSH NAGAR, DELHI

REGARDING IN RESPECT TO THE RESPECT OF MOVABLE PROPERTIES IN RESPECT OF THE DEBTS OF SECUTITIES MOVEABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AND

REGARDING PPF ACCOUNT NO. 1034267107-8 IN SBI BANK DELHI AND INSURANCE POLICY IN ORIENTAL INSURANCE COMPANY LTD. U/S 372 OF INDIAN SUCCESSION ACT. 1925

Whereas 05.12.2024 at 10 o'clock in the forenoon has been fixed for hearing

The application notice is hereby given under my hand and the seal of the court this on.....29.08 2024

(MANISH JAIN)
ACJ-cum-CCJ-cum-ARC (NORTH)
DISTRICT COURTS ROHINI DELHI

NAME CHANGE

I, NO-14851181W Rank-NK Name-HEMLAL residing at VILL-DEWKOT, PO-KANWAR, TEH-GURUR, DIST-BALOD, CHHATISHGARH-491227 have changed my father's name from GIRDHARI and GIRADHARI LAL YADAV for all future purposes vide affidavit dated 26/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14849955P Rank-NK Name-TAYADE YOGESH PRAKASH RAO R/o VILL-HIRPUR PURNA, PO-HIRPUR PURNA, TEH-CHANDUR BAZAR, DIST-AMRAVATI, MAHARASHTRA have changed my name from TAYADE YOGESH PRAKASH RAO and YOGESH PRAKASHRAO TAYADE for all future purposes vide affidavit dated 26/10/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my clients namely (1) SMT. VIBHA W/O SH. SANJAY SINGH and (2) SANJAY SINGH S/O SH. RATTAN SINGH, both R/o PLOT NO.2.40B (GROUND FLOOR), 38/9, SUNDER NAGAR, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043, have disowned, debarred their son namely NIKHIL SHARMA S/O SH. SANJAY SHARMA and daughter-in-law ANUSHKA W/O SH. NIKHIL SHARMA, both R/o PLOT NO.2.40B (GROUND FLOOR), 38/9, SUNDER NAGAR, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043, from all their moveable and immoveable properties due to their adamant arrogant, disobedience misconduct and misbehavior towards my clients and they are out of control of my clients. My clients have severed all relations with them. Anyone dealing with them may do so at his/her own risks, costs and consequences.

G. K. SACHDEVA Advocate
Seat No.32, Hall No.1 Dwarka Court Complex New Delhi-110075

निशांत कुमार यादव अब होंगे चंडीगढ़ के उपायुक्त

एजेंसी

चंडीगढ़। गुरुग्राम के जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव अब राजधानी चंडीगढ़ के जिला उपायुक्त बनेंगे। केंद्र सरकार ने तीन साल के लिए निशांत कुमार यादव का कॉडर बदलकर यूटी कॉडर में भेजने को मंजूरी प्रदान कर दी है। वर्ष 2013 बैच के आईएएस आईआईटीयन निशांत कुमार यादव को चंडीगढ़ का नया डिप्टी कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वह चंडीगढ़ के मौजूदा डीसी विनय प्रताप सिंह की जगह लेंगे। केंद्र सरकार की अपॉइंटमेंट कमेटी ने यादव की नियुक्ति को मंजूरी दी है और इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। एक नवंबर 1966 को हरियाणा व पंजाब के अलग होने के समय में राजधानी चंडीगढ़ में अधिकारियों की तैनाती का अनुपात भी दोनों राज्यों में बांटा गया था। इसके तहत उपायुक्त की पोस्ट हरियाणा के कोटे में आती है। इसी के चलते निशांत यादव हरियाणा कैडर से डेपुटेशन पर एजीएमयूटी कैडर में भेजे गए हैं। चंडीगढ़ (यूटी) में बतौर डिप्टी कमिश्नर आईएएस निशांत यादव का कार्यकाल 3 साल या अगले आदेश तक होगा, जो भी पहले हो। आईएएस अफसर निशांत कुमार यादव अभी वर्तमान में गुरुग्राम के डिप्टी कमिश्नर के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। उन्हें फरवरी 2022 में गुरुग्राम डिप्टी कमिश्नर नियुक्त किया गया था। तब उन्होंने वहां आईएएस यश गर्ग की जगह ली थी।

बहन की शादी का न्यौता देकर लौट रहे तीन भाईयों की हादसे में मौत

सोनीपत। बहन की शादी का न्यौता देकर लौट रहे तीन युवकों की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही शादी वाले घर में मातम पसर गया। घटना सोनीपत के गांव भैंसवान खुर्द के पास की है। पुलिस को दी शिकायत में अंकुश उर्फ सोनी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि देर शाम उनका भाई ललित मोटरसाइकिल चला रहा था, जिस पर अतुल और लक्ष्य भी सवार थे। भोले का ढाबा के पास एक तेज रफ्तार गाड़ी ने लापरवाही से उनकी बाइक को टक्कर मारी, जिसमें ललित और अतुल की मौके पर ही मौत हो गई। घायल लक्ष्य को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। अंकुश ने बताया कि गाड़ी से तीन लोग उतरकर भागते देखे गए, जिनमें से एक घायल व्यक्ति बाद में अस्पताल से फरार हो गया। पुलिस को सूचना मिलने पर एएसआई संजय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और घटना की विशेष रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। शवों का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंपा दिया गया है।

स्थाई भर्तियां होने पर भी हटाए नहीं जाएंगे एसएसटी अध्यापक

चंडीगढ़। हरियाणा में कौशल रोजगार निगम को भंग किए जाने की अफवाहों के बीच सरकार ने साफ कर दिया है कि एचकेआरएन को भंग नहीं किया जाएगा बल्कि पहले के मुकाबले और बेहतर तरीके से इसका संचालन किया जाएगा। सरकार ने एचकेआरएन के माध्यम से भर्ती हुए अध्यापकों की नौकरी को भी सुरक्षित रखने का फैसला कर लिया है। इस बीच महानिदेशक मौलिक शिक्षा हरियाणा ने प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को एक पत्र जारी करके एचकेआरएन के माध्यम से लगे एसएसटी अध्यापकों की सेवाएं जारी रखने के निर्देश दिए हैं। महानिदेशक की तरफ से जारी पत्र के अनुसार टीजीटी अंग्रेजी के नियमित अध्यापकों की नियुक्ति होने के बाद हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से लगे एसएसटी अध्यापकों की सेवाएं समाप्त किए जाने को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। महानिदेशक के अनुसार टीजीटी अंग्रेजी में नियमित अध्यापक आने के बाद एसएसटी अध्यापकों को आगामी आदेशों तक पदमुक्त नहीं किया जाएगा।

राजकीय आईटीआई में दीक्षांत समारोह आयोजित

नारनौल। नारनौल स्थित राजकीय आईटीआई में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुरेश चौधरी ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। छात्र सचिन ने संस्थान में अव्वल स्थान प्राप्त किया है। सुरेश चौधरी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आईटीआई एक ऐसा संस्थान है जहां रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। सरकार प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों को नौकरी में वरीयता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि आईटीआई से उत्तीर्ण बच्चे अपना स्वयं का रोजगार भी स्थापित कर अन्य को भी रोजगार के अवसर प्रदान कर सकते हैं। मुख्य अतिथि ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी ट्रैनी छात्र व छात्राओं को प्रमाण पत्र व मैडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के बीच-बीच में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समा बांधा। प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि राजकीय ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान के 21 ट्रैड के कुल 112 मेधावी ट्रैनी छात्र व छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। इसी प्रकार महिला आईटीआई की 9 ट्रैड की प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली कुल 40 छात्राओं को भी प्रमाण पत्र व मैडल पहनाकर सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके अलावा डीएसटी के प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 49 छात्रों को भी अनुभव प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर नेहरू युवा केंद्र से नित्यानंद यादव, कार्यालय अधीक्षक सत्यनारायण, मेजर विरेंद्र कुमार सेकवाल आदि मौजूद रहे।

अंबाला छावनी बस स्टैंड की स्पेशल रिपेयर के लिए 92.37 लाख मंजूर : अनिल विज

बस स्टैंड के ढांचागत में होगा सुधार, यात्रियों को मिलेगा लाभ, परिवहन विभाग संभालते ही किया था औचक निरीक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन, ऊर्जा एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने परिवहन विभाग संभालते ही अम्बाला छावनी बस स्टैंड के ढांचागत सुधार की कवायद प्रारंभ कर दी है। परिवहन मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला छावनी बस स्टैंड की स्पेशल रिपेयर के लिए सरकार ने 92.37 लाख रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि सरकार ने 92.37 लाख रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है और बहुत जल्द अम्बाला छावनी बस स्टैंड की रिपेयर के लिए कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड के ढांचागत को पहले से भी अधिक बेहतर बनाया जाएगा ताकि यहां आने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सके।

उन्होंने कहा कि अंबाला छावनी बस स्टैंड जीटी रोड पर सबसे महत्वपूर्ण बस स्टैंड है और रोजाना यहां से हजारों यात्री अलग-अलग राज्यों में आने-जाने के लिए बसों से उतरते व चढ़ते हैं। साथ ही कहा कि 92.37 लाख रुपये की प्रशासनिक मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही यहां पर विभिन्न ढांचागत की मरम्मत कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि गत दिनों परिवहन मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के कुछ घंटे के भीतर ही परिवहन मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी बस स्टैंड पर व्यवस्थाओं को जानने के लिए औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान कई खामियां मिली थीं और उन्होंने मौके पर ही बस स्टैंड इंचार्ज (एसएस) को निलंबित करने के निर्देश दिए थे। हालांकि, परिवहन मंत्री अनिल विज के निरीक्षण के चौबीस घंटे के भीतर ही परिवहन विभाग ने बताई गई विभिन्न खामियों को ठीक किया था ताकि यात्रियों को समस्याओं का सामना न करना पड़े।

हरियाणा के कृषि मंत्री का दावा, पराली जलाने की घटनाएं 60 फीसदी हुई कम

एजेंसी

चंडीगढ़। फसलों के अवशेष जलाने और उसके प्रबंधन की घटनाओं को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज चार राज्यों हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के कृषि मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक हुई। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने जिला रोहतक से इस बैठक में भाग लिया। बैठक में हरियाणा और अन्य तीन राज्यों में पिछले वर्ष व वर्तमान वर्ष की फसल अवशेष जलाने की घटनाओं के बारे में विचार-विमर्श किया गया। श्याम सिंह राणा ने बताया कि पिछले वर्ष के मुकाबले वर्तमान खरीफ सीजन में प्रदेश में फसल अवशेष जलाने की घटनाओं में लगभग 60 प्रतिशत की कमी आई है, जिसका श्रेय हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली को जाता है। राज्य सरकार द्वारा किसानों को पराली न जलाने के बारे में ग्राम स्तरीय, खंड स्तरीय, जिला स्तरीय, पाठशाला कार्यक्रमों, प्रिंट मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूक किया गया और उन्हें पराली प्रबंधन हेतु प्रोत्साहन राशि व सब्सिडी पर कृषि यंत्र भी उपलब्ध करवाए गए।

उन्होंने बताया कि यदि प्रदेश के किसान पराली को न जलाकर उसका प्रबंधन खेत व खेत से बाहर करते हैं तो मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है तथा मिट्टी में ऑर्गेनिक तत्वों की मात्रा भी बढ़ती है। उन्होंने बताया कि वे भी एक किसान हैं और उन्होंने स्वयं अपने खेत में पराली को कृषि यंत्रों के माध्यम से मिट्टी में मिलाकर उसका प्रबंधन किया है।

कृषि मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार पराली जलाने की घटनाओं के बारे में पूर्णतयः सतर्क है और राज्य ने ग्राम स्तरीय, खंड स्तरीय व जिला स्तरीय टीमों के माध्यम से पूर्ण निगरानी रखे हुए हैं। किसानों को प्रतिदिन गांव में जागरूकता शिविर लगाकर पराली न जलाने के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

प्रत्येक गांव पंचायती भूमि पर पौधारोपण करने के लिए ठोस कदम उठाएः अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि पर्यावरण व मनुष्य जीवन के लिए पेड़-पौधे मुख्य साधन है क्योंकि इनके कारण ही हमारा पर्यावरण हरा भरा रहता है और यही पेड़-पौधे मनुष्य को जीने के लिए ऑक्सीजन उपलब्ध करवाते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण की इस मुहिम से जुड़कर ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करना चाहिए। कैबिनेट मंत्री आज सोनीपत जिला के गांव हुल्लाहेड़ी में सीआरपीएफ की 220 वीआईपी सुरक्षा बटालियन के सौजन्य से आयोजित पौधोपण कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहनलाल बड़ौली ने भी शिरकत की।

कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रत्येक गांव पंचायती भूमि पर पौधारोपण करने के लिए ठोस कदम उठाएं ताकि प्रत्येक गांव प्रकृति संरक्षण में अपना अहम योगदान दे सकें। हमें प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए पर्यावरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने होंगे, नहीं तो वो दिन दूर नहीं कि मनुष्य का अस्तित्व खतरे में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना

महामारी के दौरान होने वाली ऑक्सीजन की कमी का कारण कहीं न कहीं पेड़ों की अधिक कटाई भी है। मनुष्य ने अपने विकास के लालच में प्रकृति को इतना नुकसान पहुंचा दिया है कि मनुष्य को अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। पेड़ों की अधिक कटाई के कारण वातावरण में ऑक्सीजन का संतुलन बिगड़ गया है और वातावरण में ऑक्सीजन की कमी हो गई है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि पौधारोपण करने के साथ-साथ हमारा यह भी दायित्व बनता है कि हम इसकी देखभाल भी करें।

इस मौके पर सीआरपीएफ के कमांडेंट निखिल रस्तोगी ने कहा कि सीआरपीएफ देश की रक्षा करने के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा करने का भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ अब तक कई करोड़ पौधे लगा चुकी है और उनकी देखभाल भी कर रही है। इस अवसर पर सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट ओमेन्द्र सिंह पूनिया, नरेन्द्र सारन व राजेन्द्र पटेल, सहायक कमांडेंट विकास व वीरेन्द्र गांव हुल्लाहेड़ी के सरपंच नरेन्द्र सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण मौजूद रहे।

हरियाणा में गेहूं के बीजों की कीमतें तय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने रबी सीजन 2024-25 के लिए गेहूं के प्रमाणित बीजों की बिक्री दरों की घोषणा की है। कृषि विभाग के निदेशक ने इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रदेश में इन दिनों डीएपी को लेकर मारा-मारी चल रही है। किसान संगठन विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। महिलाएं कई-कई घंटों तक कतारों में लगकर डीएपी हासिल कर रही हैं।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि सरकार किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आगामी सीजन में फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके और कृषि परिणाम बेहतर हों। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, सभी प्रकार के गेहूं की सामान्य बिक्री दर-सी -306 किस्म और अधिसूचना के 10 वर्ष से अधिक पुरानी किस्मों को छोड़कर 3,875 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। किसानों को राहत देने के लिए सरकार 1,000 रुपये प्रति क्विंटल की सब्सिडी प्रदान करेगी, जिससे बीज की

कीमत कम होकर 2,875 रुपये प्रति क्विंटल रह जाएगी। प्रमाणित गेहूं के बीज 40 किलोग्राम के प्री-पैक बैग में सब्सिडी वाली दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि किसान रबी सीजन के लिए आसानी से उच्च गुणवत्ता वाले बीज खरीद सकें। यह सब्सिडी केवल हरियाणा के किसानों को ही दी जाएगी और किसी सरकारी एजेंसी, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) या योजनाओं के तहत प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल किए गए बीजों पर लागू नहीं होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रमोशनल गतिविधियों या अन्य सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग किए जाने वाले बीजों पर कोई सब्सिडी नहीं मिलेगी। विभाग ने बिक्री केंद्रों पर सभी लेन-देन को सावधानीपूर्वक बिक्री रजिस्टर में दर्ज किया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी विवाद से बचा जा सके। साथ ही अधिकारियों को इन निर्देशों से संबंधित सभी कर्मचारियों को तुरंत अवगत कराने को कहा गया है, ताकि वितरण प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके।

त्यौहारी सीजन में खुले रहेंगे अस्पतालों के बर्न यूनिट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने कहा है कि विभागीय अधिकारियों को दीपावली के मद्देनजर प्रदेश के सभी अस्पतालों को बर्न यूनिट तैयार करने के निर्देश जारी किए गए हैं। त्यौहार के सीजन में पटाखे आदि से जलने के कई केस सामने आते हैं। दीपावली के दौरान किसी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए रोस्टर के अनुसार मेडिकल व पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की जाएगी। मंत्री पद ग्रहण करने के बाद उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग तथा मेडिकल एजुकेशन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में आरती राव ने सभी विभागाध्यक्षों से उनके विभाग में चल रही योजनाओं तथा समस्याओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में आरती राव ने कहा कि कई निजी अस्पतालों द्वारा आयुष्मान कार्ड धारकों से मनमाने रेट वसूले जा रहे हैं या फिर उन्हें भर्ती करने

में आनाकानी करते हैं। आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज करने में कोताही करने वाले निजी अस्पतालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सभी अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं कि

-स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों की पहली बैठक में ली स्टेट्स रिपोर्ट

-दीपावली पर रोस्टर अनुसार तैनात रहेगा मेडिकल स्टाफ

वह अपने-अपने क्षेत्रों में यह सुनिश्चित करें कि सरकार के पैनल पर काम करने वाले अस्पताल आयुष्मान कार्ड धारकों को परेशान न करें। जो अस्पताल लोगों को परेशान कर रहे हैं, उनके इंपैनलमेंट को रद्द किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में मिठाई की दुकानों की जांच करें। मिलावटी व घटिया किस्म की मिठाई बेचने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह आगामी छह माह का रोड मैप तैयार करें। इसे अगली बैठक में लागू करके जवाबदेही तय की जाएगी। प्रदेश के अस्पतालों में डाक्टरों की कमी को स्वीकारते हुए उन्होंने कहा कि डाक्टरों की तैनाती से अधिक जरूरी है कि वह स्थायित्व के साथ काम करें। इसके लिए प्रयास किए जाने के बेहद जरूरी हैं। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह नए डाक्टरों की नियुक्ति से पहले उनके साथ बैठकें करें ताकि वह अपने जिलों तथा तैनाती वाले क्षेत्रों में स्थाई तौर पर काम करें।

दीप महोत्सव में वकीलों ने लिया कविताओं का आनंद

एजेंसी

झज्जर। दीपावली पर्व को लेकर बार एसोसिएशन बहादुरगढ़ की ओर से दीपावली के उपलक्ष्य में पहली बार दीप महोत्सव व कवि सम्मलेन का आयोजन हुआ। इसमें न्यायापालिका अधिकारियों प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा बार एसोसिएशन से जुड़े वकीलों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। जाने-माने कवियों ने अपनी हास्य, व्यंग्य पर आधारित कविताओं से समारोह में मौजूद उपस्थितन को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। दीप महोत्सव में मुख्य तौर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया, जिला उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह, पुलिस उपायुक्त बहादुरगढ़ मयंक मिश्रा, प्रिंसीपल जज फैमिली कोर्ट भावना जैन, एस.डी.जे.एम. सोनिया सोकंद, एस.डी.एम. परमजीत चहल, जे.एम.आई.सी. आशिमा गर्ग ने शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता बार एसोसिएशन बहादुरगढ़ के प्रधान सत्यवान राठी ने की। प्रधान सत्यवान राठी ने बार एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ मिलकर बार की तरफ से सभी अतिथियों का बुक्के भेंट कर, शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया, जिला उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह, पुलिस उपायुक्त बहादुरगढ़ मयंक मिश्रा व एसोसिएशन प्रधान व पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। वहीं बार की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ताओं को जिन्हें वकालत में 40 साल से ज्यादा अनुभव हो चुका है उन्हें शॉल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भाजपा ने हरियाणा में 50 लाख नए सदस्य बनाने की रणनीति को दिया अंतिम रूप

एजेंसी

रोहतक। भाजपा ने 50 लाख नए सदस्य बनाने के लिए अपनी रणनीति को रोहतक में अंतिम रूप दिया। इसके लिए पार्टी कार्यालय ''मंगल कमल'' में प्रदेश भर के पदाधिकारियों की एक कार्यशाला रखी गई, जिसमें सदस्यता अभियान को कैसे आगे बढ़ाया जाए यह तय किया गया।

बड़ी बात यह है कि कार्यशाला में हर बूथ पर 250 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य बूथ पर रहने वाले पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दिया गया। नए सदस्य बनाने की कार्य योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बडौली की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा व कैबिनेट मंत्री समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

संगठन को बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक और अधिक मजबूत करना ही लक्ष्य : दुष्यंत गौतम

आज की कार्यशाला में राष्ट्रीय

महासचिव दुष्यंत गौतम ने संगठन के गठन की प्रक्रिया व सक्रिय कार्यकर्ता बनाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संगठन के चुनाव और नियुक्तियों के बारे में भी बताया। राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि हरियाणा में भाजपा ने 50 लाख नए सदस्य बनाने का जो लक्ष्य रखा है उन्हें पूरा विश्वास है कि कार्यकर्ता इसको पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में संगठन को बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है और देश लगातार विकास की राह पर तेजी से बढ़े इसके लिए हमें प्रयास करना है।

विधानसभा डिप्टी स्पीकर ने ली अधिकारियों की बैठक

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के नवनिर्वाचित डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा बतौर डिप्टी स्पीकर पहली बार अपने गृह क्षेत्र जींद पहुंचे। लोक निर्माण विश्राम गृह में डिप्टी स्पीकर ने प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली और जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त मोहम्मद इमरान रज़ा, एडीसी विवेक आर्य, डीएमसी गुलज़ार मलिक समेत दूसरे विभागों के अधिकारी रहे। जो अधिकारी व कर्मचारी बैठक में नहीं पहुंचे, उन्हें शो काज नोटिस जारी किया जाएगा। बैठक के बाद बाहर निकलते समय आईपीएस पर लगे यौन शोषण को लेकर वायरल पत्र में विधायक का जिक्र होने के सवाल पर डा. कृष्ण मिढ़ा ने कहा कि उन्हें इस तरह का कोई मामला याद नहीं है। दिन में कई लोग उनसे अपने कामों को लेकर मिलते हैं। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिढ़ा ने जिले में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और आमजन से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए रणनीतियां तय की गई। उन्होंने सरकारी योजनाओं के समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए प्रशासनिक कार्यों में नवाचार और नागरिक सेवा सुधार को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेवात में हमेशा ही पानी की कमी रही है, परन्तु वहां विपक्ष की हवा होते हुए भी हमने पानी और बिजली की समस्या को दूर किया है। जींद में भी आज विकास कार्य चरम पर हैं और आमजन को सभी सुख सुविधाएं देने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की यह बैठक प्रशासनिक विभागों के बीच मजबूत समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रखी गई थी।

युवाओं को प्रोत्सान को दिए जाएंगे खेल उपकरण

एजेंसी

पलवल। खेल विभाग के माध्यम से हरियाणा खेल उपकरण प्रावधान योजना के तहत राज्य में युवाओं खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। जिसमें वॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केट बॉल, हैंडबॉल, मुक्केबाजी, कुश्ती, जूड़ो व क्रिकेट जैसे खेलों का सामान होगा। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए ग्राम पंचायतों व नगर निकायों को खेल उपकरण प्रदान करना है।

यह जानकारी डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने दी। उन्होंने बताया कि उक्त योजना के तहत ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों को अनुदान पर विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। यह योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 यानी 31 मार्च 2025 तक मान्य रहेगी। इस योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों व नगर निकायों को दिए जाने वाले निर्धारित खेलों के सामान की खरीद निदेशालय पंचकूला द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के गेम प्लान से जिले में विभिन्न प्रकार के खेलों को बढ़ावा मिलेगा। इससे युवाओं को खेल का सामान आसानी

से उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने बताया कि वही ग्राम पंचायतें और शहरी स्थानीय निकाय इस योजना के तहत आवेदन करने के पात्र होंगे, जहां खेल के उचित खेल का मैदान (एफओपी) उपलब्ध होगा। हरियाणा खेल उपकरण प्रावधान योजना के तहत वॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केट बॉल, हैंडबॉल, बॉक्सिंग, कुश्ती, जूडो और क्रिकेट के खेल उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।योजना के अन्तर्गत सभी ग्राम पंचायत अपने क्षेत्र में प्रचलित खेल के आधार पर खेल सामान की खरीद प्राप्ति हेतु निर्धारित आवेदन-पत्र संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच के माध्यम से तथा नगर निकाय क्षेत्र से आवेदन पत्र संबंधित वार्ड के मेंबर एवं पार्षद के माध्यम से जिला खेल कार्यालय पलवल में शीघ्र प्रस्तुत करें। आवेदन जिला खेल कार्यालय नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम पलवल से प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदकों को आवेदन पत्र के साथ गांव व नगर निकाय क्षेत्र में स्थित खेल मैदान की वर्तमान फोटो भी लगानी अनिवार्य है।

एचएयू के दो वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में सम्मानित

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के दो वैज्ञानिकों डॉ. संदीप आर्य को सर डाईट्रीच ब्रेंडिस अवार्ड से व डॉ. राजेन्द्र कुमार को शैक्षणिक उपलब्धि अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हे यह अवार्ड शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कश्मीर में एग्रीटेक इंटेलिजेंस एंड बियॉन्ड- कटिंग एज इन्नोवेशन इन एग्रीकल्चर एंड अलाइड साइंसेज विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में मिला है। वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने उन्हे बधाई व शुभकामनाएं दी।

सर डाईट्रीच ब्रेंडिस देश के पहले इंस्पेक्टर जरनल ऑफ फोरेस्ट थे। फोरेस्ट्री विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य को 24 साल से अधिक के कार्यकाल में फोरेस्ट्री में किए गए उनके

उत्कृष्ट कार्यों के लिए यह सम्मान प्राप्त हुआ है। डॉ. संदीप आर्य के 201 से अधिक शोध पत्र व अन्य प्रकाशन प्रकाशित हो चुके हैं।वह अमेरिका व आस्ट्रेलिया में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। डॉ. राजेन्द्र कुमार के पास 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है, उनके पास इंजीनियरिंग में डॉक्टरेट, एमबीए, संचालन प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (आईईआई) के फेलो सदस्य का अच्छा अकादमिक रिकॉर्ड है। वे एमराल्ड, स्प्रिंगर, एल्सेवियर आदि जैसी कई पत्रिकाओं में समीक्षक के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने संबंधित विषयों में 50 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित और प्रस्तुत किए हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग उपस्थित रहे।

शक्कर में डिमांड, खाद्य तेलों में गिरावट, दलहन नरम, दालें मजबूत, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में डिमांड रही। खाद्य तेलों में गिरावट हुई। आज मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड तथा पाम तेल सस्ता बिका। तिलहन रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली से बने रहे। दलहन मिलगत के साथ दाल मिलों की लिवाली सुस्ती से नरम रहे। दाल में मांग से मजबूती दर्ज की गई। चावल में कामकाज मजबूती लिए रहा।

किराना बाजार: सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी से भाव बने बताए गए। आज शक्कर में तीन गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा दिसावर के साथ महंगा बिका। साबूदाना में कामकाज बना रहा। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव बताया गया।

तेल-तिलहन: खाद्य तेलों में लिवाली सुस्त रहने से गिरावट दर्ज की गई। आज मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड के साथ पाम तेल सस्ता होकर बिका। तिलहन में सोयाबीन में खरीदी बढ़ी रही।

दाल-दलहन: संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज नरमी लिए रहा। आज चना कांटा में मांग बढ़ी बताई गई। इससे भाव ऊंचे हुए। दालों में मजबूती रही।

पेट्रोल और डीजल कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.14 प्रतिशत की तेजी लेकर 71.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया जबकि लंदन ब्रेंट क्रूड 0.20 प्रतिशत उतरकर 75.90 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

सीतारमण ने की जर्मन वित्त मंत्री के साथ चर्चा

वाशिंगटन । केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोर्ष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठक के मौके पर जर्मनी के वित्त मंत्री क्रिस्टीयन लींडर से मुलाकात की। इस दौरान श्री लींडर ने श्रीमती सीतारमण को मोदी सरकार के दोबारा वित्त मंत्री बनाने पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने वित्तीय प्रबंधन, फिनटेक, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के संबंध में वैश्विक निवेशकों के लिए भारत में निवेश करने के प्रवेश द्वार के रूप में आईएफएससी और गिफ्टी सिटी में अवसरों पर चर्चा की। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि चूंकि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए जर्मन विश्वविद्यालयों में अध्ययन करते हैं, इसलिए जर्मन विश्वविद्यालय गिफ्ट सिटी में अंतर्राष्ट्रीय शाखा परिसर स्थापित करने पर विचार कर सकते हैं, जैसे अन्य अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय इस केंद्र में स्थापित कर रहे हैं।

एसीएमए मोबिलिटी फाउंडेशन का फ्रौनहोफर इंस्टीट्यूट्स के साथ समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) के एसीएमए मोबिलिटी फाउंडेशन ने आज भारत के ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) सहयोग को बढ़ावा देने के लिए जर्मनी के फ्रौनहोफर-गेसेलशाफ्ट के साथ एक समझौता किया।राजधानी में आयोजित 18वें एशिया-पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस की पृष्ठभूमि में हस्ताक्षरित इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य भारतीय ऑटो कंपोनेंट उद्योग को उद्योग-संचालित अनुसंधान एवं नवाचार के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करना है, क्योंकि यह कार्बन तटस्थता, परिपत्रता, सुरक्षा और पर्यावरण की चुनौतियों का समाधान करने में गतिशीलता उद्योग का समर्थन करने के लिए बदल रहा है। इस सहयोग के माध्यम से फाउंडेशन और फ्राउनहोफर प्रौद्योगिकी, स्थिरता और उत्पाद नवाचार में प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे, जिससे भारतीय ऑटोमोटिव पारिस्थितिकी तंत्र की वृद्धि और प्रतिस्पर्धात्मकता में योगदान मिलेगा।

निजी क्षेत्र को भारत में व्यापार से रोकने वाली कोई बाधा नहीं : सीतारमण

एजेंसी

वाशिंगटन/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में व्यापार करने से रोकने वाली कोई बाधा नहीं है। कई गैर-भारतीय निजी बीमा कंपनियां पहले भारत में काम कर रही हैं। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वाशिंगटन, डीसी में सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के अध्यक्ष और सीईओ जॉन जे. हेमरे के साथ फायरसाइड चैट के दौरान यह बात कही। अपनी टिप्पणी में सीतारमण ने याद दिलाया कि भारत सरकार ने 2021 के बजट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि ऐसे चार क्षेत्र हैं, जहां सरकार मौजूद रहेगी। हालांकि, इसमें किसी ऐसे क्षेत्र का उल्लेख नहीं किया गया, जहां निजी क्षेत्र शामिल नहीं हो सकता। ग्रामीण विद्युतीकरण में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत के हर गांव में अब बिजली की सुविधा है।

2014 में भारत के कई गांवों में जिनमें राज्य की राजधानियों के पास के गांव भी शामिल हैं, बिजली के लिए बुनियादी ढांचे का अभाव था। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि आज भारत का कोई भी गांव बिजली से वंचित है। इसलिए अगर मुझे 2014 की स्थिति याद है, तो भारत के कई हिस्सों में कई ऐसे गांव थे, कुछ तो राज्य की राजधानी, प्रांतीय मुख्यालय के बहुत करीब थे, जहां बिजली के तार लगाने के लिए खंभा तक नहीं था। लेकिन, अब यह सब दूर हो गया है। घरों में बिजली आ गई है। चैट के दौरान सीतारमण ने कहा कि नगर पालिकाओं और शहरी केंद्रों को राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरह से सशक्त बनाया गया है। उनके पास चुने हुए प्रतिनिधि हैं, जो तय करते हैं कि उनकी प्राथमिकताओं को कैसे पूरा किया जाना चाहिए। वित?त मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे केंद्र सरकार का फंड राज्यों को दिया जाता है, वैसे ही नगर पालिकाओं और शहरी निकायों को भी फंड दिया जाता है। यह भारत की संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है और राजस्व वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार हस्तांतरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों और नगर पालिकाओं को केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किए गए करों का एक हिस्सा मिलता है ताकि वे यह जानकर योजना बना सकें कि उनकी आकांक्षाओं और विकासात्मक जरूरतों के लिए बजट के माध्यम से क्या आता है। इसके अलावा आज हम बाजार से संसाधन जुटाने की उनकी क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं।

आईसीआईसीआई बैंक का एकल शुद्ध लाभ 14.5 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 11746 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 10261 करोड़ रुपये की तुलना में 14.5 प्रतिशत अधिक है।

बैंक ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद आज यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि जुलाई सितंबर 2024 की इस दूसरी तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 20048 करोड़ रुपये रही है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की 18308 करोड़ रुपये की तुलना में 9.5 प्रतिशत अधिक है।

बैंक ने कहा कि इस तिमाही में उसका सकल एनपीए 1.97 प्रतिशत रहा है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2.48 प्रतिशत रहा था। इसी तरह से शुद्ध एनपीए चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 0.42 प्रतिशत रहा है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 0.43 प्रतिशत रहा था।

जियो का दिवाली-धमाका, 699 रुपये में मिलेगा 'जियोभारत' 4जी फोन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने इस दीपावली, जियोभारत 4जी फोन की कीमतों में 30 फीसदी की भारी भरकम कटौती कर दी है। सीमित अवधि के इस ऑफर में, 999 रुपये का जियोभारत मोबाइल फोन अब 699 रुपये की विशेष कीमत पर मार्केट में उपलब्ध है। जियोभारत फोन को 123 रुपये में रिचार्ज कराया जा सकता है। इस मासिक टैरिफ प्लान में अनलिमिटेड फ्री वॉयस कॉल, 14 जीबी डेटा भी साथ मिलेगा।

123 रु वाला जियो का मासिक रिचार्ज प्लान दूसरे ऑपरेटर्स की तुलना में 40 प्रतिशत सस्ता पड़ता है। क्योंकि अन्य नेटवर्कस, फीचर फोन के मासिक रिचार्ज के लिए कम से कम 199 रुपये वसूल करते हैं। यह जियो के मुकाबले 76 रुपये अधिक मंहगा है। इसका मतलब है कि यदि ग्राहक हर रिचार्ज पर 76 रु प्रतिमाह बचाता है तो पूरे फोन की कीमत 9 महीनों में ही पूरी हो जाएगी। एक तरह से 9 महानों के रिचार्ज के बाद जियोभारत फोन ग्राहक को फ्री का पड़ेगा।

यह सिर्फ़ एक फ़ोन नहीं है, यह 2जी से 4जी पर शिफ्ट करने का एक मौका है। 455 से अधिक लाइव टीवी चैनल, मूवी प्रीमियर और नई फिल्में, वीडियो शो, लाइव स्पोर्ट्स प्रोग्राम, जियोसिनेमा के हाइलाइट्स,

डिजिटल भुगतान, त्तक्र कोड स्कैन जैसी सुविधाएं जियोभारत 4जी फोन में उपलब्ध हैं। जियोपे और जियोचैट जैसे प्रीलोडेड ऐप भी इस फोन में मिलेंगे। फोन को नजदीकी स्टोर्स के अलावा, जियोमार्ट या एमेज़न से भी खरीदा जा सकता है।

विज एक्सपो सम्मेलन 2024 मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में शुरू, प्रतिष्ठित उद्यमी और निवेशक ले रहे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। फैवफेयर्स के दो दिवसीय विज एक्सपो और सम्मेलन की मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में शनिवार को शुरुआत हुई। इसका शुभारंभ महाराष्ट्र सरकार में पूर्व मंत्री सुभाष देसाई, श्रीलंका के वाणिज्य दूतावास की महावाणिज्यदूत शिरानी अरियारथने ने किया।

इसमें उद्योग जगत से जुड़े देश के प्रतिष्ठित उद्यमी व निवेशक भाग ले रहे हैं। पहले दिन 'स्टार्टअप और बदलती अर्थव्यवस्था में फंड मैनेजमेंट' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें देवांश लखानी, अनुराधा चौधरी व अर्जुन रस्तौगी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में भारत-श्रीलंका के द्विपक्षीय संबंधों और व्यापार पर चर्चा में श्रीलंका के वाणिज्य दूतावास की महावाणिज्यदूत शिरानी अरियारथने ने भाग लिया। कार्यक्रम में निवेशकों व उद्योग जगत से जुड़े लोगों के विचार

जानने के लिए एक सत्र का आयोजन किया गया। इसमें व्यापार व उद्योग जगत से जुड़े व्यक्तियों ने उद्यम से संबंधित विचारों को रखा। अभिनेत्री सोनाली बिंद्रे ने विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य करने व नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाली कंपनियों को पुरस्कार प्रदान किया। एक्सपो में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे जहां लोगों ने स्टार्टअप के बारे में विभिन्न नवोन्मेषों को जाना। एक्सपो का आज समापन होगा। इस कार्यक्रम में अमर उजाला मीडिया सहयोगी है।

सरकार ने कॉरपोरेट आयकर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 नवंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए कॉर्पोरेट्स द्वारा आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा को 15 दिन बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जारी एक परिपत्र में कहा कि 31 अक्टूबर की समय-सीमा बढ़ाई जाएगी। सीबीडीटी के मुताबिक आकलन वर्ष 2024-25 (चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कॉर्पोरेट्स के आयकर रिटर्न दाखिल करने) के लिए नई समय-सीमा अब 15 नवंबर, 2024 है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सितंबर में सीबीडीटी ने आयकर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम समय-सीमा को सात दिन बढ़ाकर 7 अक्टूबर कर दी थी।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, सस्ती हुई चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में एक दिन की गिरावट के बाद आज एक बार फिर सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में आज 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है, जिसके कारण ये चमकली धातु 1 लाख रुपये के स्तर से नीचे आ गई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,740 रुपये से लेकर 79,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73,110 रुपये से लेकर 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,740 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है जबकि 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन आमदनी बढ़ने के बावजूद घाटे में

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए। दो साल बाद आमदनी बढ़ने के बावजूद एयरलाइन एक बार फिर घाटे में है। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार जुलाई-सितंबर तिमाही में उसे 986.7 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। कपनी के अनुसार विमानों के खड़े होने और ईंधन की ऊंची लागत से उसके मुनाफे पर असर पड़ा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में इंडिगो का मुनाफा 2,728 करोड़ रुपये था। वहीं, एक साल पहले सितंबर 2023 में समाप्त तिमाही के दौरान एयरलाइन का मुनाफा 188.9 करोड़ रुपये था।

क्रिप्टोकरेंसी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के लिए बहुत बड़ा जोखिम : आरबीआई गवर्नर

एजेंसी

वाशिंगटन/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ अंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शांतिकांत दास ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक स्थिरता के लिए बहुत बड़ा जोखिम है। शक्तिकांत दास ने जोर देकर कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है।

आरबीआई ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि शक्तिकांत दास ने वाशिंगटन डीसी के पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में आयोजित मैक्रो वीक 2024 कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि मैं वास्तव में इस राय का हूं कि ये ऐसी चीज है जिसे फाइनेंशियल सिस्टम पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह बैंकिंग प्रणाली के लिए भी जोखिम पैदा करता है। यह ऐसी

स्थिति भी पैदा कर सकता है, जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति से नियंत्रण खो सकता है। उन्होंने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझ होनी चाहिए, क्योंकि लेनदेन क्रॉस-कंट्री है। इससे जुड़े बड़े जोखिमों के बारे में पूरी तरह से सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत क्रिप्टोकरेंसी के बारे में सवाल उठाने वाला पहला देश था। दास ने कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 में इस पूरे क्रिप्टो

> **शक्तिकांत दास ने जोर देकर कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है।**

इकोसिस्टम से निपटने के संबंध में अंतरराष्ट्रीय समझ विकसित करने पर समझौता हुआ था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कुछ प्रगति हुई है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के सालाना बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका के आधिकारिक दौर पर हैं।

ईएसआई योजना के तहत अगस्त में 20.74 लाख नए कर्मचारी हुए पंजीकृत

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की ईएसआई योजना के तहत अगस्त में 20.74 लाख नए कर्मचारियों का पंजीकरण हुआ है।

योजना के तहत नए पंजीकरण में 25 वर्ष की आयु वर्ग के करीब 9.89 लाख युवा कर्मचारी शामिल हैं, जबकि 4.14 लाख महिला कर्मचारी पंजीकृत की गई हैं। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि अगस्त में ईएसआई योजना के तहत 20.74 लाख नए कर्मचारियों का पंजीकरण हुआ है। वहीं, इस योजना के तहत 28,917 नए प्रतिष्ठानों का पंजीकरण किया गया है। मंत्रालय के जारी आंकड़ों के अनुसार नए पंजीकरण में 25 वर्ष तक की आयु के करीब 9.89 लाख युवा कर्मचारी शामिल हैं। इस दौरान ईएसआई योजना में 4.14 लाख महिला कर्मचारी पंजीकृत की गई।

मंत्रालय ने कहा कि ईएसआईसी

के अनंतिम पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त माह में 20.74 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए हैं, जिससे ज्यादा श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। इसके अलावा अगस्त माह के दौरान शुद्ध पंजीकरण सालाना आधार पर 6.80 फीसदी बढ़ा है। इस अवधि में कुल 60 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी पंजीकरण कराया है।केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में कहा है कि पेरोल आंकड़े अनंतिम है, क्योंकि आंकड़ों का संग्रह लगातार जारी रहता है।

सरकार ने बिना मानक हेलमेट बेचने वालों के खिलाफ उठाया सख्त कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सड़क सुरक्षा को बढ़ाने और उपभोक्ताओं को घटिया हेलमेट से बचाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सड़क सुरक्षा बढ़ाने और उपभोक्ताओं को अमानक हेलमेट से बचाने के लिए देशभर के जिला अधिकारियों को एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने के लिए पत्र लिखा है। सरकार ने दो पहिया वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया है लेकिन देखा जा रहा है कि बाजार में बिना मानक वाले हेलमेट बेचे जा रहे हैं। दरअसल ऐसे हेलमेट सुरक्षा के मानक पर खरे नहीं होते हैं। इसके कारण देश में सड़क हादसे में हर वर्ष लाखों लोगों को जान गंवानी पड़ती है। इनमें दो पहिया वाहन चालकों की संख्या सबसे ज्यादा है। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि विभाग ने जिला कलेक्टरों और जिला मजिस्ट्रेटों को पत्र लिखकर देशभर में अभियान शुरू करने के लिए कहा है, ताकि दोपहिया वाहन सवारों के लिए गैर-अनुपालन वाले हेलमेट बेचने वाले निर्माताओं और विक्रेताओं को निशाना बनाया जा सके। ये पहल बाजार में उपलब्ध हेलमेट की गुणवत्ता और सड़क पर जीवन की सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर बढ़ती चिंताओं के जवाब में की गई है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने जिलाधिकारियों को लिखे पत्र में कहा है कि इस अभियान के तहत दोपहिया चालकों के लिए बिना मानक वाले हेलमेट बेचने वाले निर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं पर कार्रवाई करने को कहा है। पत्र में इस बात का जिक्र है कि सड़क किनारे बिना मानक हेलमेट जिनके पास भारतीय मानक ब्यूरो का प्रमाणन नहीं है, उनको भी बेचा जा रहा है। यह सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है और इससे सड़क हादसे में कई मौत होती है। ऐसे में इस मुद्दे से निपटने की तत्काल कदम उठाना जरूरी है।

सरकार ने भारतीय मानक ब्यूरो से प्राप्त लाइसेंस के बिना काम करने वाले या नकली आईएसआई मार्क का उपयोग करने वाले निर्माताओं के साथ-साथ बिना मानक उत्पादों को उपभोक्ताओं को बेचने वाले खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने जिलाधिकारियों को लिखे पत्र में कहा है कि आम लोगों के बीच हेलमेट को लेकर व्यापक जागरुकता फैलाना जरूरी है। हेलमेट जीवन बचाते हैं लेकिन केवल तभी जब वे अच्छी गुणवत्ता के हों। यह अभियान बाजार से बिना मानक वाले हेलमेट को हटाने और उपभोक्ताओं को बीआईएस-प्रमाणित उत्पादों के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए जरूरी है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि हम सभी हितधारकों से हमारे नागरिकों की सुरक्षा के लिए इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह करते हैं। खरे ने बताया कि आज तक हेलमेट निर्माताओं के 162 लाइसेंस रद्द या समाप्त हो चुके हैं। इसके अलावा 4151:2015 के संबंध में बीआईएस मानक चिह्न के दुरुपयोग या त्तष्ट्ह के उल्लंघन पर कुल 27 तलाशी और जब्ती की गई है और विभिन्न अदालतों में मामले दर्ज किए गए हैं। उल्?लेखनीय है कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से एक जून, 2021 को देश में गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू किया है। इसमें अनिवार्य किया गया कि सभी हेलमेट के निर्माताओं और विक्रेताओं को बीआईएस मानक आईएस 4151:2015 का पालन करना आवश्यक है।

Diwali 2024 को और खास बना देंगे ये स्नैक्स और मिठाइयां, मेहमान भी खाकर करेंगे तारीफ

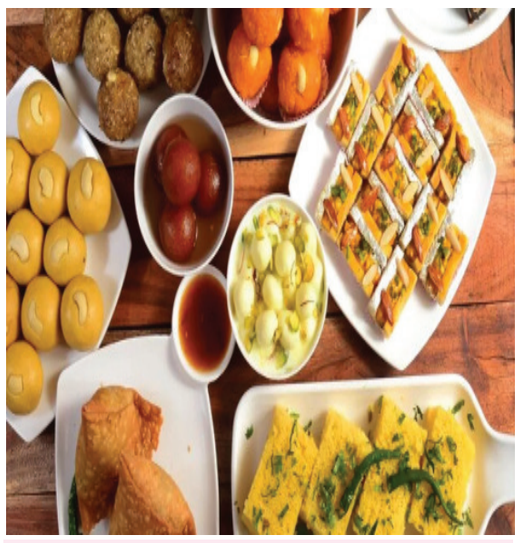

दीवाली के त्योहार पर सभी मिलकर दीप जलाते हैं मिठाइयां खाते हैं और खुशियां बांटते हैं। इस मौके पर दोस्तों और रिश्तेदारों को घर बुलाते हैं और मस्ती-मजाक भी करते हैं। इसलिए दीवाली को और खास बनाने के लिए आपको घर पर कुछ मिठाइयां और स्नैक्स (Sweets and Snacks For Diwali) बनानी चाहिए। इन्हें बनाना भी आसान होता है और इनका लाजवाब स्वाद सभी को खूब पसंद आएगा।

दीवाली का त्योहार यानी परिवार और दोस्तों के साथ खुशियां बांटने का त्योहार। दीवाली के शुभ अवसर पर लोग अपने घरों में दिए जलाते हैं, रंगोली बनाते हैं, एक-दूसरे को तोहफे देते हैं और खूब सारे स्वादिष्ट पकवानों का आनंद लेते हैं। इस दिन घर पर कई मेहमान भी आते हैं, जिनके साथ मिलकर तरह-तरह के गेम्स खेलते हैं और खूब मस्ती मजाक करते हैं। ऐसे में दीवाली का मजा दोगुना करने के लिए आप घर पर तरह-तरह की मिठाइयां और स्नैक्स बी बना सकते हैं। इन्हें आप आसानी से घर पर भी बना सकते हैं। यहां हम आपको उन्हीं स्नैक्स और मिठाइयों के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानें।

दीवाली के लिए स्नैक्स

चिप्स- आलू, या शकरकंद के चिप्स दीवाली के लिए एक बेहतरीन विकल्प हैं। इन्हें आप घर पर ही आसानी से बना सकते हैं और टमाटर के केचअप के साथ सर्व कर सकते हैं।

भेलपुरी- भेलपुरी एक लोकप्रिय और स्वादिष्ट स्नैक है। इसे बनाने के लिए आपको पुदीना, धनिया, टमाटर, प्याज और चाट मसाला की जरूरत होगी। मुरमुरे में इन चीजों को मिलाकर आप टेस्टी भेलपुरी बना सकते हैं। इनके साथ आप इसमें थोड़ी नमकीन भी मिला सकते हैं।पकौड़े- पकौड़े दीवाली के दौरान सबसे ज्यादा बनाए जाने वाले स्नैक्स में से एक हैं। आप आलू, प्याज, पनीर या मिक्स वेजिटेबल के पकौड़े बना सकते हैं और धनिया-पुदीना की चटनी के साथ सर्व भी कर सकते हैं। पकौड़े लगभग हर व्यक्ति को पसंद होते हैं और इनके नमकीन स्वाद से कोई बोर नहीं होता।

दही भल्ले- दही भल्ले एक स्वादिष्ट और हल्का स्नैक है। इसे बनाने के लिए आपको उड़द की दाल, दही और मसाले की जरूरत होगी। टेस्टी इमली की चटनी के साथ दही भल्ले का स्वाद दोगुना हो जाता है।

दीवाली के लिए मिठाइयां

गुलाब जामुन- गुलाब जामुन एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है। इसे बनाने के लिए आपको दूध, मैदा, बेकिंग पाउडर और चीनी की जरूरत होगी। बाजार में इसका तैयार पाउडर भी मिलता है, जिससे आप आसानी से इसे घर पर बना सकते हैं।

बर्फी- बर्फी एक और लोकप्रिय भारतीय मिठाई है। इसे बनाने के लिए आप दूध, चीनी और मेवे का इस्तेमाल कर सकते हैं। बर्फी आप अलग-अलग चीजों से बना सकते हैं। जैसे- बेसन, काजू या मूंगफली की बर्फी बना सकते हैं।

काजू कतली- काजू कतली एक रिच और डिलाइटफुल मिठाई है। इसे बनाने के लिए आपको काजू, चीनी और इलायची पाउडर की जरूरत पड़ेगी। दीवाली के मौके पर इस मिठाई को खूब पसंद किया जाता है।

मूंग दाल हलवा- मूंग दाल हलवा एक स्वादिष्ट और पौष्टिक मिठाई है। इसे बनाने के लिए आपको मूंग दाल, घी, चीनी और मेवे की जरूरत होगी। इसे आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

आपका मावा असली है या नकली? घर बैठे इन 5 ट्रिक्स से मिनटों में करें पहचान.

आदिवासियों की देसी बीजों की खेती

प्रेरक संस्था ने यहां देसी बीजों के संरक्षण व संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए हैं। संस्था के भिलाई स्थित वसुंधरा केन्द्र में 350 देसी धान की किस्मों का संग्रह है। जिसमें 27 किस्में लाल चावल की, 6 किस्में काले चावल की, 1 किस्म हरे चावल की है। इसके अलावा, इन किस्मों में कम पानी में पकने वाली, ज्यादा पानी में पकनेवाली, लंबी अवधि की माई धान, कम अवधि की हरूना धान इत्यादि शामिल हैं।खेती-किसानी के संकट की काफी चर्चा होती है, पर इसके विकल्प के तौर पर जो कुछ छोटे व सार्थक प्रयास हो रहे हैं, उनकी चर्चा कम होती है। रचनात्मक खेती के देश भर में कई छोटे-छोटे प्रयास हो रहे हैं, उन पर भी हमें दृष्टि डालने की जरूरत है। इसी तरह का एक प्रयोग छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में हो रहा है। इस प्रयोग को देखने-समझने में कई बार गया हूं, वहां के प्रयोग के बारे में विस्तार से चर्चा करना उचित रहेगा, जिससे खेती को समग्रता में समझा जा सके।राजिम स्थित प्रेरक संस्था ने देसी बीजों की जैविक खेती का काम छत्तीसगढ़ के 7-8 जिलों में किया है। जिसमें धमतरी, महासमुंद, कोंडागांव, बस्तर, कबीरधाम, राजनांदगांव, जांजगीर-चापा, बिलासपुर और कोरबा शामिल है। इनमें से मैंने अधिकांश जिलों में दौरा कर किसानों से बात की है, उनकी खेती देखी है, उनके बीज बैंक देखे हैं।

गरियाबंद इलाके में मैंने कुछ समय पहले दौरा किया था। यहां मुझे प्रेरक संस्था के रामगुलाम सिन्हा ले गए थे। भिलाई गांव में हमने उनके वसुंधरा केन्द्र को देखा, जहां देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन किया जाता है। उनके गुणधर्मों को पहचाना जाता है। किसान कार्यकर्ता कोमलराम साहू ने मुझे कई गांवों में घुमाया। यहां मुख्य रूप से साल व सागौन का जंगल है। पैरी नदी पर सीकासेर बांध है।

यहां घना जंगल और पहाड़ हैं। पैरी नदी और सोढूर नदी यहां की पहचान है। जिले के राजिम में महानदी, पैरी और सोढूर नदी पर पवित्र संगम है, जो एक तीर्थस्थल भी है। यहां प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण आते हैं।संस्था के कार्यकर्ता कोमलराम साहू बताते हैं कि कुछ वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ के मैदानी क्षेत्र में जब संकर (हाईब्रीड) बीजों की धान फसल में बड़े पैमाने पर रोग लगा था, फसल बर्बाद हो गई थी। इसलिए कई किसान उनसे देसी धान की जैविक खेती के बारे में जानने के लिए पास आए। वे उनके गरियाबंद स्थित संस्था के वसुंधरा फार्म में जैव कीटनाशक तैयार करते हैं। जैव कीटनाशक बनाने के लिए ऐसे पौधों की पत्तियां चुनते हैं, जिन्हें मवेशी नहीं खाते। जैसे सीताफल, बेसरम, नीम, करंज फुडहर इत्यादि। इन पौधों के पत्तों से जैव कीटनाशक बनता है। इन कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण वे अन्य किसानों को भी देते हैं। प्रेरक संस्था ने इस विकासखंड के ग्राम हरदी में बीज बैंक भी बनाया है, जहां से किसान देसी बीज ले जाते हैं।

प्रेरक संस्था ने यहां देसी बीजों के संरक्षण व संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए हैं। संस्था के भिलाई स्थित वसुंधरा केन्द्र में 350 देसी धान की किस्मों का संग्रह है। जिसमें 27 किस्में लाल चावल की, 6 किस्में काले चावल की, 1 किस्म हरे चावल की है। इसके अलावा, इन किस्मों में कम पानी में पकने वाली, ज्यादा पानी में पकनेवाली, लंबी अवधि की माई धान, कम अवधि की हरूना धान इत्यादि शामिल हैं। इन किस्मों में जवाफूल, विष्णुभोग, बादशाह भोग, सोनामासुरी, पोरासटका, साठिया, लायचा, डाबर, दूबराज, मासुरी इत्यादि है। इनमें कई किस्मों में औषधि गुण भी हैं। सुगंधित किस्में भी हैं।

यहां बताना उचित होगा कि विश्वप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक आर.एच. रिछारिया ने अविभाजित मध्यप्रदेश (जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था) से धान की 17 हजार देसी किसानों को एकत्र किया था जिसमें अधिक उत्पादकता देने वाली, सुगंधित व अन्य तरह से स्वादिष्ट किस्में शामिल थीं। डा. रिछारिया चावल की किस्मों के विशेषज्ञ थे। वे मानते थे देसी किस्मों को ही देश में धान की खेती की प्रगति का आधार बनाना चाहिए। उन्होंने पता लगाया था कि धान की किस्मों की विविधता का बहुत अमूल्य भंडार है। धान की विविधता जरूरी है क्योंकि विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल किस्मों को चुनकर उगाया जा सके। उनकी यह सोच आज जलवायु बदलाव के दौर में बहुत ही उपयोगी है। इससे बदलते मौसम के अनुकूल मिट्टी-पानी के हिसाब से खेती में देसी किस्मों का चुनाव कर खेती की जा सकती है। किसान मौसम के अनुकूल खेती पद्धति में भी बदलाव कर सकते हैं।प्रेरक की एक कार्यकर्ता हैं ताराबाई। वे कनसिंगी गांव की रहनेवाली हैं, जो गरियाबंद से करीब 50 किलोमीटर दूर जंगल के अंदर बसा है। वे देसी बीजों की खेती को बढ़ावा देने का काम 15 गांवों में करती हैं। ताराबाई ने महिला किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। वे कहती हैं उनकी पहल से कई महिला किसान बीज उत्पादक हैं और वे जैव कीटनाशक भी तैयार करती हैं। तनाछेदक, बंकी, ब्लास्ट कीट को मारने में यह दवा काम आती है।

ताराबाई बताती हैं कि देसी बीज मिट्टी पानी और हवा के लिए अनुकूल होता है। उसमें प्रतिकूल मौसम को सहने की क्षमता होती है। अगर हवा आंधी से देसी धान का पौधा नीचे गिर भी जाता है तो वह बाली को ऊपर कर अपने को बचा लेता है। यानी सड़ता नहीं है, जबकि संकर (हाईब्रीड) धान में यह गुण नहीं होता है। देसी धान स्वादिष्ट, मुलायम और पाचक होता है।प्रेरक संस्था के प्रमुख रामगुलाम सिन्हा बताते हैं कि हमारा उद्देश्य आदिवासियों के जीवन को बेहतर करना है। इस तरह के प्रयास छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों में किए जा रहे हैं। इनमें से एक गरियाबंद जिला भी है। यहां कमार आदिवासी हैं, जिन्होंने बैगा आदिवासियों की तरह ही कभी स्थायी खेती नहीं की है, लेकिन बदलते समय में आजीविका के लिए यह जरूरी हो गया है। इसके लिए मिश्रित खेती और बाड़ी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। क्योंकि जंगलों से मिलने वाले खाद्य कंद-मूल, मशरूम और हरी पत्तीदार सब्जियों में कमी आ रही है।

वे आगे बताते हैं कि गरियाबंद इलाके में वर्ष 2014 से तरकारियों (सब्जियों) की खेती की जा रही है। कमार और गोंड के कई परिवार यह काम कर रहे हैं। यह सब देसी बीजों से और पूरी तरह जैविक पद्धति से हो रहा है। इसमें हरी पत्तीदार सब्जियां, फल्लीदार सब्जियां, कंद, मसाले और औषधियुक्त पौधे शामिल हैं।वे बताते हैं कि इस खरीफ मौसम में हम कोदो, कुटकी, मक्का, कोसरा बाजरा जैसी पौष्टिक अनाजों पर ज्यादा जोर देंगे जिससे किसानों की खाद्य सुरक्षा हो, देसी बीजों का संरक्षण हो, जैव विविधता और पर्यावरण का संरक्षण हो। धान की जल्दी पकने वाली किस्मों का बीज किसानों को बीज बैंक से उपलब्ध कराया जाएगा। किसानों को बाजार से बीज खरीदने की जरूरत नहीं है, बाजार में यह बीज उपलब्ध भी नहीं हैं।कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि देसी बीजों की जैविक व प्राकृतिक खेती में काफी संभावनाएं हैं। यह मायनों में उपयोगी है। इससे देसी बीजों का संरक्षण तो होता ही है, मिट्टी-पानी का संरक्षण भी होता है। साथ ही, जैव विविधता और पर्यावरण का संरक्षण भी होता है। आज जब छत्तीसगढ़ में धान की खेती की दो फसलें हो रही हैं, रासायनिक खाद व कीटनाशकों का बेजा इस्तेमाल हो रहा है, तब मिट्टी-पानी के संरक्षण की खेती की उपयोगिता और बढ़ जाती है। देसी बीजों के साथ इससे पारंपरिक ज्ञान का भी संरक्षण होता है। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ने को तैयार हैं।

संपादकीय

ट्रूडो के मंसूबे

दशकों से कनाडा आप्रवासियों का दिल खोलकर स्वागत करता रहा है। कनाडा का आप्रवासन मंत्र रहा है कि जितने अधिक प्रवासी लोग आएंगे, उतना उसके लिए बेहतर रहेगा। कभी नवागंतुकों का खुली बांहों से स्वागत करने वाले कनाडा की सोच रही है कि दूसरे देशों से आने वाले प्रवासी खुद को स्थापित करने के लिये अधिक मेहनत करते हैं और नये देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां तक कि कनाडा ने उन कट्टरपंथियों और चरमपंथियों का भी स्वागत किया, जो अपने मूल देशों में कानून की रेखाओं का अतिक्रमण करते रहे हैं। कनाडा सरकार खुद अपनी पीठ थपथपाती रही है कि वह अपने समकक्ष पश्चिमी देशों की तुलना में आप्रवासियों के लिये बेहतर स्थिति बनाने में अव्वल रही है। लेकिन समय के साथ-साथ स्थितियां विसंगतियों की शिकार हुई हैं। आप्रवासियों के लिये सदैव द्वार खुले रखने की कनाडा की नीतियों के चलते, वहां के मूल नागरिक मानते हैं कि इस उदार नीति का आवास, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जिसके चलते ट्रूडो सरकार पर न केवल विपक्ष बल्कि अपनी पार्टी का भी दबाव बढ़ रहा है। आज उनकी पार्टी में ट्रूडो का इस्तीफा मांगने वालों की संख्या भी कम नहीं है। इस दबाव का ही प्रभाव है कि ट्रूडो सरकार स्वीकार कर रही है कि उनकी सरकार श्रम जरूरतों को संबोधित करने और जनसंख्या वृद्धि को बनाए रखने के बीच सही संतुलन बनाने में विफल ही रही है। सरकार मानने लगी है कि आप्रवासन टिकाऊ होना चाहिए। दरअसल, कनाडा में लिबरल सरकार की लोकप्रियता में लगातार कमी आई है। जिसकी चिंता में कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो आम चुनावों से एक साल पहले ही हाथ-पैर मार रहे हैं। ट्रूडो की सोच है कि कुछ सख्त कदम उठाकर वे अपने मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये अपने पुराने मित्र व बड़े लोकतांत्रिक देश भारत से संबंध खराब करने से भी गुरेज नहीं किया।

दरअसल, जस्टिन ट्रूडो के मुगालते कम नहीं हुए हैं। अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये उन्होंने भारत का मुखर विरोध करने वाले जिन सांसदों का समर्थन लिया, उनके एजेंडे को पूरा करने में ट्रूडो सारी सीमाएं लांघ रहे हैं। राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते ट्रूडो मानकर चल रहे हैं कि वे अपने चौथे कार्यकाल के लिये चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। लेकिन पार्टी में चल रहे विरोध के चलते आशंका है कि उनका हश्र भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जैसा न हो, जिनको डेमोक्रेट्स के भारी दबाव के बाद राष्ट्रपति पद की फिर से दावेदारी छोड़नी पड़ी। लेकिन ट्रूडो की राजनीतिक महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल रही कि वे अपरिपक्वता के चलते अपने पुराने सहयोगी नई दिल्ली के साथ संबंध बिगाड़ने से भी नहीं चूके। इसी कड़ी में वे कोशिश कर रहे हैं कि भारत से आने वाले प्रवासियों की संख्या को कम कर सकें। इसमें दो राय नहीं है कि कनाडा में स्थायी निवास की अनुमति की प्रक्रिया में जो बदलाव की मंशा ट्रूडो सरकार जता रही है, उसका सबसे ज्यादा असर भारतीय प्रवासियों पर पड़ेगा। हालांकि, उम्मीद के अनुरूप कुछ देशों से ही उन्हें नई नीति को लेकर समर्थन मिला है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अब जस्टिन ट्रूडो कनाडा की सीमाओं को बंद करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप अमेरिका में सीमाओं को लेकर सख्त कदम उठाने की बात करते रहे हैं। यहां तक कि अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर दीवार बनाना उनका मुख्य एजेंडा रहा है। लेकिन कनाडा के मामले में उसकी सबसे बड़ी मजबूरी यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था आप्रवासियों पर पूरी तरह निर्भर है। इन आप्रवासियों ने कनाडा की आर्थिकी को मजबूत बनाने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। यह निर्भरता तब और बढ़ जाती है जब कनाडा की आबादी चिंताजनक रूप से बूढ़ी हो रही है। ट्रूडो सरकार की नई नीतियों के चलते उसे श्रमिकों की कमी से निपटना बड़ी चुनौती होगी। दरअसल, ट्रूडो सरकार जिसने साल 1914 की कोमागाटा मारू की घटना के लिये साल 2016 में माफी मांगकर प्रवासी भारतीयों को लुभाया था, अब उसने उस नीति से यू टर्न ले लिया है।

संविधान बचाने की लड़ाई क्या जीत पाएंगे राहुल

डॉ आंबेडकर के बाद भारत की राजनीति में संघियों की मंशा को मान्यवर कांशीराम ने बखूबी समझा था। उन्होंने राजनीति की एक नई भाषा विकसित की। कांशीराम जी द्वारा स्थापित बसपा की राजनीतिक सफलता की कहानी तो कही जाती है लेकिन उन्होंने जो भाषा और संगठन की शैली विकसित की, उसका विस्तार से विश्लेषण और मूल्यांकन होना अभी बाकी है।साल 2024 राजनीतिक दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण है। इस साल 18वीं लोकसभा का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव नतीजों ने एक बात पर मजबूती से मुहर लगाई है कि संविधान बदलने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोकसभा चुनाव से लेकर हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और झारखंड, महाराष्ट्र में भी विपक्षी इंडिया गठबंधन और खासकर राहुल गांधी लगातार संविधान के मुद्दे पर मुखर हैं। राहुल गांधी संविधान पर अब एक नया विमर्श खड़ा कर रहे हैं। राहुल गांधी द्वारा संविधान सम्मान सम्मेलन की पिछली दो सभाओं के भाषणों पर गौर करें तो एक बात स्पष्ट नजर आती है कि संविधान में निहित ऐतिहासिक विरासत, पूर्व धारणाओं तथा मूल्यों पर वह जोर दे रहे हैं। कोल्हापुर,महाराष्ट्र (5 अक्टूबर) की सभा में उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर संविधान की रक्षा की बात कहते हुए उसमें निहित मूल्यों और परिवर्तनवादी अतीत का जिक्र किया। ब्राह्मणवादी शक्तियों द्वारा किये गए छत्रपति शिवाजी महाराज के अपमान की याद दिलाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जिस विचार ने उनका राज्याभिषेक नहीं होने दिया, उसी विचार के लोग आज सत्ता में हैं। सत्ताधारियों ने नई संसद और राम मंदिर के उद्घाटन में आदिवासी राष्ट्रपति को नहीं बुलाकर उनका अपमान किया।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में शाहूजी महाराज, ज्योतिबा फुले और डॉ. अंबेडकर को भी याद किया। समता, स्वतंत्रता और न्याय के संघर्ष में मराठी संत तुकाराम, बसवन्ना, गुरु नानक और सामाजिक क्रांतिधर्मी ज्योतिबा फुले और डॉ. अंबेडकर का चिंतन भारत के संविधान में निहित है। यही बात राहुल गांधी ने झारखंड की राजधानी रांची के संविधान सम्मान सम्मेलन (19 अक्टूबर) में दोहराई। पूछा जा सकता है कि राहुल गांधी बार-बार इन बातों को क्यों दोहरा रहे हैं?

13 दिसम्बर 1946 को देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव से शुरू हुआ संविधान निर्माण 25 नवंबर 1949 को पूरा हुआ। अगले दिन 26 नवम्बर को संविधान भारत के लोगों को आत्मार्पित (पारित) किया गया। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वराज की आधिकारिक घोषणा को लागू करते हुए पहला स्वाधीनता दिवस मनाया गया था। इस तारीख को यादगार बनाने के लिए संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। लेकिन राहुल गांधी संविधान निर्माण की तीन साल की काल अवधि को भारत की विशाल परंपरा से जोड़ रहे हैं। रांची में उन्होंने भगवान बुद्ध को याद करते हुए उनके मूल्यों को संविधान से संबद्ध किया। आखिर क्या कारण है कि राहुल गांधी संविधान की यात्रा को तथागत बुद्ध तक लेकर जा रहे हैं? आमतौर पर संविधान को 1857 से लेकर 1947 के बीच 90 साल तक चले स्वाधीनता आंदोलन और विचार-चिंतन का परिणाम माना जाता है।कांग्रेस के विभिन्न अधिवेशनों में पारित प्रस्ताव और अंग्रेजी सरकार द्वारा लागू गए नियम तथा अनेक देशों के महत्वपूर्ण प्रावधानों को संविधान में शामिल किया गया। गौरतलब है कि संविधान पारित होने के तीन दिन बाद ही (30 नवम्बर, 1949) आरएसएस ने संविधान पर हमला बोलते हुए अपने मुखपत्र %आर्गेनाइजर' में लिखा था कि %भारतीय संविधान औपनिवेशिक दासता का प्रतीक है। इस पर विदेशी प्रभाव है।' आरएसएस के अनुसार संविधान में %कुछ भी भारतीय नहीं है क्योंकि इसमें मनु की संहिताएं नहीं हैं।' आरएसएस को मनुस्मृति के आधार पर संविधान चाहिए था। इसलिए संघ ने बाबासाहब अम्बेडकर द्वारा लिखे गए संविधान को मानने से इनकार कर दिया। लंबे समय तक संघ संविधान का खुलकर विरोध करता रहा। लेकिन 1990 के दशक में उसने चुप्पी ओढ़ ली। फिर इसी संविधान के बल पर उसकी राजनीतिक शाखा भाजपा केंद्र की सत्ता में दाखिल हुई। दस साल से केंद्र में स्थापित होने के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव के समय अधिकतर संघी पृष्ठभूमि वाले भाजपा के दर्जनों नेताओं ने संविधान बदलने के लिए 400 सीटें जीतने का ऐलान किया। हालांकि चुनाव में भाजपा के मनसूबे पूरे नहीं हुए। लेकिन यह खतरा अभी टला नहीं है। आरएसएस का अंतिम लक्ष्य डॉ.अंबेडकर के संविधान को हटाकर मनुवादी संविधान लागू करके भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है।

धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे आधुनिक विचारों को संघ ही नहीं भाजपा के नेता भी विदेशी मानते हैं। भारतीयता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नारा देने वाला संघ संविधान को गैर-भारतीय घोषित करना चाहता है। राहुल गांधी अपने भाषणों के जरिए लगातार एक विचार को मजबूत कर रहे हैं कि संविधान में निहित मूल्य भारतीय हैं। हमारा संविधान स्वतंत्रता, समानता और सम्मान की एक पूरी धारा का प्रतिनिधित्व करता है।

गौरतलब है कि डॉ अंबेडकर ने अपनी चर्चित किताब %क्रांति प्रति-क्रांति' में बुद्ध की परंपरा को क्रांतिधर्मी परंपरा कहा है। उनका मानना है कि वैदिक और हिंदुत्व की वर्णवादी व्यवस्था ने शूद्रों और अछूतों को समाज से बहिष्कृत किया। हिंदुत्व के विचार और व्यवस्था में सदियों तक शूद्रों और दलितों का दमन और शोषण किया जाता रहा। स्वयं डॉ अंबेडकर ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के तौर पर क्रांतिधर्मी और परिवर्तनवादी आधुनिक मूल्यों को संविधान में समाहित किया। राहुल गांधी ने रांची में बहुत मुखरता से संविधान के सामने संघ की मंशा मनुस्मृति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष सिर्फ तात्कालिक नहीं है बल्कि सदियों पुरानी लड़ाई है। मनुस्मृति के जरिए जो अमानवीयता और अन्याय की व्यवस्था खड़ी की गई थी, आज सत्ताधारी उसी व्यवस्था को देश के पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर लादने की कोशिश कर रहे हैं। इस मानसिकता के नए शिकार अल्पसंख्यक हैं। मुसलमानों और ईसाइयों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना इसी व्यवस्था का हिस्सा है। राहुल गांधी ने इस बात को समझ लिया है कि केवल चुनावी राजनीति के जरिए इस लड़ाई को नहीं जीता जा सकता है। नरेंद्र मोदी के दस साल के शासन में खुलकर मनुस्मृति का महिमामंडन किया गया। कतिपय नेताओं और राजनीतिक महत्वाकांक्षी बाबाओं ने मनुस्मृति को लागू करने की मांग की।डॉ आंबेडकर के बाद भारत की राजनीति में संघियों की मंशा को मान्यवर कांशीराम ने बखूबी समझा था। उन्होंने राजनीति की एक नई भाषा विकसित की। कांशीराम जी द्वारा स्थापित बसपा की राजनीतिक सफलता की कहानी तो कही जाती है लेकिन उन्होंने जो भाषा और संगठन की शैली विकसित की, उसका विस्तार से विश्लेषण और मूल्यांकन होना अभी बाकी है। बाबासाहेब ने जातिगत शोषणकारी व्यवस्था को ब्राह्मणवाद कहा था। मान्यवर कांशीराम ने इसे मनुवाद की संज्ञा दी । अंबेडकर ने ब्राह्मणवादी व्यवस्था के लिए अंतत- तमाम हिंदू धर्मशास्त्रों को उत्तरदायी ठहराया। लेकिन सर्वाधिक खतरनाक मनुस्मृति की 25 दिसंबर 1927 को होली जलाई। मान्यवर कांशीराम ने मनुस्मृति पर आधारित ब्राह्मणवाद को मनुवाद कहा। उनका पूरा आंदोलन और संघर्ष इस मनुवादी व्यवस्था को मिटाने के लिए था। लेकिन उनके दिवंगत होने के बाद इस राजनीतिक आंदोलन को ब्रेक लग गया। इसके बाद प्रतिक्रियावादी और मनुवादी आरएसएस भाजपा के जरिए सत्ता के केंद्र तक पहुंच गया। आज मनुवादी व्यवस्था को पुनर्स्थापित करने के लिए संघ बेचैन है। चुनावी लोकतंत्र में सीधे तौर पर संघ इस व्यवस्था को थोपने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। इसलिए उसका मकसद पहले संविधान को हटाकर लोकतंत्र को बेमानी बना देना और उसके बाद हिन्दू राष्ट्र की स्थापना करना है।

हिन्दू राष्ट्र के मायने क्या है? स्त्रियों, दलितों और वंचितों को ब्राह्मणवादी व्यवस्था में विवेकहीन और असहाय गुलाम बनाना। इसलिए आज की सबसे बड़ी लड़ाई संविधान को बचाने की लड़ाई बन गई है। संविधान के प्रति सम्मान ही नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा करना असली दायित्व है। महत्वपूर्ण यह है कि राहुल गांधी ने इस खतरे को भांपकर अपनी पूरी राजनीति को संविधान पर केंद्रित कर दिया है। राहुल गांधी ने डॉ अम्बेडकर से लेकर भगवान बुद्ध की विरासत का जिक्र करके यह बता दिया है कि उनकी नजर में भारतीयता और भारतीय परंपरा क्या है। यह पूरी विरासत भारत के संविधान में निहित है। मनुस्मृति पर आधारित ब्राह्मणवादी वर्णव्यवस्था भारत की विरासत नहीं हो सकती। इसीलिए राहुल गांधी ने रांची में कहा कि संविधान को खतरा मनुस्मृति से है। राहुल गांधी आरएसएस की सोच पर सीधा हमला कर रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी इस वैचारिक लड़ाई को जीत पाएंगे?

सर्दियों का स्वागत करता उत्तराखंड

सर्दी के मौसम में आमतौर पर लोग जबर्दस्त ठंड से बचने के उपाय करते रहते हैं लेकिन इससे उलट इस मौसम का मजा भी उठाया जा सकता है। हमारे देश में ऐसे कई इलाके हैं जहाँ सर्दियों में सैलानी बर्फ का मजा उठाने के लिए जाना पसंद करते हैं।

बर्फ का मजा उठाने के लिए पहला नाम जो हमारे जेहन में आता है वह जम्मू-कश्मीर का है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सुदूर उत्तर-पूर्व का तवांग भी सर्दियों में बर्फ का मजा लेने का अच्छा ठिकाना है। बर्फ में मौज-मस्ती का मजा ही अलग है। इससे ऊर्जा भी भरपूर मिलती है और रिश्तों में गर्माहट भी आती है।

जाड़ों में मध्य हिमालय (1200 मीटर-4000 मीटर) स्थित उत्तराखंड के कई हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत हो जाते हैं। बर्फबारी में नहाया पहाड़ तो पर्यटकों को अपनी ओर चुंबक की तरह खींचता है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से लेकर फरवरी के मध्य तक उत्तराखंड के कई पर्यटक स्थलों पर बर्फ गिरती है।

अंग्रेजों के बसाए शहर नैनीताल और मसूरी तो के नजदीक होने तथा रेल स्टेशनों के बिलकुल पास होने के कारण पर्यटकों की पहली पसंद हैं। इन दोनों ही शहरों तक दिल्ली से सड़क से 7 से 10 घंटे में पहुँचा जा सकता है। मसूरी तथा नैनीताल में बर्फबारी की खबर लगते ही दिल्ली, गुड़गाँव, गाजियाबाद तथा उत्तर भारत के शहरों के पर्यटक इन पर्वतीय पर्यटक स्थलों की ओर भाग पड़ते हैं। नैनीताल में बर्फ के साथ खेलने के लिए पर्यटकों की पसंदीदा जगह तो ऐतिहासिक माल रोड ही है पर यदि माल रोड में पड़ी बर्फ पर्यटकों को कम लगे तो वे नैनीताल शहर के ऊपर स्नो व्यू, टिफिन टॉप से लेकर किलबरी मार्ग पर दूर हिमालय दर्शन तक जा सकते हैं। हिमालय दर्शन से हिमालय की चोटियों का विहंगम दृश्य दिखता है। क्रिसमस के आस-पास यदि बर्फबारी हो जाए तो पर्यटक नैनीताल में त्योहार और छुट्टियों का दोगुना आनंद लेते हैं।

राजधानी देहरादून के पास मसूरी में भी साल में 3-4 बार बर्फबारी हो जाती है। बर्फबारी के होते ही पर्यटकों का हुजूम मसूरी आ जाता है। इस भीड़ से मसूरी के नीचे किंगरेरेग तक के रास्ते जाम हो जाते हैं। मसूरी तथा नैनीताल और उसके आस-पास सभी बजट श्रेणी में पर्याप्त होटल उपलब्ध हैं। बर्फबारी का मजा लेने के लिए पर्यटक मसूरी के लाल टिब्बा, किनोग हिल, जॉर्ज एवरेस्ट, गन हिल तथा क्लाउड ऐंड स्थानों पर जाते हैं।

मसूरी से 32 किमी दूर स्थित नव पर्यटक स्थल धनौल्टी तक बर्फबारी के बीच सड़क के दोनों ओर बर्फ जम जाती है। इस मार्ग पर तब गाड़ी चलाने का आनंद दोगुना हो जाता है। चमोली जिले के जोशीमठ से 15 किमी दूर औली तो अब विश्व प्रसिद्ध स्कीइंग केंद्र तथा शीतकालीन रिजॉर्ट का रूप ले चुका है।

पर्यटकों को बेशक एक या दो दिन स्की करने के लिए तथा हर सुविधा के लिए अलग भुगतान करना पड़ता है। रोप वे द्वारा औली पहुँच कर पर्यटक नई दुविधा में होता है।

सामने नंदा देवी सहित कई हिमाच्छादित चौटियों का दृश्य दिखता है। औली में 1,300 मीटर लंबा स्कीइंग ट्रैक उपलब्ध है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 800 मीटर लंबी चियर लिफ्ट के अलावा स्कीयरों को ऊपर पहुँचाने के लिए दो स्की लिफ्ट उपलब्ध है।

कुल मिलाकर औली में कम दामों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्की रिजॉर्ट का मजा लिया जा सकता है इसलिए विदेशी पर्यटक भी अपने देशों में महँगे स्की रिजॉर्टों में जाने के बजाय औली आकर स्कीइंग करके पैसा बचाते हैं। उत्तराखंड के पर्यटन सचिव उत्पल कुमार सिंह बताते है कि शीतकालीन सैफ खेलों के आयोजन की तैयारियों के पूरा होने के साथ औली शीतकालीन खेलों के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित हो जाएगा।

औली के अलावा उत्तराखंड में उत्तराकाशी जिले का दयारा बुग्याल, देहरादून में चकराता के पास मुंडाली, रूद्रप्रयाग जिले का चोफता तथा पिथौरगढ़ मुंस्यारी के पास खलिया टॉप स्कीइंग के शौकीनों के लिए पसंदीदा पर्यटक स्थल है। अंग्रेजों के समय के स्थापित पर्यटक स्थलों के अलावा उत्तराखंड में बर्फबारी का आनंद लेने

हिमालय की गोद में बसा नगिनी

प्रकृति की अनमोल, अद्भुत छटाओं को समेटे नगिनी ऐसा गांव है, जहां कई दुर्लभ जड़ी-बूटियां उगती हैं। यहां से ट्रैकिंग करते हुए हिमालय राष्ट्रीय उद्यान की ओर जाएंगे तो रास्ते में दुर्लभ पेड़-पौधों के झुण्डों को अठखेलियां करते देख कर आप इन्हें भी नजरअंदाज नहीं कर पाएंगे।

हिमालय की खूबसूरत जगहों में से एक है कुल्लू और कुल्लू जिले की तीर्थन नदी के तट पर बसा है नगिनी। दिल्ली से 550 किलोमीटर दूर नगिनी जाने के लिए नेशनल हाईवे-21 पर चंडीगढ़ की ओर चले।

कुल्लू से एक घंटे पहले मनाली हाईवे पर पंडोह सुरंग के खत्म होते ही औंट से मुड़ें। यहां से गुशैनी की ओर चलते हुए बजर बाईपास की ओर लार्जी नदी के किनारे पर चलते हुए 26 किलोमीटर आगे जाकर पहुंचते हैं नगिनी गांव। तीर्थन नदी से चलते हुए पक्की सड़कों के किनारों पर प्रकृति ने यहां अपना आंचल बिछाया है। प्रकृति की अनमोल, अद्भुत छटाओं को समेटे नगिनी ऐसा गांव है, जहां कई दुर्लभ जड़ी-बूटियां उगती हैं। यहां से ट्रैकिंग करते हुए हिमालय राष्ट्रीय उद्यान की ओर भी जा सकते हैं। एवेंचर से भरी यह ट्रैकिंग वैसे से खास है, पर यदि किसी कारणवश ट्रैकिंग करने का मन न हो तो यहां से 40 किलोमीटर दूर 10,600 फुट ऊपर की ओर बढ़ कर जालोरी पास की सेलुवाल्यर झील तक पहुंच कर आनंद लिया जा सकता है। ये दोनों ही रास्ते तय करते हुए आप यहां अपने आप को मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों को कैमरे में कैद करने से रोक नहीं पाएंगे। ये मनोरम दृश्य निश्चित ही अपार संतुष्टि और शांति का एहसास कराते हैं। रास्ते में दुर्लभ पेड़-पौधों के झुण्डों को अठखेलियां करते देख कर आप इन्हें भी नजरअंदाज नहीं कर पाएंगे। यहां से ऊपर की ओर चलते हुए गुसैनी के उपवन में राजू का कॉटिज मिलता है। इस कॉटिज तक आना भी एक खास अनुभव है, क्योंकि यहां केवल खटोले के जरिए आ सकते हैं। यहां ठहरने के लिए हिमालयन ट्रॉट कैंप में जगह बुक करा सकते हैं।

बच्चों के लिए यहां अलग से बच्चों का प्ले हाउस है, जहां वे जी भर कर खेलें और आप बिना किसी झंझट सुकून भरे पलों को जी सकें। इसके अलावा फुर्सत के कीमती पलों को खूबसूरती से बिताते हुए यहां पढ़ने के लिए खास शांत जगह है, जहां आप अपने पसंदीदा कथाकारों को पढ़ सकते हैं। इसके अलावा अपने अवकाश के क्षणों को महसूस करने के लिए आरामगाह भी हैं। लेखन का शौक हो या वातावरण लेखनी के लिए प्रेरित करे तो आप अपनी स्मृतियों में खो सकें, इसके लिए भी शांति भरे कोने का भी इंतजाम है यहां। मछली पकड़ने का शौक रखने वालों के लिए तालाब के साथ रॉड व रील का प्रबंध भी है। खेल और एडवेंचरस चीजों का शौक रखने वालों के लिए क्लब, पहाड़ पर चढ़ाई करने वाली साइकिल, ट्रैकिंग व चढ़ाई का सामान, डार्टबोर्ड यानी तीर पटल, एस्ट्रोनॉमिकल और टेरेस्टीयल दूरबीन का इंतजाम भी है। इसके अलावा पतंगबाजी, कलाकारी और कई इनडोर खेलों की व्यवस्था भी यहां है, जो बारिश के दिनों के लिए बेहतरीन खेल हैं। इस ट्रॉट में हर आय वाले लोगों के लिए खास अलग-अलग इंतजाम हैं। यहां से दुर्लभ और महत्त्वपूर्ण जड़ी-बूटियां खरीद कर अपने साथ ले जा सकते हैं।

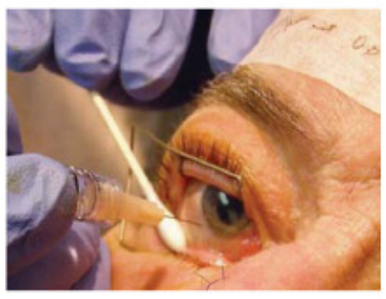

मधुमेह है डायबिटिक रेटिनोपैथी का मुख्य कारण

जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही है। मधुमेह भी ऐसी ही एक बीमारी है, जो लोगों को अपने शिकंजे में ले रही है। हमारे हृदय और लीवर को मधुमेह के कारण कितना नुकसान पहुंचता है, यह तो हम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी आंखों की रोशनी के लिए भी कि मधुमेह उतना ही नुकसानदायक है। मधुमेह होने कि वजह से आंखों का एक गंभीर रोग पैदा हो सकता है, जिसे चिकत्सकों की भाषा में डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी होने से अगर आंखों की दृष्टि चली गई तो उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

ऐसे होती है डायबिटिक रेटिनोपैथी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन के अनुसार डायबिटिक रेटिनोपैथी एक हल्की बीमारी के रूप में शुरू होती है। बीमारी के शुरुआती चरण के दौरान रेटिना में छोटी रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और यह छोटे बुल्गेस को विकसित करती है जिसे माइक्रोएनिअरीसम्स कहते है। इस बीमारी में रक्त में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आंखों सहित पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। रक्त में मधुमेह अधिक बढ़ने से रेटिना में रक्त वाहिकाओं को नुकसान होता है, जिसके कारण डायबिटिक रेटिनोपैथी हो सकती है। इस बीमारी से रेटिना के ऊतकों में सूजन हो सकती है, जिससे दृष्टि धुंधली होती है। जिस व्यक्ति को लंबे समय से मधुमेह होता है, उसे डायबिटिक रेटिनोपैथी होने की संभावना उतनी ही अधिक हो जाती है। इतन ही नहीं डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज नहीं कराने पर यह अंधेपन का कारण भी बन सकती है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षण

- आंखों का बार-बार संक्रमित होना।
- चश्मे के नंबर बार-बार बदलना।
- सुबह उठने के बाद कम दिखाई देना।
- सिर में हमेशा दर्द रहना।
- आंखों की रोशनी अचानक कम हो जाना।
- रंग को पहचानने में कठिनाई।

डायबिटिक रेटिनोपैथी का उपचार

डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों का इलाज कैसे किया जा सकता है, इस पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन कहते हैं कि समस्या से निजात पाने के लिए लेजर उपचार का प्रयोग किया जाता है, इस उपचार विधि के दौरान रेटिना के पीछे की नई रक्त वाहिकाओं के विकास के इलाज के लिए और आंखों में रक्त और द्रव के रिसाव को रोकने के लिए किया जाता है। इलाज प्रक्रिया के दौरान आंखों को सुन्न करने और पुतलियों को बड़ा करने के लिए विशेष रूप की आई ड्रॉप डाली जाती है, इसके बाद आंखों का लेजर किरणों से इलाज किया जाता है। इलाज के दौरान लगभग 30.40 मिनट लगते हैं। इसमें आम तौर पर दृष्टि का धुंधला होना और प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का बढ़ जाना जैसे कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। **इंजेक्शन से उपचार:** डायबिटिक रेटिनोपैथी से निजात पाने के दूसरे तरीके में आंखों में इंफ्लामेशन को कम करने या आंखों के पीछे नयी रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकने के लिए आंखों में ल्यूसेंटिस, अवास्टिन जैसे इंजेक्शन लगाए जाते है। इंजेक्शन आम तौर पर एक महीने में एक बार लगाया जाता है और एक बार जब दृष्टि स्थिर हो जाती है तो इंजेक्शन लगाना बंद कर दिया जाता है। इलाज की इस विधि में जलन या बेचैनी आंखों के अंदर रक्तस्राव आंखों में खुजली, आंखों में कुछ तैरने या आंखों में कुछ होने का अहसास हो सकता हैं। **सर्जरी से उपचार:** लेजर और इंजेक्शन उपचकर की विधि से जब इलाज संभव नहीं होता है तो विट्रेक्टॅमी नामक सर्जरी से इलाज किया जाता है, जो इसके इलाज के लिए एक कारगर तरीका है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी से ऐसे करें बचाव

आंखों पर मधुमेह के अधिक बढ़ने से प्रभाव शुरू हो जाता है, इसलिए इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि मधुमेह का पता लगते ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने से रोकें। इसके लिए डॉक्टर के बताए नुस्खों का पालन करें और दवाएं लेते रहें। इसके अलावा डायबिटीज होने पर आपको साल में एक-दो बार आंखों की जांच करानी चाहिए, जिससे आंखों पर अगर किसी तरह का प्रभाव शुरू हो जाए, तो उसका समय पर इलाज किया जा सके। आपको अगर डायबिटीज बहुत समय से हैं तो आपको हर 3 महीने में आंखों की जांच करानी चाहिए।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप ■ लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार ■ सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर ■ करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाढ़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

आलू कुल्चा

सामग्री

■ मैदा: 2 कप ■ चीनी: 1 चम्मच ■ बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच ■ गाढ़ा दही: 1/4 कप ■ तेल: 2 चम्मच ■ गुनगुना पानी: गूंदने के लिए भरावन के लिए ■ उबले आलू: 2 ■ कटी मिर्च: 1 ■ कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ अदरक: 1 चम्मच ■ अमचूर: 1/4 चम्मच ■ अजवाइन: 1/4 चम्मच ■ नमक: स्वादानुसार ■ काले तिल: 2 चम्मच ■ हरा धनिया चम्मच ■ बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच ■ बटर- 2 चम्मच

विधि

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी साम्रगी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 2629

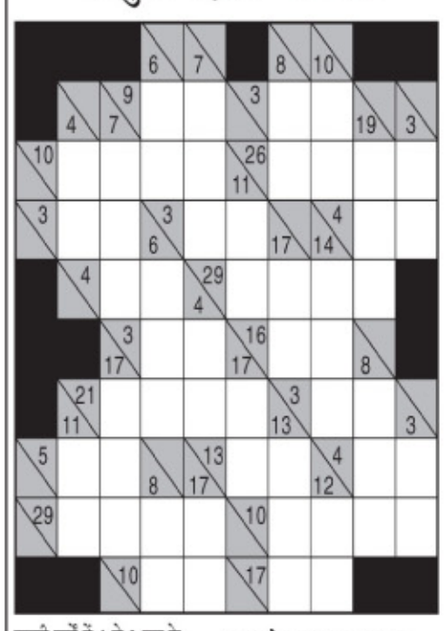

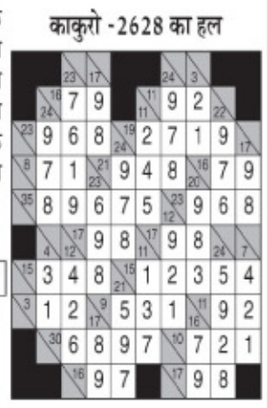

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -2628 का हल

लॉफिंग जौन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

□ □ □

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

□ □ □

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2629

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर कसम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती हैं' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2628

सूडोकु -2629

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2628 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 2629

बाएँ से दाएँ

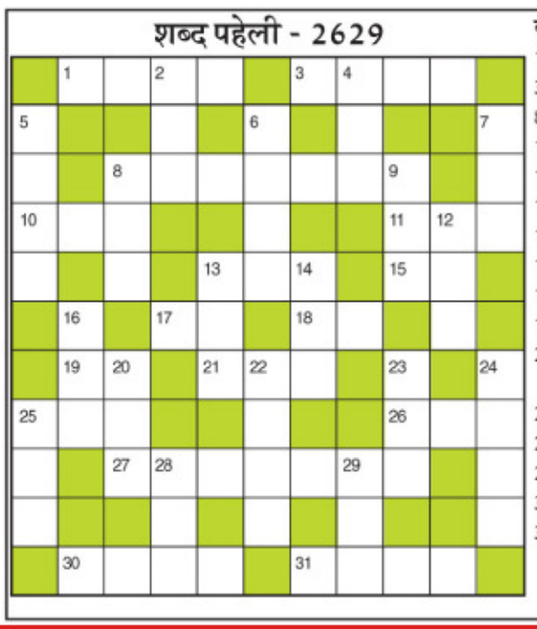

1. नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3. उद्देश्य,ध्येय-4
8. सयाना,चतुर-4,3
10. मनुष्य-3
11. मोल,दाम-3
13. बैठने का स्थान-3
15. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17. पराजित-2
18. वध,कत्ल-2
19. काव्यकार,शायर-2
21. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25. आक्रमण,प्रहार-3
26. पालतू जानवर-3
27. ईश्वर,भगवान-7
30. ईश्वरीय कृपा-4
31. भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2. असुर,दैत्य-3
4. गागर,घड़ा-3
5. मन की करना-4
6. प्रार्थना,ईश वंदना-4
7. चरित्र,ईमान-3
8. कार्यविधि-3
9. रेखा,लाईन-3
12. माला का मोती-3
13. राहत,विश्राम-3
14. कैनाल,उपनदी-3
16. नगद राशि-3
20. रुदन -3
22. पक्षियों का शोर-4
23. मध्यांग, कटि-3
24. 12 राशियों का समूह-4
25. महल,बड़ा भवन-3
28. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29. अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली - 2628का हल

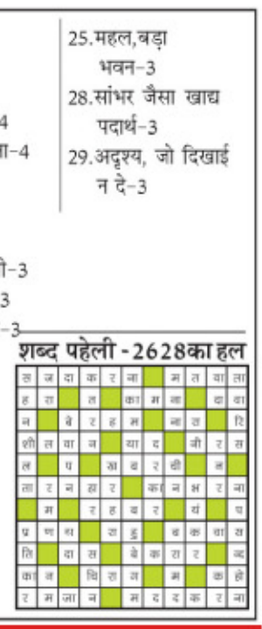

पुंछ में आतंकी ठिकाने से सुरक्षाबलों को मिले ग्रेनेड

एजेंसी

पुंछ। पुंछ जिले के एक गांव में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और उस ठिकाने से सुरक्षाबलों को कुछ ग्रेनेड और माइनी भी बरामद हुए। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि मेंढर के बलनोई सेक्टर में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों को आतंकी ठिकाने का पता चला। ठिकाने से दो हथगोले और तीन माइन जब्त किए गए। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि सेना के जवानों को मेंढर के मनकोट सेक्टर में गश्त के दौरान जंग लगा मोर्टार शेल मिला। बाद में बम निरोधक दस्ते ने शेल को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया।

इरफान अंसारी ने न सिर्फ सीता सोरेन, बल्कि झारखंड की बहन-बेटियों का किया अपमान : शिवराज

एजेंसी

रांची। भाजपा के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जामताड़ा विधायक और मंत्री इरफान अंसारी ने आदिवासी महिला सीता सोरेन को 'रिजेक्टेड माल' बोला है। यह केवल सीता सोरेन का अपमान नहीं, बल्कि झारखंड की बहनों और बेटियों का अपमान है। यह भारत की नारी शक्ति का अपमान है। यदि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शर्म आती है तो इरफान अंसारी को मंत्रिमंडल से बाहर निकाल देना चाहिए। कोडरमा सांसद और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सीता सोरेन पर कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी के बयान का घोर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इरफान अंसारी ने सीता सोरेन के लिए बहुत ही अपमानजनक टिप्पणी की है। महिलाओं के लिए कांग्रेस की क्या सोच है कांग्रेस नेता इरफान अंसारी के बयान से स्पष्ट हो गया है। कांग्रेस महिला और युवा विरोधी पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मन में महिलाओं के लिए ओछी मानसिकता हमेशा से रही है, जिसको कांग्रेस के इरफान अंसारी ने सीता सोरेन पर अभद्र भाषा का प्रयोग कर स्पष्ट कर दिया है। अन्नपूर्णा ने कहा कि यदि सच में कांग्रेस महिलाओं की इतनी ही चिंता करती है तो कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को इरफान अंसारी का टिकट वापस ले लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रियंका गांधी से भी इरफान अंसारी के बयान का जवाब मांगा। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि कांग्रेस नेता इरफान अंसारी के असमर्यादित बयान का महिलाओं से विरोध करना चाहिए। ऐसी ओछी मानसिकता वाले लोगों को और ऐसे मंत्री को हटाना चाहिए लेकिन कांग्रेस ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करती है।

मुंबई एयरपोर्ट पर फर्जी पासपोर्ट के साथ दो बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर फर्जी पासपोर्ट के आधार पर सहार पुलिस स्टेशन की टीम ने अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यह दोनों फर्जी पासपोर्ट के आधार पर यूक्रेन और मॉरीशस की यात्रा करना चाहते थे। इन दोनों की गहन छानबीन जारी है। पुलिस के अनुसार पहला मामला आव्रजन विभाग के एक अधिकारी द्वारा दर्ज किया गया था, जिसने भारतीय पासपोर्ट धारक एक यात्री को यूरोप के मोल्दोवा की यात्रा करते हुए पाया था। अधिकारी ने उसके पासपोर्ट की जांच के दौरान पाया कि उसके पास यूक्रेन का वीजा भी है और उसने दावा किया कि वह बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए मोल्दोवा के रास्ते यूक्रेन जा रहा था। विमानतल पर तैनात आव्रजन अधिकारियों को कुछ गड़बड़ी का संदेह हुआ और उन्होंने यात्री से पूछताछ की, जिससे पता चला कि वह एक बांग्लादेशी नागरिक था और उसका असली नाम निखिल बरुआ का बेटा टीटू बरुआ था। उनका जन्म 1990 में बांग्लादेश के चट्टोग्राम के बीनाजुरी में हुआ था। वह 2016 में ग्वालियर आया और एक एजेंट की मदद से आधार कार्ड और पैन कार्ड प्राप्त किया।

असम राइफल्स ने मणिपुर में पिछले एक साल में 425 अभियानों में बरामद किए सैकड़ों हथियार, कई उग्रवादी ठिकाने नष्ट हुए

एजेंसी

कोलकाता। असम राइफल्स ने मणिपुर में बीते एक साल में 425 से अधिक खुफिया-आधारित अभियान चलाए और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। कोलकाता स्थित भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि असम राइफल्स ने इन अभियानों के दौरान उत्तर-पूर्व भारत में कई उग्रवादी ठिकानों को नष्ट किया है। रिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इन 425 अभियानों में से 220 इम्फाल घाटी में और 206 मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में संचालित किए गए। इन अभियानों में, इम्फाल घाटी से 550 और मणिपुर की पहाड़ियों से 930 हथियार बरामद किए गए हैं। इसके अलावा, असम राइफल्स के जवानों ने मणिपुर की पहाड़ियों में 78 बंकर और इम्फाल घाटी में 51 बंकरों को भी नष्ट किया है विशेष रूप से, इम्फाल घाटी को मैती समुदाय का क्षेत्र माना जाता है, जबकि पहाड़ी इलाकों में कुकी समुदाय का वर्चस्व है। असम राइफल्स ने अपने दो बटालियनों को इम्फाल घाटी से जम्मू-कश्मीर में स्थानांतरित किया है ताकि वे वहां आतंकवाद विरोधी अभियान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का सहयोग कर सकें। भारतीय सेना, असम राइफल्स और सीआरपीएफ केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ मिलकर मणिपुर के संकट को हल करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

आयुष विवि के दीक्षांत समारोह में बोलीं राष्ट्रपति-अच्छे स्वास्थ्य से बढ़ती है उत्पादकता और रचनात्मकता

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय, रायपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने संस्थान के 25 विद्यार्थियों को 33 स्वर्ण पदक एवं 6 विद्यार्थियों को सुपर स्पेशलिस्ट की उपाधि प्रदान की। 25 चिकित्सकों को स्वर्ण पदक से भी अलंकृत किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में विकसित छत्तीसगढ़ का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होगा। समग्र विकास के लिए नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण होता है। अच्छा स्वास्थ्य लोगों की उत्पादकता और रचनात्मकता को बढ़ाने में सहायक होता है। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रदीप कुमार पात्रा, रजिस्ट्रार सहित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं उनके परिजन उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजाति समाज में सिकल सेल एनीमिया की अभी भी समस्या है। भारत सरकार सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मी ही अग्रिम पंक्ति में होते हैं। आप सामान्य लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूक बना सकते हैं, आम नागरिकों को सरकार द्वारा किए जा रहे हैं प्रयासों से अवगत करा सकते हैं। आप नीति निर्माता और सम्माननीय जनता के बीच सेतु का कार्य कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप लोगों के ग्रामीण क्षेत्रों में जाने से देश की बहुत बड़ी जनसंख्या की वास्तविक समस्याओं से अवगत हो पाएंगे। मैं चाहती हूं कि सभी विद्यार्थियों को समय-समय पर गांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की अधिकांश जनता गांव में रहती हैं, उन लोगों तक उचित स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना चुनौती पूर्ण कार्य है। इस संदर्भ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य में चिकित्सा शिक्षण, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान इस विश्वविद्यालय के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। यह प्रसन्नता की बात है कि विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों में आधुनिक चिकित्सा के साथ-साथ आयुष की शिक्षा भी दी जाती है।

31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाना शास्त्र सम्मत : श्री महंत नारायण गिरी

एजेंसी

हरिद्वार। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के प्रवक्ता तथा हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि जैसी ज्योतिषीय स्थिति इस बार दीपावली पर्व पर बन रही है, वैसी ही स्थिति वर्ष 1963 में भी बनी थी। तब भी दीपावली का पर्व पहले दिन ही मनाया गया था। अतः दीपावली का पर्व 31 अक्टूबर को ही मनाना तर्कसंगत व शास्त्रसंगत होगा। उन्होंने कहा कि 01 नवंबर को रात्रि में अमावस्या तिथि ही नहीं है, तो उस दिन दीपावली का पर्व मनाना उचित नहीं होगा। महाराजश्री ने बताया कि वर्ष 1963 में 16 अक्टूबर को अमावस्या सायंकाल 16.15 पर प्रारंभ हुई थी एवं 17 अक्टूबर 1963 को सायंकाल 18.13 पर समाप्त हुई थी। सूर्यास्त 17:29 को हुआ था। दीपावली 16 अक्टूबर को ही लिखी गई थी क्योंकि उस दिन ही पूरी रात्रि अमावस्या थी। 2024 में अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को दोपहर के बाद 3 बजकर 52 पर शुरू होकर 01 नवंबर को शाम 6 बजकर 16 मिनट तक रहेगी। 01 नवंबर को सूर्यास्त 17.32 पर है और अमावस्या का अंत 18.16 पर है। ऐसी स्थिति में वर्ष 1963 में पहले दिन यानि 16 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई गई थी क्योंकि अगले दिन रात्रि में अमावस्या का योग नहीं था। प्रदोष में अमावस्या व्याप्त नहीं थी और अर्धरात्रि में अमावस्या नहीं थी। इस वर्ष भी पहले दिन यानि 31 अक्टूबर को ही रात्रि में अमावस्या तिथि है। प्रदोष व अर्ध रात्रि में भी अमावस्या व्याप्त है। अतः 31 अक्टूबर 2024 को ही दीपावली शास्त्रसम्मत है। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि देश की परंपराओं को खण्डित करने का षड्यंत्र चल रहा है। इसी कारण अधिकांश पर्व दो-दो दिन मनाए जाने लगे हैं, जो बहुत ही खतरनाक है। ऐसे षड्यंत्र का विरोध करना होगा, तभी देश की परम्पराएं बनी रहेंगी और सनातन धर्म को मजबूत किया जा सकेगा।

मध्य प्रदेश में कर्मचारियों की केंद्र के समान महंगाई भत्ते की मांग, तालाबंदी की दी चेतावनी

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश में कर्मचारी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की मांग को लेकर लामबंद होने लगे हैं और उन्होंने तालाबंदी तक की चेतावनी दे डाली है। कर्मचारियों की मांग केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता दिए जाने की है।

राज्य के कर्मचारियों को वर्तमान में 46 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलता है। उनके द्वारा काफी समय से केंद्र के समान महंगाई भत्ता दिए जाने की मांग की जाती रही है। इसी बीच केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ते को 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत कर दिया है। राज्य के कर्मचारी केंद्र के समान महंगाई भत्ते की मांग करते हुए सात प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग करने लगे हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर दीपावली तक महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी नहीं कि तो वे तालाबंदी तक कर सकते हैं। कर्मचारियों ने अपनी मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन भी शुरु कर दिया है और सरकार से अपनी मांग पूरी करने की मांग की। अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने बताया है कि उनकी महंगाई भत्ते की

मांग को राज्य के कर्मचारी संगठनों का समर्थन हासिल है और वे अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने तैयार है। बताया गया है कि राज्य में सात लाख से अधिक अधिकारी और कर्मचारी हैं, वहीं साढ़े चार लाख पेंशनर्स हैं जिनका महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में इजाफा करने की मांग है। राज्य के विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने महंगाई भत्ते सहित अन्य मांगों के लिए होने वाले आंदोलन का समर्थन किया है। कर्मचारियों के आंदोलन करने और तालाबंदी से राज्य के कामकाज पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। कर्मचारी संगठन से जुड़े नेताओं का कहना है कि राज्य सरकार हमेशा ही अपने कर्मचारियों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता दिए जाने की बात कहती रही है, मगर वर्तमान में काफी समय से राज्य के कर्मचारी और केंद्र के महंगाई भत्ते में अंतर बना हुआ है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का सुरक्षा तंत्र हुआ मजबूत : गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

जोधपुर । केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में आयोजित बीएसएफ के दीक्षांत परेड समारोह में शिरकत की। इस समारोह में बीएसएफ के नव-आरक्षकों ने देश सेवा की शपथ ली।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दीक्षांत परेड को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह अवसर सीमा सुरक्षा बल की सेवा दक्षता और प्रखरता में नए सामर्थ्य और विस्तार का है। उन्होंने कहा, आज भारत एक लंबी यात्रा को तय करने के बाद पुनर्निर्माण और परिवर्तन के ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है। बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का सुरक्षा तंत्र अभेद्य ढांचे के रूप में खड़ा हुआ है। मैं इस अवसर पर भारतीय सैन्य बल के मजबूत स्तंभ के रूप में कार्य कर रहे सीमा सुरक्षा बल के नव आरक्षकों को ढेर सारी बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने देश प्रेम के महान जज्बे के साथ अपना गहन प्रशिक्षण पूरा किया है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने आगे कहा, आप

सबने देश की सैन्य और सुरक्षा का हिस्सा बनने के साथ-साथ मन और शरीर की सशक्ता तथा दक्षता हासिल की है। मैं राष्ट्र सेवा के लिए आपके समर्पण और उत्सर्ग के भाव को दिल से नमन करता हूं। जोधपुर का निर्वाचित प्रतिनिधि होने के नाते मेरा बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के इस परिसर से मेरा लंबा और गहरा जुड़ाव रहा है। केंद्रीय मंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी भारत की महान शौर्य परंपरा के ध्वजवाहक का रूप हैं। मैं आपके साहस और निर्भीकता तथा राष्ट्रीय सेवा के प्रति आपकी शपथ को प्रणाम करता हूं। राजस्थान ही नहीं पूरे राष्ट्र को आप सब पर गर्व है। मैं जिस विचार परिवार का हिस्सा हूं, उसने मुझे राजस्थान के सीमांत क्षेत्र में अनेक सालों तक बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और सेना के साथ सेवा का कार्य करने का सौभाग्यपूर्ण अवसर दिया है।

नीतीश कुमार ने छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर गंगा घाटों का किया निरीक्षण

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लोकआस्था के महापर्व छठ के मद्देनजर छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टीमर से नासरीगंज घाट से कंगन घाट तक के विभिन्न गंगा घाटों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने घाटों की सफाई, सुरक्षा एवं स्वच्छता के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों को घाट किनारे पूजा करने के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सभी व्यवस्थाएं अच्छे ढंग से की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में कोई परेशानी न हो, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने छठ व्रतियों की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखने और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए छठ घाटों का निर्माण करने के निर्देश दिए। उन्होंने गंगा नदी के जलस्तर एवं प्रवाह को देखते हुए छठ घाटों पर सुरक्षा के

पुख्ता इंतजाम रखने तथा छठ घाटों के पास सुरक्षा के दृष्टिकोण से मजबूत बैरिकेडिंग कराने, घाटों के पहुंच पथ एवं गंगा नदी किनारे की सड़कों के पास भी छठ व्रतियों के सुचारू आवागमन के लिए बैरिकेडिंग कराने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने छठ व्रतियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनको हर प्रकार की सहूलियत मिले। उन्होंने कहा कि छठ घाटों पर 'संकेतक चिह्न' का प्रयोग कर छठ व्रतियों को वहां पर की जा रही व्यवस्थाओं, आने-जाने आदि के बारे की जानकारी दी जाए। उन्होंने माइकिंग के माध्यम से छठ घाटों पर की गई व्यवस्थाओं एवं अन्य सूचनाओं के संबंध में भी छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को लगातार जानकारी देने की बात कही। छठ घाटों तक छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के पहुंचने के लिए सुगम ट्रैफिक व्यवस्था कराने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। छठ घाटों पर शौचालय, टॉयलेट का भी इंतजाम कराएं ताकि वहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। छठ घाटों पर साफ-सफाई की भी पूरी व्यवस्था रखें। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज भी उपस्थित थे। छठ घाटों का निरीक्षण करने के पश्चात पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, छठ महापर्व की तैयारियों को देखने हम बराबर छठ घाट आते हैं। आज भी छठ घाटों का निरीक्षण करने यहां आये हैं। छठ व्रतियों के लिए सारा इंतजाम अच्छे से किया जा रहा है ताकि उन्हें पूजा करने में कोई कठिनाई न हो।

संघ का अखिल भारतीय विविध संगठन प्रचारक वर्ग 31 अक्टूबर से 4 नवम्बर तक

एजेंसी

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रचारक बन्धुओं का वर्ग 31 अक्टूबर से 04 नवम्बर 2024 तक, शुभ दीपावली पर्व पर ग्वालियर, मध्यप्रदेश में आयोजित हो रहा है। इस वर्ग में देशभर से 31 विविध संगठन के कुल 554 प्रचारक सहभागी होने वाले हैं। इस वर्ग का स्वरूप प्रशिक्षणात्मक रहेगा।

संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि यह अखिल भारतीय वर्ग प्रति 4-5 वर्ष में एक बार आयोजित होता है। वर्ग में सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत एवं सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित संघ के सभी सह सरकार्यवाह तथा अन्य प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होंगे। वर्ग में अपेक्षित सभी कार्यकर्ता समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीयता के भाव से समाज हित में सक्रिय रहते हैं। यह मजदूर, किसानों, विद्यार्थियों तथा सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं ग्रामीण, वनवासी, शहरी क्षेत्र में कार्य पर चर्चा करेंगे।इस वर्ग में व्यक्तिगत कुशलक्षेम, व्यक्तिगत विकास, स्वाध्याय के साथ समाज जीवन के लिये आवश्यक कार्यों की चर्चा एवं परस्पर अनुभव सांझा किये जाते हैं। सभी अपने-अपने कार्य व अनुभवों का आदान-प्रदान करते हुए विस्तार से चर्चा करते हैं। राष्ट्रीय एवं सामाजिक कार्यों से जुड़े मुद्दों दिव्यांगजनों, युवा एवं महिला सशक्तीकरण, स्वावलम्बन, सुरक्षा, जैविक कृषि, जल संधारण, पर्यावरण संरक्षण, घुमन्तू कार्य, व्यसन मुक्ति जैसे अन्यान्य विषयों पर निरंतर सक्रिय सभी कार्यकर्ता इस वर्ग में मंथन करेंगे।

गांधीनगर में अर्बन मोबिलिटी कॉन्फ्रेंस एवं एक्सपो 2024 में आरआरटीएस कॉरिडोर और नमो भारत ट्रेन की झलक

गांधीनगर। एनसीआरटीसी ने गांधीनगर में 17वें अर्बन मोबिलिटी कॉन्फ्रेंस एवं एक्सपो 2024 में भारत के पहले आरआरटीएस कॉरिडोर की परिवर्तनकारी विशेषताओं को प्रस्तुत किया है। इस एक्सपो में नमो भारत ट्रेनों के आकार जैसे डिज़ाइन वाली एक प्रदर्शनी लगायी गई है, जो आगंतुकों को बेहद लुभा रहा है। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल, गुजरात सरकार के परिवहन और गृह मंत्री हर्ष संघवी, मुख्य सचिव गुजरात राज कुमार एवं अन्य गण्यमान्य अतिथियों ने एनसीआरटीसी स्टॉल का दौरा किया। इस मौके पर एनसीआरटीसी के एमडी शलभ गोयल ने उनका स्वागत किया। गोयल ने मुख्यमंत्री को दिल्ली और मेरठ के बीच तैयार किए जा रहे नए जमाने के अत्याधुनिक आरआरटीएस कॉरिडोर और इसकी प्रगति के बारे में जानकारी दी।

हिन्दू समाज के खिलाफ सक्रिय तत्वों से रहना होगा सतर्क: दत्तात्रेय होसबाले

एजेंसी

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि हिन्दू समाज के खिलाफ सक्रिय तत्वों से हमें सावधान रहना होगा। उन्होंने एक गीत का उल्लेख करते हुए कहा कि हिन्दू समाज जब-जब हिन्दू भाव को भूला तो समाज पर बड़ी विपदा आई। हम जाति, भाषा, प्रांत, अगड़ा-पिछड़ा के नाम पर बटेंगे तो हम कटेंगे। इसलिए किसी भी राष्ट्र के नाते एकता आवश्यक है। हिन्दू समाज को संगठित होना आवश्यक है। आज बहुत सारे लोग इसे अनुभव से समझ रहे हैं। हिन्दू समाज का संगठन सुख देने वाला है। इससे अपनी तो रक्षा होगी ही, दुनिया के लिए भी यह मंगल होगा। सरकार्यवाह होसबाले मथुरा जिले के परखम में संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की दो दिवसीय बैठक के अंतिम दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संघ में हर स्तर के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण वर्ग पद्धति और परम्परा है। शाखा में आने वाले सामान्य संघ की पद्धति है व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण। संघ कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया निरंतर जारी रखता है। उन्होंने बताया कि संघ के विभिन्न आयामों से

विद्यार्थी से लेकर जिला, प्रांत एवं गृहस्थ कार्यकर्ता, प्रचारक, ऐसे सब प्रकार के कार्यकर्ताओं के लिए भिन्न-भिन्न अंतराल पर हम प्रशिक्षण वर्ग करते हैं। समाज के विभिन्न आयु वर्ग के लोग जुड़ते हैं, उनके साथ संघ के विचार को कैसे सम्प्रेषित करना चाहिए, इस बैठक में इस पर चर्चा हुई है।

एनसीपी ने चुनाव प्रचार किया तेज, 150 एलईडी वैन के साथ मैदान में उतरी

एजेंसी

मुंबई, । अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान और तेज कर दिया। पार्टी ने मतदाताओं तक अपनी उपलब्धियां और वादे पहुंचाने के लिए 150 एलईडी वैन तैनात किए हैं। एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुंबई स्थित पार्टी कार्यालय से एलईडी वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये एलईडी वैन पूरे राज्य में घूमकर लोगों तक एनसीपी द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के लिए किए गए विकास कार्यों और उसके जन-केंद्रित चुनावी वादों की जानकारी पहुंचाएगी। ऑडियो-वीडियो प्रचार सामग्री के साथ, तीन एलईडी वैन एनसीपी द्वारा लड़े जा रहे प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अजीत पवार द्वारा किए गए संदेशों और कल्याणकारी

कार्यों का प्रचार-प्रसार करेंगी। मतदाताओं से जुड़ने के नए तरीके खोजने के लिए पार्टी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग किया। इस अवसर पर एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि ये एलईडी वैन सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को उजागर करेंगी, जिसमें 'लड़की बहन योजना' भी शामिल है, जिसके तहत महिलाओं को 1,500 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। 2.5 करोड़ से अधिक महिलाओं को पहले ही लड़की बहन योजना और बलीराजा वीज सवलत योजना का लाभ मिल चुका है, जिसके माध्यम से सरकार 44 लाख से अधिक किसानों को बिजली छूट प्रदान कर रही है। उन्होंने महाराष्ट्र के लोगों के कल्याण के लिए काम करने की एनसीपी की प्रतिबद्धता दोहराई और विश्वास जताया कि महायुति राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए सत्ता में वापस आएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि विधानसभा चुनावों में सीटें जीतने के मामले में एनसीपी का स्ट्राइक रेट बेहतर होगा। कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात कीबेटी पर भाजपा नेता द्वारा की गई कथित विवादास्पद टिप्पणी के बारे में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए तटकरे ने कहा कि महायुति और एनसीपी दोनों ही सार्वजनिक जीवन में गरिमा में विश्वास करते हैं।

लगभग 11 वर्षों के बाद जयपुर एयरपोर्ट का टर्मिनल-1 यात्रियों के लिए दोबारा शुरू

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की विकास यात्रा में जयपुर इन्टरनेशनल एयरपोर्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के अंतराष्ट्रीय टर्मिनल-1 का लोकार्पण हमारे प्रदेश के विकास और उन्नति का प्रतीक है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान का यह पहला अंतराष्ट्रीय टर्मिनल आधुनिक सुविधाओं के साथ यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाएगा और राजस्थान में अंतराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

शर्मा ने जयपुर इन्टरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस टर्मिनल को आधुनिक रूप देकर लगभग 11 वर्षों के बाद यात्रियों के लिए पुनः शुरू किया गया है। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि जयपुर हवाई अड्डे की मौजूदा यात्री क्षमता लगभग 65 लाख है जो आने वाले समय में बढ़कर 3 करोड़ 80 लाख हो जाएगी। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हेरिटेज लुक वाला टर्मिनल-1 जयपुर आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को प्रदेश की सुंदर संस्कृति और परंपरा की

झलक दिखाएगा। श्री शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर को होने वाले राइजिंग राजस्थान ग?लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में पूरी दुनिया से मेहमान जयपुर आएंगे तो इस सुंदर टर्मिनल का अनुभव लेंगे। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट की अंतरराष्ट्रींय मीट के दौरान उन्होंने संबंधित देशों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे अपने एअरलाइंस की जयपुर से डायरेक्ट फ्लाइट की व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में विमानन क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा यह प्रयास है कि सड़क और रेल मार्ग की ही भांति हवाई मार्ग से भी प्रदेश के हरेक हिस्से तक आसान पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसके लिए प्रदेश के सभी सीमावर्ती जिलों के साथ ही समस्त जिला मुख्यालयों व अन्य प्रमुख स्थानों पर एअर ट्रेवल को सुगम करने के लिए हेलीपेड्स का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य में राज्य सरकार को केन्द्र सरकार का भरपूर सहयोग मिल रहा है। शर्मा ने कहा कि पायलटों की कमी दूर करने के लिए राज्य सरकार ने किशनगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफटीओ) शुरू किया है और हमीरगढ़-भीलवाड़ा में एफटीओ की प्रक्रिया चल रही है। इससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पायलट उपलब्ध होंगे।

अंतर-मंत्रालयी बैठक में राज्यों को धान की फसल के अपशिष्ट जलाने की घटनाओं को रोक लगाने का मिला निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान , केंद्रीय पर्यावरण , वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में आज एक अंतर- मंत्रालयी बैठक बुलाई गई। बैठक में राज्यों को धान की फसल के अपशिष्ट जलाने की घटनाओं को रोक लगाने का दिशा निर्देश दिया गया। राज्यों को उन हॉटस्पॉट जिलों की पहचान करने की सलाह दी गई है जहां भविष्य में आग लगने की घटनाएं हो सकती हैं और सभी आवश्यक संसाधनों को तैनात करके योजना बनाने और स्थिति से निपटने के लिए कहा गया है। पहले से उपलब्ध कराई गई 3 लाख से अधिक मशीनों के प्रभावी उपयोग के लिए राज्य स्तर पर एक उपयुक्त प्रणाली स्थापित करने को भी निर्देश दिशा गया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने यह जानकारी दी।बैठक के बाद मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हरियाणा सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 2जी इथेनॉल संयंत्र के लिए पहचाने गए समूहों में उपरोक्त के अलावा गांठें बनाकर फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए किसानों को 1000 रुपये प्रति एकड़, अतिरिक्त 500 रुपये प्रति मीट्रिक टन के प्रोत्साहन की घोषणा की है। पानीपत, धान के भूसे की सामान्य निर्धारित दर 2500 रुपये प्रति मीट्रिक टन, धान के भूसे की गांठों की खपत के लिए परिवहन शुल्क 500 रुपये, अधिकतम 15000 रुपये तक गौशालाओं को प्रदान किया जाता है। 2023 की तुलना में इस साल पंजाब में 35 प्रतिशत और हरियाणा में 21 प्रतिशत कम जलने की घटनाएं हुईं।

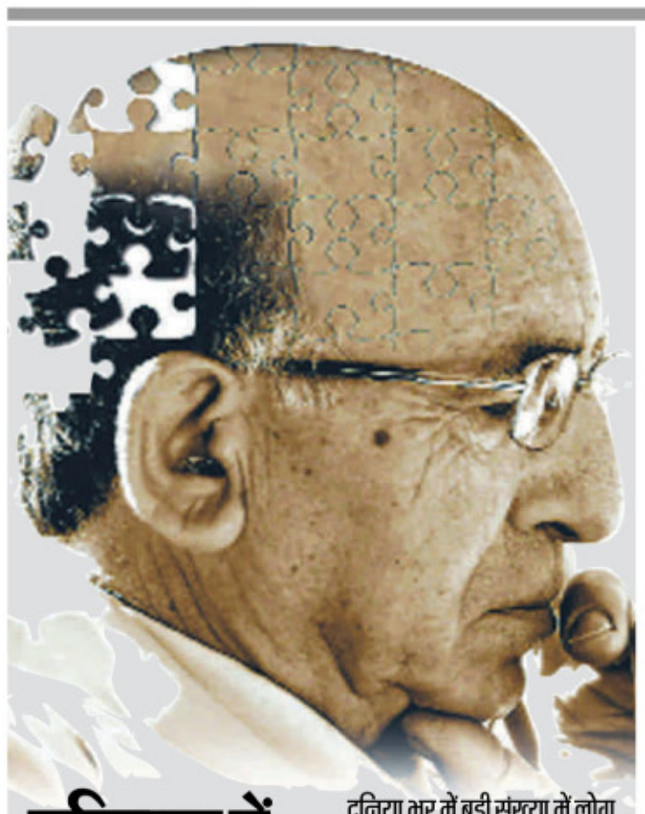

मस्तिष्क में प्रोटीन के गुच्छे बनने से घटती है याददाश्त

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग अल्जाइमर और अन्य तरह की डिमेंशिया से प्रभावित हैं लेकिन दुनिया में इसका प्रभावी इलाज के संबंध में प्रगति धीमी है। वैज्ञानिकों ने बताया कि मरीज के मस्तिष्क में अल्जाइमर से संबंधित प्रोटीन गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं।

साइंस एडवांसेस में प्रकाशित जॉर्ज मिसल और उनके सहकर्मियों के शोध में अल्जाइमर रोगियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इस तरह से अनुसंधानकर्ता मस्तिष्क में अल्जाइमर बीमारी के बढ़ने को रोकने की प्रक्रिया के संबंध में बेहतर समझ बनाने में सक्षम हुए।

गुच्छों के दोगुना होने में पांच साल का समय लगा

अध्ययन से पता चला कि गुच्छों के दोगुना होने में करीब पांच साल का समय लगा। अध्ययन में बताया गया कि कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए देशों के बीच यात्रा रोकना बेहद प्रभावी कदम नहीं हो सकता है जब मूल देश में पहले से ही उल्लेखनीय रूप से संक्रमित लोगों की मौजूदगी पहले से ही हो। इसी तरह से मस्तिष्क क्षेत्रों के बीच गुच्छों के प्रसार को रोकना अल्जाइमर के एक बार शुरू हो जाने के बाद इसे धीमा करने में नाकाफी हो सकता है।

घीरे-धीरे बढ़ती जाती है गुच्छों की संख्या

अल्जाइमर की बीमारी और तंत्रिका तंत्र से संबंधित अन्य बीमारियों में प्रोटीन, वे सूक्ष्म गुच्छों में एकसाथ चिपकने लगते हैं। मरीज के मस्तिष्क में ये गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं। जैसे-जैसे इन गुच्छों की संख्या बढ़ती जाती है, बीमारी बढ़ती जाती है और हल्के लक्षण सामने आने के वर्षों बाद मौत तक हो जाती है। अब तक विस्तार से वैज्ञानिकों के हाथ यह जानकारी नहीं लग पाई है कि आखिर ये गुच्छे बन कैसे जाते हैं और इन्हें कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।

सुपरफूड है अंडा

कई बीमारियों से बचाता है

अंडा एक ऐसा सुपरफूड है, जिसमें प्रोटीन, कैल्शियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड विटामिन ए और बी की भरपूर मात्रा होती है। इसका रोजाना सेवन शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। वहीं हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार रोजाना 1 अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कम होता है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम करता है अंडा

इस स्टडी की रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई दूसरे वैज्ञानिक इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि डायबिटीज में अंडा खाने को लेकर शोधकर्ताओं की राय अलग-अलग है। जहां कुछ वैज्ञानिक इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं वहीं अन्य शोधकर्ताओं के हिसाब से डायबिटीज के मरीजों को अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए।

हफ्ते में कितने अंडे खाना है सुरक्षित?

इस नई स्टडी के अनुसार, हफ्ते में 3 अंडे खाना बिल्कुल सुरक्षित है। अगर आपको डायबिटीज है तो अंडे को उबालकर ही खाएं।

फायदेमंद है अंडे का सेवन

जो पुरुष रोजाना अंडे का सेवन करते हैं उनके खून में लिपिड की मात्रा थोड़ी ही पाई जाती है, जिससे इस बीमारी का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अंडा सेहत को कई तरीके से फायदा पहुंचाता है। फिलहाल अंडा खाने या ना खाना अभी तक शोधकर्ताओं के लिए पहेली ही बना हुआ है। हालांकि इस नई स्टडी के नतीजों में दावा किया है कि रोजाना एक अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कुछ हद तक कम हो जाता है।

कैसे और कब खाना चाहिए अंडा

रोजाना 2 उबले हुए अंडे खाने से शरीर कई बीमारियों से बचाया जा सकता है। अंडा को ब्रेकफास्ट के रूप में खाने से शरीर को सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। जिम जाने वाले लोगों को कच्चा अंडा दूध में मिलाकर खाना चाहिए। इसके अलावा कच्चे अंडे की जर्दी (एग योक) का सेवन भी आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाता है।

व्हाइट या ब्राउन कौन है बेस्ट?

व्हाइट और ब्राउन दोनों ही अंडों पर काफी बार शोध किया जा चुका है, जिसमें इन दोनों में कोई खास अंतर पता नहीं चला। दोनों के फायदे, क्वॉलिटी, आकार सभी कुछ एक जैसा है। यहां तक दोनों में पोषण भी एक जैसा ही होता है लेकिन ब्राउन अंडे में व्हाइट अंडे से थोड़ा ज्यादा ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

रोजाना अंडा खाने के अन्य फायदे

मजबूत इम्यून सिस्टम

रोजाना ब्रेकफास्ट में एक अंडा खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत है। इससे आप सर्दी-जुकाम जैसे वायरल इंफेक्शन से बचे रहते हैं।

वजन कंट्रोल

अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे दिनभर पेट भरा रहता है, जिससे आप ओवरइटिंग से बच जाते हैं और आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

आंखों व दिमाग के लिए फायदेमंद

इसमें कॉलिन और कैरोटिनायड्स नाम का पोषक तत्व होता है, जो आंखे व दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद है।

स्वस्थ दिल

इसका सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप हार्ट अट्रैक जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं।

ब्रैस्ट कैंसर से बचाव

अंडे में पाया जाने वाला फॉलिक एसिड और विटामिन बी12 ब्रैस्ट कैंसर से बचाव करता है। अगर आप भी ब्रैस्ट कैंसर से बचना चाहते हैं तो रोज इसका सेवन करें।

सर्दियों में होंठ और हाथों की यूं करें देखभाल

सर्दियों में होंठ व हाथ रूखे हो जाते हैं। ऐसे में इन्हें खास देखभाल की जरूरत होती है। होंठ और हाथों की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं :

हाथों के लिए सुझाव

- हाथ धुलने के बाद मॉइश्चराइजर बरकरार रखने के लिए हमेशा अच्छा हैंड क्रीम लगाएं।
- रात में हाथों को अच्छे नरीशिंग क्रीम से मसाज करें और नाखूनों व नाखूनों के आसपास के हिस्से में भी मसाज करना नहीं भूलें।
- नहाने से पहले त्वचा पर तेल से मसाज करें। इससे आपके हाथ मुलायम बनेंगे।
- नहाने के तुरंत बाद लोशन या क्रीम लगाएं। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी।
- सर्दियों में शावर जेल या ग्लिसरीन युक्त साबुन का इस्तेमाल करें।
- एक बड़े चम्मच एवोकैडो ऑयल में एक बड़ा चम्मच शहद और एक बड़ा चम्मच दही मिला लें और इससे हाथों की मसाज करें। हाथों का रूखापन दूर करने के लिए 10 मिनट बाद धो लें।

होंठ की देखभाल

- होंठों को रूखेपन व फटने से बचाने के लिए आर्गन प्योर कोल्ड प्रेस्ड ऑयल की कुछ बूंदों में एक बड़ा चम्मच ब्राउन शुगर मिलाकर लगाएं।
- फटे होंठों के लिए शहद मॉइश्चराइजर का काम करता है। शहद को अपने होंठों पर लगा लें या फिर रात में सोने से पहले शहद और ग्लिसरीन के मिश्रण को लगा लें।
- आप चाहे तो ताजे दूध की क्रीम भी होंठों पर लगा सकते हैं और इसे 10 मिनट तक लगा रहने दें। फिर इसे गुनगुने पानी में भीगी रूई के फाहे से हल्के हाथों से साफ कर लें। कोमल व गुलाबी रंगत के होंठों के लिए ऐसा रोजाना करें।
- रात में सोने जाने से पहले होंठों को गुनगुने पानी से धोकर मुलायम कपड़े से पोंछे ले और फिर तुरंत लिप बाम लगा लें।
- होंठों की नमी बरकरार रखने के लिए पानी का सेवन खूब करें, इससे आपके होंठों की कोमलता बरकरार रखने में मदद मिलेगी।
- सर्दियों में होंठों को फटने से बचाने के लिए ऑर्गेनिक घी, बादाम तेल और नारियल तेल युक्त लिप बाम का इस्तेमाल करें।
- सर्दियों में लिपस्टिक आपके होंठों को सुरक्षा प्रदान करता है। पिंक या प्लम कलर के लिपस्टिक लगा सकती हैं, जो आपके होंठों की न सिर्फ खूबसरती बढ़ाएगा, बल्कि इसे कोमल भी रखेगा। ऑर्गेनिक घी, शहद, बादाम तेल, रोज ऑयल जैसे इंग्रेडिएंट्स सर्दियों में आपके होंठों को कोमल रखेंगे।
- रोजाना हैंडक्रीम लगाने से हाथ रूखे नहीं होंगे। कोकम बटर, ऑर्गेनिक हनी, एलो, हल्दी, सेसम ऑयल, एप्रिकोट ऑयल जैसे इंग्रेडिएट्स अल्ट्रा-मॉइश्चराइजिंग होते हैं, जो त्वचा को मुलायम रखते हैं।
- गर्मियों की तरह ही सर्दियों में भी त्वचा को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाना जरूरी है। तेज धूप में त्वचा को टैनिंग से बचाने के लिए धूप में निकलने से पहले सन प्रोटेक्शन क्रीम का इस्तेमाल करें।

रोजाना लौंग चबाने से ये प्रॉब्लम्स हो जाएंगी दूर

मसाले खाने को स्वादिष्ट बनाने के ही नहीं बल्कि सेहत से जुड़ीं कई परेशानियों को भी ठीक करते हैं। जैसे, लौंग का इस्तेमाल खाने के साथ चाय को स्वादिष्ट बनाने में भी किया जाता है। लौंग के कई फायदे हैं।

दांत दर्द में राहत

लौंग खाने से दांत का दर्द ठीक होता है। लौंग में दर्द को शांत करने वाले गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आपके दांत में दर्द हो तो लौंग को अपने दांत के बीच में दबाकर रखें।

इंफेक्शन को दूर करता है

लौंग में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं। जिसका मतलब है कि यह बैक्टीरिया या अन्य सूक्ष्मजीवों से होने वाले संक्रमण से बचाव प्रदान कर सकता है। स्किन पर कहीं इंफेक्शन होने पर उस जगह पर लौंग का पेस्ट लगाने की सलाह दी जाती है।

एसिडिटी में राहत

सुबह खाली पेट लौंग के सेवन करने से पाचन संबंधी समस्या दूर हो जाती है। लौंग पाचन एंजाइम के स्राव को बढ़ाते हैं, जो डाइजेशन प्रॉब्लम्स को रोकने या ठीक करने में कारगर है।

पिंपल्स को ठीक करने में कारगर

आपको अगर ऑयली स्किन की वजह से चेहरे पर पिंपल्स हो जाते हैं, तो आपको लौंग का पेस्ट एलोवेरा जेल में डालकर पिंपल्स पे लगाना चाहिए। इससे पिंपल्स ठीक हो जाते हैं।

मुंह की बदबू को दूर करें

आपके मुंह से अगर सुबह उठने पर बदबू आती है या मसूड़ों में दर्द रहता है, तो आप रोजाना एक लौंग को अपने मुंह में दबा लें, इससे धीरे-धीरे मुंह से बदबू आनी बन्द हो जाएगी।

पेट का अल्सर

पेट के अल्सर के इलाज में लौंग काफी मदद कर सकता है। यह अल्सर आमतौर पर पेट की सेफ्टी लेयर के कम हो जाने के कारण हो जाते हैं, जिसमें लौंग खाने से फायदा होता है।

छोटी सी राई में कितनी खूबियां

- इसकी गिनती सरसों की जाति में होती है। इसका दाना छोटा व काला होता है। राई का प्रमुख गुण पाचक होता है।
- पेट के कीड़े इसका पानी पीने से मर जाते है।
- हैजे में राई को पीस कर पेट पर लेप करने से उदरशूल व मरोड़ में आराम मिलता है।
- इसकी पुल्टिस बना कर दर्द वाली जगह पर सेंक किया जाए तो तुरंत राहत मिलती है। राई के लेप से सूजन कम होती है।
- गर्म पानी में राई डालने से राई फूल जाती है। और उसके गुण पानी में पहुंच जाते हैं। इस पानी को गुनगुना सहने योग्य कर किसी टब में कमर तक भर कर बैठा जाए तो सभी प्रकार के यौन रोग प्रदर, प्रमेह आदि में बेहतर सुधार आता है।
- इसे पीस कर शहद में मिलाकर सूंघने से जुकाम में आराम मिलता है।
- मिर्गी-मूरच्छा में मात्र राई पीस कर सूंघाने से फायदा होता है।
- राई के तेल में बारीक नमक मिलाकर मंजन करने से पायरिया रोग का नाश होता है।
- राई के अधिक प्रयोग से उल्टी हो सकती है अत: राई का सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।

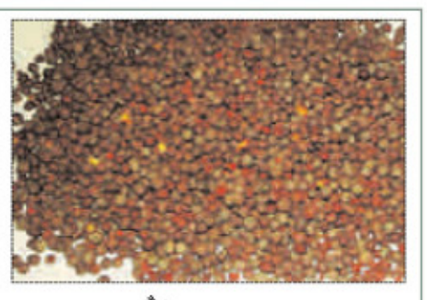

सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाएंगे गुड़ मेथी के लड्डू

सर्दियों में गुड़ मेथी के लड्डू खाने का मजा ही कुछ और है। गुड़ मेथी के लड्डू ना सिर्फ स्वाद में गजब होते हैं बल्कि इससे इम्यूनिटी बढ़ने के साथ सर्दी भी कम लगती है। जानते हैं, कैसे बनाएं गुड़ मेथी के लड्डू

लड्डू बनाने के लिए सामग्री

100 ग्राम मेथी दाना, 1/2 लीटर दूध
300 ग्राम गेहूं का आटा, 250 ग्राम घी
100 ग्राम गोंद, 30-35 बादाम
300 ग्राम गुड़ या चीनी
8-10 काली मिर्च, 2 छोटी चम्मच जीरा पाउडर, 2 चम्मच सोंठ पाउडर, 10 छोटी इलाइची, 4 टुकड़े दालचीनी, 2 जायफल

लड्डू बनाने की विधि

- सबसे पहले मेथी दाना को साफ कर लें। अब मेथी को मिक्सर से थोड़ी दरदरी पीस लें।
- एक पैन में दूध उबालने के लिए रख दें।
- अब पिसी हुई मेथी को 8-10 घंटे के लिए दूध में भिगो दें।
- बादाम को काट लें और काली मिर्च, दाल चीनी, इलाइची और जायफल को कूट लें।
- अब एक कड़ाही में आधा कप घी डालकर, भीगी हुई मेथी को भूनें. आपको मध्यम आंच पर इसे हल्का ब्राउन होने तक भूनना है।
- अब बचे हुए घी में गोंद को तल लें और किसी प्लेट में निकाल लें।
- इसी कड़ाही में बाकी घी डालकर आटे को हल्का ब्राउन होने तक भून लें।
- इसके बाद कड़ाही में 1चम्मच घी डाल कर, गुड़ को पिघला लें और चाशनी बना लें।
- गुड़ की चाशनी में, जीरा पाउडर, सोंठ पाउडर, कटे हुए बादाम, काली मिर्च, दालचीनी, जायफल और इलाइची डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- अब इसमें भुनी हुई मेथी, भुना आटा, भुना गोंद डासकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- इस मिश्रण से अपनी पसंद के आकार के लड्डू बनाकर रख लें. लड्डू को थोड़ी देर के लिए हवा में खुला रहने दें।
- बाद में किसी एअर टाइट डब्बे में सभी लड्डू को भरकर रख लें।आप इन्हें दूध से रोज सुबह शाम खाएं।
- आप चाहें तो लड्डू में गुड़ की जगह पर चीनी या बूरा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपने पसंद के हिसाब से लड्डू में कोई मेवा कम या ज्यादा भी कर सकते हैं।
- मेथी के लड्डू खाने से आपको जोड़ों के दर्द, कमर दर्द और सर्दी में आराम मिलेगा।

भारत के खिलाफ शेष वनडे मैचों से बाहर हुई अमेलिया केर

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की महिला ऑलराउंडर अमेलिया केर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सीरीज के पहले मैच में अपनी बायीं क्वाड्रिसेप की मांसपेशी में चोट लगने के कारण भारत के खिलाफ शेष वनडे मैचों से बाहर हो गई हैं। उस मैच में, अमेलिया को 4-42 के अपने स्पेल के दौरान चोट लगी थी और वह नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी थीं, जहां वह 25 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि न्यूजीलैंड की टीम 227 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 40.4 ओवर में 168 रन पर आउट हो गई थी न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने एक बयान में कहा कि 24 अक्टूबर को हुए मैच के बाद सुबह अमेलिया को स्कैन के लिए ले जाया गया था। स्कैन में ग्रेड वन क्वाड्रिसेप टियर का पता चला, जिसके ठीक होने में लगभग तीन सप्ताह लगेंगे। हेड कोच बेन सॉयर ने कहा।, हम मेली के लिए वाकई बहुत दुखी हैं। चोट लगना हमेशा ही किसी खिलाड़ी के लिए चुनौतीपूर्ण समय होता है और हम जानते हैं कि वह इन खेलों में नहीं खेल पाने से कितनी निराश है। हर कोई जानता है कि मेली इस टीम का कितना अहम हिस्सा है, इसलिए हम निश्चित रूप से उसे मिस करेंगे, लेकिन हम उसके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। न्यूजीलैंड द्वारा यूएई में 2024 महिला टी20 विश्व कप जीतने के बाद करियर की ऊंचाई हासिल करने के बाद अमेलिया भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरी थीं।

पंजाब किंग्स ने हैडिन और जोशी को बरकरार रखा; सपोर्ट स्टाफ में शामिल हो सकते हैं होप्स

नई दिल्ली। रिकी पोंटिंग ने पंजाब किंग्स में अपने सहयोगी स्टाफ की टीम बनाने में पहला बड़ा कदम उठाया है, जिसमें उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जेम्स होप्स को शामिल किया है, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स में अपने कार्यकाल के दौरान उनके साथ काम किया था। होप्स 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन सत्र में एक खिलाड़ी के रूप में फ्रैंचाइज़ी का हिस्सा भी थे। 46 वर्षीय पोंटिंग के अनुबंध को दिल्ली कैपिटल्स ने नवीनीकृत नहीं किए जाने के बाद विस्तार की पेशकश की थी। हालांकि, होप्स, जिन्होंने 84 वनडे और 12 टी20आई में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया, ने अपने पूर्व कप्तान पोंटिंग के साथ काम करना जारी रखने का फैसला किया, जिन्होंने फ्रैंचाइज़ी के साथ चार साल का अनुबंध किया है। होप्स के हस्ताक्षर से दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज चार्ल लैंगवेल्ट के बाहर होने का संकेत मिलता है, जिन्होंने 2023 और 2024 सीज़न के लिए ट्रेवर बेलिस के तहत टीम के तेज़-गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीकी ने 2020 सीज़न के दौरान फ्रैंचाइज़ी के लिए गेंदबाजी कोच की भूमिका भी निभाई थी।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के बाद बांग्लादेश की कप्तानी छोड़ सकते हैं नजमुल

नई दिल्ली। बांग्लादेश के सभी प्रारूपों के कप्तान नजमुल हुसैन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही टेस्ट श्रृंखला के समापन के बाद कप्तानी करने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने फरवरी 2024 में नजमुल को एक साल के लिए सभी प्रारूपों का कप्तान नियुक्त किया था और उम्मीद थी कि वह अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में टीम की अगुआई करेंगे। हालांकि, नजमुल ने बोर्ड को अपने पद से इस्तीफा देने की सूचना दे दी है और अब बोर्ड अध्यक्ष फारूक अहमद की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं, जो फिलहाल विदेश में हैं और जल्द ही उनके आने की उम्मीद है। क्रिकबज के अनुसार, बीसीबी के एक शीर्ष अधिकारी ने से इसकी पुष्टि करते हुए कहा, हां, उन्होंने हमें बताया कि वह दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। बीसीबी के एक शीर्ष निदेशक उन्हें अपना फैसला बदलने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो इस समय संभव नहीं लगता। पता चला है कि 2024 टी20 विश्व कप के बाद नजमुल ने टी20 कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना मन बदल लिया और तीनों प्रारूपों से इस्तीफा देना चाहते थे। पिछले कुछ समय से नजमुल की कप्तानी लंबे समय से खराब फॉर्म में चल रही है, जिसके बाद कई लोगों ने उनकी आलोचना की है।

छात्राओं ने कबड्डी प्रतियोगिता में दिखाया दम

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू)में अंतर संकाय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में छात्राओं ने पूरे दमखम के साथ भागीदारी की। प्रतियोगिता में पहला मैच सामाजिक विज्ञान संकाय और कृषि विज्ञान संस्थान के बीच खेला गया। जिसमें सामाजिक विज्ञान संस्थान ने जीत हासिल की। दूसरा मैच महिला महाविद्यालय और बसंत महिला महाविद्यालय के बीच खेला गया। जिसमें महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने जीत हासिल की। वहीं, तीसरा मैच सामाजिक विज्ञान संकाय और कला संकाय के बीच खेला गया। जिसमें कला संकाय विजेता बना। चौथा मैच महिला महाविद्यालय और आर्य महिला स्नातकोत्तर विद्यालय के बीच खेला गया। जिसमें आर्य महिला पीजी कालेज विजेता बना। इसके पहले प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि संयुक्त कुलसचिव (वित्त) डॉ संजय कुमार, विशिष्ट अतिथि सहायक कुलसचिव अभिषेक सेठ ने किया। आयोजन सचिव डॉक्टर खुर्शीद अहमद ने खिलाड़ियों से परिचय कराया। मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार ने प्रतिभागियों को मैच की सफलता की शुभकामनाएं दी। उन्होंने खेल को खेल की भावना से खेलने का मंत्र दिया और खेल को व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कुंजी बताया।

नोमान, साजिद की फिरकी पर नाचे अंग्रेज,टेस्ट सीरीज 2-1 से पाक के नाम

एजेंसी

रावलपिंडी। नोमान अली और साजिद खान की स्पिन जोड़ी की बदौलत पाकिस्तान ने तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।

पाकिस्तान की इस स्पिन जोड़ी ने मुल्तान में भी शानदार प्रदर्शन किया था जिसे रावलपिंडी में भी जारी रखा गया। फरवरी 2021 के बाद पाकिस्तान की यह पहली घरेलू श्रृंखला जीत है। नवंबर 2015 के बाद इंग्लैंड पहली बार पाकिस्तान से टेस्ट श्रृंखला हारा है। पहले टेस्ट में पारी और 47 रन की बड़ी हार के बाद मेजबान टीम को लगातार दूसरी बार जीत हासिल हुई है, जिससे पाकिस्तान आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 तालिका में एक स्थान ऊपर उठ कर सातवें स्थान पर पहुंच गया है जबकि इंग्लैंड के ठीक नीचे छठे नंबर पर है। साजिद खान ने 128 रन देकर छह विकेट चटकाये जबकि नोमान अली ने तीन विकेट 88

रन देकर झटके।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड पहली पारी में केवल 267 रन ही बना सका। निचले क्रम में जेमी स्मिथ (89) और गस एटकिंसन (39) की अर्धशतकीय साझेदारी के अलावा मेहमान टीम के किसी और खिलाड़ी में रन की भूख दिखायी नहीं दी। जवाब में, पाकिस्तान के सऊद शकील (134) के शानदार शतक से मेजबान टीम को पहली पारी में 77 रनों की आसान बढ़त मिल गई।

इसके बाद नोमान और साजिद ने मिलकर इंग्लैंड की दूसरी पारी को पटरी से उतार दिया। कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका जिसके चलते दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड तीन विकेट खो चुका था। अगली सुबह वह केवल 88 रन और जोड़ सके और इंग्लैंड 112 रन पर आउट हो गया, जो टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ उसका दूसरा सबसे कम स्कोर है, मेजबान स्पिनरों ने एक बार फिर पिछले मैच की तरह सभी 20 विकेट लिए। पिछले दो टेस्ट मैचों में इन दोनों ने 40 में से 39 विकेट लिए हैं।

यह भी पहली बार था जब पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने किसी टेस्ट में एक भी गेंद नहीं फेंकी।

संक्षिप्त स्कोर:

इंग्लैंड: 267 (68.2) 112 (37.2)

पाकिस्तान: 344 (96.4) 37/1 (3.1)

पढ़ाई, ट्रेनिंग के साथ खेल प्रतियोगिताओं में अवश्य प्रतिभाग करना चाहिए : निदेशक

एजेंसी

मुरादाबाद। डॉ. भीमराव अम्बेडकर उप्र पुलिस अकादमी के घुड़सवारी मैदान पर आयोजित 26वीं उप्र पुलिस वार्षिक अश्वारोहण प्रतियोगिता के तीसरे दिन विभिन्न प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अपर पुलिस अधीक्षक महेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अकादमी के निदेशक व अपर पुलिस महानिदेशक राजीव सभरवाल द्वारा किया गया। शुभारम्भ के अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जोनों से आयी टीम क्रमशः आगरा, लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, मेरठ, बरेली, प्रशिक्षण जोन मुरादाबाद के टीमों के खिलाड़ियों ने अपने हुनर का परिचय दिया। प्रतियोगिता में विभिन्न जोनों के 48 घोड़े व घुडसवार भाग ले रहे हैं। निदेशक ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में प्रतिभाग करना बड़ी होती है। कोई भी खिलाड़ी जब श्रेष्ठ प्रदर्शन करता है तो उसके संस्थान, उसके परिवार, उसके शहर, उसके देश व उसके गुरुजनों का नाम रोशन करता है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई, ट्रेनिंग के साथ खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग अवश्य करना चाहिए।

यूपी के गेंदबाजों ने दिखाया दम,पंजाब की पहली पारी 210 रन पर सिमटी

एजेंसी

मुल्लांपुर। शिवम मावी (29 रन पर चार विकेट) के अलावा सौरभ कुमार और शिवम शर्मा की अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले के पहले दिन मेजबान पंजाब को पहली पारी में 210 रन पर सीमित कर दिया।

महाराज यदविंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर दिन का खेल खत्म होने के समय उत्तर प्रदेश ने बगैर नुकसान के आठ रन बना लिये थे। माधव कौशिक (7) और आर्यन जुयाल एक रन बनाकर क्रीज पर डटे थे। इससे पहले टॉस जीतकर उत्तर प्रदेश ने मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया। गेंदबाजों ने कप्तान आर्यन जुयाल के फैसले को सही ठहराते हुये पंजाब की सलामी जोड़ी को मात्र दस रनों में पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। हालांकि अनमोलप्रीत सिंह (38) और पुखराज मान (61) ने बीच के ओवरों में धैर्यता दिखाते हुये स्कोरबार्ड को आगे बढ़ाया। अनमोल

सौरभ कुमार के शिकार बने जबकि अनमोल का विकेट सौरभ के खाते में गया। मध्यक्रम के सनवीर सिंह (50) पंजाब की ओर से अर्धशतक जमाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हालांकि दूसरे छोर पर लगातार विकेटों के पतन से उनकी पंजाब को 300 के ऊपर ले जाने की हसरत पूरी नहीं हुयी। सौरभ और शिवम शर्मा को दो दो विकेट मिले जबकि नीतिश राणा ने अपने शार्ट स्पेल में सनवीर को आउट किया।

टेनिस- एलेक्स डी मिनौर वियना ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी

वियना। एलेक्स डी मिनौर ने जैकब मेनसिक को 6-7(2), 6-3, 6-4 से हराकर वियना ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जिससे निट्टो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें बरकरार रहीं। 25 वर्षीय खिलाड़ी, जो वर्तमान में एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में नौवें स्थान पर है, ने कड़ी मेहनत की और दो घंटे 34 मिनट में जीत दर्ज की।

मेनसिक ने सबसे पहले गियर बदला, शुरुआती सेट टाई-ब्रेक में चला गया। उन्होंने आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक का इस्तेमाल किया और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी से गलतियाँ करवाकर पहला सेट 7-6(2) से अपने नाम किया। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने पहले सेट में 24 विनर्स लगाए, जिसमें नौ ऐस शामिल थे। डी मिनौर ने दूसरे सेट के छठे गेम में एक महत्वपूर्ण ब्रेक अर्जित करके जवाब दिया और सेट को 6-3 से जीतकर मैच को बराबर कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने तीसरे सेट के पांचवें गेम में मेनसिक की फिर से

सर्विस तोड़ी और मैच के बाकी समय तक नियंत्रण में रहे। हार के बावजूद, मेनसिक दिसंबर में होने वाले नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की राह पर हैं। 19 वर्षीय खिलाड़ी एटीपी लाइव रेस टू जेद्दा में तीसरे स्थान पर है। दूसरी तरफ, खाचानोव ने मैटेओ बेरेटिनी को 6-1, 6-4 से हराया और अपनी जीत का सिलसिला सात मैचों तक बढ़ाया। पिछले सप्ताह अल्माटी ओपन जीतने वाले 28 वर्षीय खिलाड़ी ने वियना में एटीपी 500 टूर्नामेंट में अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इतालवी खिलाड़ी को एक घंटे और 18 मिनट में हराया। इस जीत के साथ, खाचानोव ने जोड़ी की एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज़ में अपनी पहली जीत दर्ज की, जिसमें बेरेटिनी 4-1 से आगे हैं।

गोरखपुर में बनेगा विश्वस्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर : योगी

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामगढ़ताल के समीप विश्व स्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर बनाने के लिए सरकार रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफआई) को वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जगह उपलब्ध कराएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश की सभी बड़ी झीलों में वाटर स्पोर्ट्स की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

रामगढ़ताल में आयोजित 25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के समापन समारोह में खिलाड़ियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रोइंग के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। जरूरत है प्रतिभाओं को तराशने की। हमारे रोइंग खिलाड़ी ओलंपिक और अन्य वैश्विक प्रतिस्पर्धाओं में प्रतिभाग कर मेडल जीत सकते हैं। रोइंग में प्रतिभाओं को तराशने के लिए

सरकार रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुरोध पर रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर खोलने के लिए रामगढ़ताल के पास बने वर्ल्ड क्लास वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्पेस देगी। साथ ही सेंटर को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रदेश सरकार हर प्रकार का सहयोग देगी।योगी ने कहा कि यूपी में कई प्राकृतिक झीलें हैं, वहां भी रोइंग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। एशियन गेम्स और अंतरराष्ट्रीय स्तर की अन्य रोइंग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ियों लक्ष्मण अवार्डी और देवरिया के युवा कल्याण अधिकारी पुनीत बालियान, लक्ष्मण अवॉर्डी कुदरत अली, बुलंदशहर निवासी अरविंद सिंह, सुल्तानपुर निवासी मोहम्मद आजाद, हापुड़ निवासी लोकेश कुमार और संतकबीरनगर निवासी राजेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि रोइंग के इन खिलाड़ियों ने प्रदेश का मान देश और दुनिया में बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ अब शानदार करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने खेल नीति बनाकर ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं में सीधी नौकरी देने का शासनादेश जारी कर रखा है। टोक्यो ओलंपिक में पदक विजेता हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी की नौकरी दी गई है। इस बार के ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी राजकुमार पाल को भी नौकरी देने की घोषणा की आज चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं से जोड़ा जा चुका है।

महिला क्रिकेट : केरल ने हरियाणा को हराया, रेलवे ने चंडीगढ़ को दी मात

एजेंसी

लखनऊ। सीनियर वोमेंस टी-20 ट्राफी के लीग मैच में रेलवे ने चंडीगढ़ को 58 रन से हराकर बढ़त बना ली। इस मैच में रेलवे की बल्लेबाज इंद्राणी राव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 49 रन बनाये। वहीं दूसरे मैच में केरल ने हरियाणा को 20 रन से मात देकर बढ़त बना ली। केरल की बल्लेबाज अक्षय ने शानदार 60 रन बनाईं। निर्धारित 20 ओवर के मैच में केरल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 125 रन बनाये। शुरुआत बहुत खराब रही, सलामी बल्लेबाज शानी पहली ही बाल पर आउट हो गयीं। वहीं दृश्य मात्र छह रन बनाकर आउट हो गयीं। अक्षय ने संभल कर खेलना शुरू किया और 66 बाल पर 60 रन बनाईं, जबकि अनन्या ने 24 रन का योगदान दिया। वहीं हरियाणा की टीम ने 105 रन बनाकर ही आउट हो गयी और केरल ने 20 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में भावना ने सबसे अधिक 30 रन बनाये। वहीं दूसरे मैच

में रेलवे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 153 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज नुजहत परवीन ने 29 रन का योगदान दिया। वहीं इंद्राणी 49 रन बनाईं। मोना ने 36 रन का योगदान दिया। वहीं चंडीगढ़ की टीम पांच विकेट गवांकर निर्धारित 20 ओवर में मात्र 95 रन ही बना सकी और रेलवे ने इस मैच को 58 रन से जीत लिया।

सेंटनर की फिरकी में उलझे भारत ने मैच के साथ सीरीज भी गंवाई

एजेंसी

पुणे। मिचेल सेंटनर (104 पर छह विकेट) की घातक गेंदबाजी के चलते न्यूजीलैंड ने भारत को दूसरे टेस्ट मैच में 113 रनों से हरा कर तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है।

क्रिकेट इतिहास में यह पहला मौका है जब कीवी टीम ने भारत के खिलाफ उसके घर में टेस्ट सीरीज को अपने नाम किया है। न्यूज़ीलैंड की इस जीत के नायक मिचेल सेंटनर रहे जिन्होने भारत की पहली पारी में सात और दूसरी पारी में छह विकेट चटका कर अपनी टीम को ऐतिहासिक उपलब्धि दिलायी। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम की पिच पर सेंटनर भारतीयों के लिये काल बन कर उभरे। पहली पारी में सात विकेट चटका कर अपनी टीम को 103 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाने वाले सेंटनर का खौफ भारतीयों पर सिर चढ़ कर बोला।

न्यूज़ीलैंड ने दूसरी पारी में 255 रन बना कर भारत को जीत के लिये 359 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में भारत की पूरी टीम 245 रन बना कर आउट हो गयी। न्यूज़ीलैंड ने पहली पारी में 259 रन बनाये थे जिसके जवाब में भारत की पहली पारी 156 रन पर सिमट गयी थी। न्यूज़ीलैंड के पांच विकेट चटकाने के बाद भारत पहले सत्र में एक विकेट के नुक़सान पर 81 रन बना चुका था और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भारत इस मैच में जीत दर्ज करने की ओर बढ़ सकता है। भारत को सिर्फ़ एक अच्छे सत्र की ज़रूरत थी लेकिन दूसरे सत्र में पूरा मैच न्यूज़ीलैंड के पक्ष में झुक गया। न्यूज़ीलैंड ने बेंगलुरु में जीत हासिल कर 36 वर्षों बाद टेस्ट में जीत हासिल की थी और अब पहली सीरीज़ जीत भी उनके नाम है। न्यूज़ीलैंड की इन दो जीत में केन विलियमसन भी टीम का हिस्सा नहीं थे, श्रीलंका में यह टीम हारकर आई थी। साउदी ने कप्तानी से इस्तीफ़ा दे दिया था लेकिन टॉम लेथम ने बढ़िया कप्तानी की। पहले मैच में कीवी तेज़ गेंदबाज़ों ने बागडोर संभाली जबकि दूसरे मैच में सैंटनर ने अगुवाई की। बल्लेबाज़ी में कॉन्वे और रचिन रवींद्र के साथ कप्तान टॉम लेथम ने भी योगदान दिया और न्यूज़ीलैंड ने टेस्ट क्रिकेट की सबसे मुश्किल सीरीज़ में से एक सीरीज़ अपने नाम कर ली।

यशस्वी जयसवाल एक हजार रन के विशिष्ट क्लब में शामिल

एजेंसी

पुणे। यशस्वी जयसवाल एक कैलेंडर वर्ष के भीतर घरेलू टेस्ट मैचों में एक हजार रन का आंकड़ा पार करने वाले नये बल्लेबाज बन गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में यशस्वी ने यह उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही युवा भारतीय बल्लेबाज ने क्रिकेट के कुछ महान खिलाड़ियों के क्लब में अपनी उपस्थिति दर्ज करा ली है। जायसवाल ने 2024 के लिए घरेलू टेस्ट में कुल एक हजार रन बनाए हैं।

इससे पहले एक कैलेंडर वर्ष में घरेलू टेस्ट में एक हजार से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में गुंडप्पा विश्वनाथ,सुनील गावस्कर जैसे दिग्गज शामिल हैं। गुंडप्पा विश्वनाथ ने 1979 में भारत के लिए 1,047 रन बनाकर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला

था। उसी वर्ष, सुनील गावस्कर ने भी 1,013 रन बनाकर एक अमिट छाप छोड़ भारतीय क्रिकेट में अपनी विरासत को स्थापित किया था। इंग्लैंड के ग्राहम गूच के लिए 1990 का वर्ष असाधारण रहा, उन्होंने घरेलू टेस्ट मैचों में उल्लेखनीय 1,058 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर ने 2004 में 1,012 रन बनाकर अपनी निरंतरता का प्रदर्शन किया। इस बीच, मोहम्मद यूसुफ ने 2006 में पाकिस्तान के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और 1,126 रन के असाधारण स्कोर तक पहुँचे। माइकल क्लार्क ने 2012 में असाधारण प्रदर्शन करते हुये वर्ष का समापन शानदार 1,407 रनों के साथ किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई। जयसवाल की उपलब्धि न केवल उनकी असाधारण प्रतिभा को उजागर करती है बल्कि भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी दर्शाती है। 22 वर्षीय बाएं हाथ का बल्लेबाज पूरे साल शानदार फॉर्म में रहा है, जिसमें उसने आक्रामकता और तकनीक का मिश्रण दिखाया है, जिससे उसे प्रशंसकों और आलोचकों से समान रूप से प्रशंसा मिली है। मील के पत्थर तक पहुंचने के उनके यात्रा उल्लेखनीय प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के साथ शुरू हुई।

एफआईए ने नॉरिस पेनल्टी की समीक्षा करने की मैकलारेन की अपील को खारिज किया

मेक्सिको सिटी। फॉर्मूला 1 की शासी संस्था ने यूनाइटेड स्टेट्स ग्रैंड प्रिक्स के दौरान लैंडो नॉरिस को दिए गए दंड की समीक्षा करने के मैकलारेन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है। खिताब के प्रतिद्वंद्वी मैक्स वेरस्टैपेन को ट्रैक से बाहर करने के लिए जारी की गई पांच सेकंड की पेनल्टी ने नॉरिस को अंतिम रेस स्टैंडिंग में तीसरे से चौथे स्थान पर खिसका दिया। मेक्सिको सिटी ग्रैंड प्रिक्स सप्ताहांत से पहले पुष्टि की गई कि वॉकिंग संगठन ने पिछले बार ऑस्टिन में तीसरे स्थान के लिए संघर्ष करते समय ट्रैक से बाहर वेरस्टैपेन को ओवरटेक करने के लिए नॉरिस को मिली पांच सेकंड की पेनल्टी के लिए अनुरोध किया था।

इसके बाद श एक सुनवाई हुई, जिसमें टीम के प्रतिनिधि को स्टीवर्ड के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लेना आवश्यक था।अनुरोध की पुष्टि करते हुए एफआईए द्वारा जारी किए गए एक दस्तावेज़ में, यह कहा गया था कि सुनवाई यह निर्धारित करेगी कि क्या कोई महत्वपूर्ण और प्रासंगिक नया तत्व था जो संबंधित निर्णय के समय समीक्षा चाहने वाले पक्ष के लिए उपलब्ध नहीं था, यदि ऐसा पाया गया, तो दूसरी सुनवाई होगी। हालाँकि, यह घोषणा की गई है कि स्टीवर्ड ने अनुरोध को खारिज कर दिया है। मामले के परिणाम की व्याख्या करने वाले एक दस्तावेज़ में, यह कहा गया है कि मैकलारेन ने तर्क दिया

कि मूल निर्णय दस्तावेज़ पर एक कथन गलत था, जो यह था कि कार 4 बाहर से कार 1 को ओवरटेक कर रही थी, लेकिन शीर्ष पर कार 1 के बराबर नहीं थी। टीम ने सुझाव दिया कि यह एक त्रुटि थी क्योंकि उनके पास सबूत थे कि नॉरिस पहले ही ओवरटेक कर चुका था और ब्रेकिंग ज़ोन पर वेरस्टैपेन से आगे था। जोनाथन व्हीटली द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए रेड बुल ने अपना विश्वास व्यक्त किया कि इस मामले में समीक्षा के अधिकार के लिए एक सफल याचिका के मानदंड पूरे नहीं हुए थे। दस्तावेज़ में आगे कहा गया है- प्रासंगिकता के संबंध में, मैकलारेन यह प्रस्तुत करता प्रतीत होता है कि स्टीवर्ड का निष्कर्ष है कि कार 4 ने शीर्ष से पहले कार 1 को ओवरटेक किया था (और इसलिए कार 1 ओवरटेक करने वाली कार थी) और यह दावा किया गया त्रुटि अपने आप में एक नया तत्व है। यह अस्थिर है। समीक्षा के लिए याचिका किसी निर्णय में त्रुटि (तथ्य या कानून की) को ठीक करने के लिए की जाती है। किसी भी नए तत्व को उस त्रुटि को प्रदर्शित करना चाहिए। जिस त्रुटि का अस्तित्व सिद्ध किया जाना आवश्यक है, वह स्वयं अनुच्छेद 14 में उल्लिखित तत्व नहीं हो सकती। इस मामले में, यह अवधारणा कि लिखित निर्णय महत्वपूर्ण और प्रासंगिक नया तत्व था, या निर्णय में त्रुटि एक नया तत्व थी, टिकाऊ नहीं है और इसलिए इसे अस्वीकार कर दिया जाता है।

बिलासपुर ने जीता हिमाचल यूनिवर्सिटी अंतर राजकीय कबड्डी टूर्नामेंट

एजेंसी

धर्मशाला। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर प्रथम, भोरंज और मंडी रहे दूसरे व तीसरे स्थान पर किसी भी प्रकार के नशों या असामाजिक गतिविधियों से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि युवा अपने आप को किसी न किसी कार्य में व्यस्त रखें और स्वयं को स्वस्थ व व्यस्त रखने के लिए खेलों से बेहतर कोई विकल्प नहीं हो सकता। स्वतंत्रता सेनानी पंडित सुशील रतन राजकीय महाविद्यालय ज्वालामुखी में आयोजित चार दिवसीय हिमाचल यूनिवर्सिटी अंतर राजकीय कबड्डी टूर्नामेंट के समापन में शनिवार को बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने यह बात कही। 'खुद भी जागो औरों को भी जगाएं, नशा मुक्त अभियान चलाएं' थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता के समापन में बतौर शिरकत करते हुए उपायुक्त ने विजेता टीमों को पुरस्कारों से नवाजा। इस दौरान राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर प्रथम, राजकीय महाविद्यालय भोरंज द्वितीय तथा राजकीय महाविद्यालय मंडी तीसरे स्थान पर रहे। प्रदेश के 65 महाविद्यालयों के 780 प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह से इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

दुल्हन बनने जा रही हैं 'कुबूल है' कि जोया, इस दिन बॉयफ्रेंड सुमित संग सात फेरे लेंगी

सुरभि ज्योति

साल 2012 में जी टीवी पर एयर होने वाले हिंदी ड्रामा सीरियल 'कबूल है' में जोया का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस **Surbhi Jyoti Wedding** एक बार फिर से सुर्खियों में हैं. सुरभि ने अपना जीवन साथी ढूंढ लिया है और बहुत जल्द वो शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं. खबरों की मानें तो सुरभि अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड सुमित सुरी के साथ 27 अक्टूबर को शादी के बंधन में बंधेंगी. सोशल मीडिया पर 'नागिन' फेम एक्ट्रेस के फैन्स उनकी शादी को लेकर काफी एक्साइटिड हैं.शादी की तैयारियों के बीच एक्ट्रेस ने बॉयफ्रेंड सुमित सुरी के साथ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की और अपने रिश्ते पर मोहर लगाई. सुरभि और सुमित की शादी उत्तराखंड के जिम कोर्बेट पार्क के एक लग्जरी रिजॉर्ट में होगी. पहले खबरें आईं थीं कि सुरभि-सुमित राजस्थान में शादी करेंगे लेकिन उनका मनपसंद वेन्यू उन्हें नहीं मिल पाया जिसके बाद उन्होंने उत्तराखंड में शादी करने का फैसला लिया.

पहले मार्च में होने वाली थी शादी

दोनों की शादी पहले मार्च में होने वाली थी लेकिन वेन्यू ना मिलने की वजह से उन्होंने शादी को पोस्टपोन कर दिया लेकिन अब आखिरकार डेट डिसाइड हो गई है और दोनों लव बर्ड्स् 27 को शादी करेंगे. बात करें दोनों के रिश्ते की तो सुरभि-सुमित काफी लंबे वक्त से दोस्त हैं. एक म्यूजिक वीडियो 'Haanji- The Wedding Mantra' में सुरभि और सुमित साथ दिखाई दिए थे. दोनों ने इस वीडियो में दूल्हा-दुल्हन का रोल किया था और अब दोनों सच में लाइफ पार्टनर बनने जा रहे हैं.

कौन हैं सुरभि के होने वाले पति सुमित सूरी ?

बात करें सुरभि के होने वाले हबी की तो सुमित सुरी एक एक्टर और प्रोड्यूसर हैं, जो ऋषिकेश से आते हैं. वो कई विज्ञापनों में भी नजर आ चुकी हैं. जबकि, वॉर्निंग फिल्म से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया है, जिसे गुरमीत सिंह ने डायरेक्ट किया था. सुमित, खतरों के खिलाड़ी 4 में भी बतौर कंटेस्टेंट नजर आ चुके हैं. हाल ही में सुमित, विक्रांत मैसी और कीर्ति खरबंदा के साथ फिल्म '14 फेरे' में भी काम किया था. उन्होंने विवेक का किरदार निभाया था.

जो कोने-कोने में कर रहे हो, खुले में करो...सलमान खान ने करणवीर की लगाई क्लास

सलमान खान का रिएलिटी शो बिग बॉस 18 इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहा है. आए दिन घर में कंटेस्टेंट्स की लड़ाई झगड़े की खबरें छाई रहती हैं. अब 'वीकेंड का वार' में सलमान खान खतरों के खिलाड़ी के हालिया विनर करणवीर मेहरा की क्लास लगाते दिखने वाले हैं. शो के मेकर्स ने कलर्स पर लेटेस्ट एपिसोड का एक प्रोमो शेयर किया है, जिसमें सलमान करणवीर को आइना दिखाते नज़र आ रहे हैं.प्रोमो में सलमान करणवीर से कहते दिख रहे हैं, बाहर आप परिवार जोड़ नहीं पाए और यहां भी परिवार नहीं जोड़ पा रहे हैं. आप कोई भी चीज़ कम्प्लीट नहीं कर पाते हैंज्ये जो कोने कोने में कर रहे हो, ये खुले में करोज्विवियन (दसेना) को बोल सकते हो को आपकी ऑडियंस, आप कर क्या रहे हो तो क्या यार आपकी ऑडियंस नहीं है? आप क्या कर रहे हो? ये तो सलमान के क्लास का महज ट्रेलर है. शो में करणवीर को सलमान कितना सुनाते हैं ये देखना दिलचस्प होगा.

सलमान ने दिया रिएलिटी चेक

इस वीडियो को कलर्स टीवी के इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा गया है, करणवीर ने किया हार्श ट्रुथ का सामना, जब मिला उनको सलमान खान से रिएलिटी चेक. इस वीडियो पर करणवीर के फैन्स लगातार कमेंट कर रहे हैं. हालांकि कुछ लोग उन्हें स्ट्रॉन्ग कंटेस्टेंट तो बता रहे हैं, लेकिन सलमान की ओर से रिएलिटी चेक देने को भी सही ठहरा रहे हैं.

जब फैमिली पर करणवीर ने की बात

शो के लेटेस्ट एपिसोड के दौरान ईशा सिंह करणवीर मेहता के दो डिवोर्स के बारे में बात करती हुई नज़र आई हैं. उन्होंने ये बातें तब कही जब करणवीर ने अविनाश और ईशा के लिंक अप का हिंट देते हुए कुछ बातें कहीं. कुछ वक्त पहले शो में करणवीर ने श्रुतिका से बात करते हुए कहा था कि वो अपनी फैमिली को साथ नहीं रख पाए थे.करणवीर कहते हैं, मुझे लगता है कि फैमिली को साथ रखने की सलाहियत मुझमें है ही नहीं. ये चीज़ मेरे साथ बाहर भी हो चुकी है. मेरे पास ऐसी ही फैमिली थी, पर मैं उसे संभाल नहीं पाया.

गिरने के बाद भी नहीं रुके विद्या बालन के कदम, चोट के बावजूद नंगे पैर अटेंड किया पूरा इवेंट

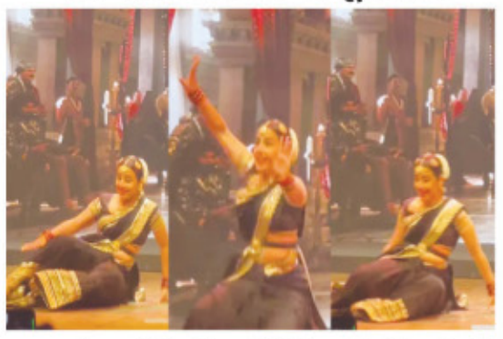

भूल भुलैया 3 की टीम ने 'आमी जे तोमार 3' गाने के लॉन्च से दिवाली के सेलिब्रेशन की ग्रैंड शुरुआत की है. इस गाने में माधुरी दीक्षित और विद्या बालन की धमाकेदार परफॉर्मेंस ऑडियंस को देखने मिल रही है. गाने के म्यूजिक लॉन्च के खास मौके पर माधुरी दीक्षित और विद्या बालन का एक स्पेशल डांस परफॉर्मेंस प्लान किया गया था और इस प्लानिंग के मुताबिक दोनों ने मुंबई के 'रॉयल ओपेरा हाउस' नाम के ऐतिहासिक थिएटर के मंच पर ये डांस परफॉर्मेंस पेश भी किया, लेकिन इस लाइव परफॉर्मेंस के बीच विद्या बालन गिर गईं. गिरने के बावजूद विद्या ने अपने चेहरे की मुस्कान बरकरार रखी और अपना डांस जारी रखा. लेकिन हम आपको बताते हैं कि आगे क्या हुआ.विद्या ने गिरने के बावजूद फिर एक बार अपने पैरों पर खड़े होते हुए अपना डांस परफॉर्मेंस पूरा किया. डांस खत्म होते ही कार्तिक आर्यन और माधुरी दीक्षित दोनों ने विद्या को गले लगाते हुए उनकी खूब हौसलाफजाई की. माधुरी दीक्षित ने भी विद्या के इस तरह से गिरने पर अपना मजेदार रिएक्शन देते हुए कहा कि जब विद्या इस तरह से गिरीं तब मैंने उनकी तरफ देखा. अगर वो नहीं उठ पातीं तो मैं भी नीचे गिरने वाली थी और फिर हम दोनों मिलकर 'मार डाला' गाने के स्टेप्स करते. लेकिन विद्या ने बहुत अच्छे से खुद को संभाला.

दोबारा किया डांस

विद्या बालन न सिर्फ अपने पैरों पर खड़ी रहीं बल्कि उन्होंने 'वन्स मोर' की पब्लिक डिमांड पर फिर एक बार 'आमी जे तोमार' गाने पर परफॉर्म करते हुए वहां मौजूद ऑडियंस का खूब मनोरंजन भी किया. उनके दूसरे परफॉर्मेंस के बाद जब कार्तिक आर्यन ने उन्हें छेड़ते हुए कहा कि अब परफेक्ट टेक हो गया है और अब वो इसे फिल्म में शामिल कर सकते हैं, तब कार्तिक की फिल्म 'भूल भुलैया' के निर्देशक अनीस बज्मी ने कहा कि इस परफॉर्मेंस के पहले वाला टेक भी परफेक्ट था और दोनों को फिल्म में शामिल किया जा सकता है.

चोट के कारण नंगे पैर अटेंड किया इवेंट

वैसे तो विद्या ने गिरने के बावजूद दो बार डांस परफॉर्मेंस दी. लेकिन जिस तरह से वो बार बार अपना पैर मोड़ रही थीं और एक पैर पर खड़ी रहने की कोशिश कर रही थीं, उसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता था कि उन्हें खड़े रहने में काफी तकलीफ हो रही है. पैरों में लगी हुई चोट के कारण लगभग 1 घंटे चले इस इवेंट में विद्या ने नंगे पैर ही शामिल होने का फैसला लिया, वो चाहतीं तो इवेंट से जल्दी निकल सकती थीं. लेकिन उन्होंने अपनी कमिटमेंट के चलते नंगे पैर पूरा इवेंट अटेंड किया. इस दौरान पैपराजी को फोटो देने के लिए विद्या ने जब उनकी सैंडल पहनने की कोशिश की तब पैर में हो रहे दर्द के कारण वो उन्हें पहन नहीं पाईं.

चाहत पांडे

की मम्मी ने लगाई अविनाश को फटकार, एक्टर की मां ने भी सुनाई खरी खोटी

बिग बॉस 18 में रोजाना नए-नए तमाशे होते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि अगर शो में तमाशे या झगड़े नहीं होंगे, तो लोगों को इसे देखने में मजा भी नहीं आएगा. फिलहाल घर की सत्ता जेल में मौजूद अविनाश मिश्रा और अरफीन के हाथों में हैं. बिग बॉस ने उन्हें घर के राशन का पूरा जिम्मा दे रखा है. साथ ही वही ये फैसला लेंगे कि किसको कितना राशन देना है या नहीं देना है. इसी बीच मेकर्स ने एक नया प्रोमो शेयर किया है.नए प्रोमो में चाहत पांडे और अविनाश मिश्रा की मम्मी को शो पर देखा जा सकता है. बिग बॉस दोनों कंटेस्टेंट्स की माताओं का आमना-सामना करवाते हैं. इसके अलावा चाहत और अविनाश को भी उनसे बात करने का मौका देते हैं. लेकिन चाहत की मम्मी अविनाश को जमकर फटकार लगाती हुई नजर आती हैं. वहीं अविनाश की मम्मी भी चाहत को खूब खरी खोटी सुनाती हुईं नजर आईं. इस दौरान एक बार फिर से अविनाश और चाहत भी आपस में बहस कर बैठे.

अविनाश और चाहत की मां का आमना-सामना

प्रोमो में अविनाश की मम्मी कहती हैं, अविनाश ने जो भी कहा बिल्कुल सही कहा, उसने सभी लोगों के बीच में बोला, इसने एक मजाक के तौर पर कहा. इसी बीच तुरंत चाहत की मां कहती हैं, सुनो पंचायत बुलाकर मजाक नहीं किया जाता, पंचायत बुलाकर बेइज्जती की जाती है. इसपर अविनाश की मां कहती हैं कि सिर्फ लड़कियों की इज्जत होती है, लड़कों की कोई इज्जत नहीं होती. ये सुनते ही चाहत तुरंत अपना रिएक्शन देते हुए वाह-वाह कहती हैं.

चाहत की मम्मी ने अविनाश को लगाई फटकार

चाहत के ताने को सुनकर अविनाश भी भड़कते हुए कहते हैं कि वो भी उनकी मां की बातें चुपचाप सुन रहे हैं, कोई ताने नहीं मार रहे हैं.